नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 170 | नई दिल्ली, बुधवार 18 सितम्बर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

रोमांस-हॉरर थ्रिलर से तहलका मचाएंगी तृप्ति पेज-12

एक नजर

जल संरक्षण के लिए मिलकर काम करने की जरूरत : मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण के लिए सभी हित धारकों को मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि जल ही जीवन है इसलिए सब प्राणियों को पानी उपलब्ध कराने के लिए जल संरक्षण को आंदोलन बनाने की जरूरत है।

श्रीमती मुर्मू ने मंगलवार को यहां भारत मंडपम में तीन दिन तक चलने वाले 8वें भारत जल सप्ताह सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि जल संरक्षण को देश ही नहीं पूरी दुनिया में आंदोलन बनाने की जरूरत है और इसके लिए सभी हितधारकों को मिलकर पानी बचाने के नए तथा सभी परंपरागत तरीकों को अपना कर पानी का संरक्षण करने की आवश्यकता है।

उन्होंने जल संरक्षण के लिए मंत्रालय द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि जल संरक्षण प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने, इसके विकास और वितरण के लिए सभी हितधारकों के बीच सहयोग, समावेशिता और साझेदारी को बढ़ावा देने के जो प्रयास जल शक्ति मंत्रालय कर रहा है उसके कार्य सराहनीय हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि मंत्रालय ने जल मिशन के तहत सभी नागरिकों तक स्वच्छ पानी की पहुंच सुनिश्चित की है। यह और प्रसन्नता की बात है कि देश में 78 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों को पानी के कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं और पानी की पहुंच की दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि सभी को भागीदारी से आगे बढ़कर जल संरक्षण, बेहतर प्रबंधन,विकास और वितरण के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जन आंदोलन शुरू करना चाहिए।

मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के चतुष्कोणीय गठबंधन क्वाड के चौथे शिखर-सम्मेलन तथा न्यूयॉर्क में भविष्य पर शिखर-सम्मेलन में भाग लेने के लिए 21 सितंबर को तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका रवाना होंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार श्री मोदी यात्रा के दौरान, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की मेजबानी में विलमिंगटन, डेलावेयर में 21 सितंबर को होने वाले चौथे क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत को करनी थी लेकिन अमेरिकी पक्ष के अनुरोध के बाद, भारत 2025 में अगले क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए सहमत हो गया है।

क्वाड शिखर सम्मेलन में, चारों देशों के नेता पिछले एक वर्ष में क्वाड द्वारा हासिल की गई प्रगति की समीक्षा करेंगे और हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के देशों को उनके विकास लक्ष्यों और आकांक्षाओं को पूरा करने में सहायता करने के लिए आने वाले वर्ष के लिए एजेंडा निर्धारित करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार 23 सितंबर को प्रधानमंत्री न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' को संबोधित करेंगे। शिखर सम्मेलन का विषय 'बेहतर कल के लिए बहुपक्षीय समाधान' है। शिखर सम्मेलन में बड़ी संख्या में वैश्विक नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन से इतर, प्रधानमंत्री कई विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

प्रधानमंत्री 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय की एक सभा को संबोधित करेंगे।

केजरीवाल ने दिया इस्तीफा, आतिशी बनेंगी नई मुख्यमंत्री

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद आतिशी ने सरकार बनाने का दावा किया पेश

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके बाद आतिशी ने सरकार बनाने का दावा पेश किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री आवास पर सुबह विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। इसमें आतिशी का नाम केजरीवाल ने खुद मुख्यमंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया। आतिशी केजरीवाल की सबसे भरोसेमंद साथियों में से एक बताई जाती हैं। आबकारी नीति मामले में केजरीवाल के जेल जाने के बाद आतिशी ने सबसे ज्यादा 13 मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली।

अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आतिशी ने कहा, केजरीवाल सरकार के खिलाफ भाजपा पिछले दो साल से लगातार दुष्प्रचार कर रही है, लेकिन आज तक उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई। भाजपा ने हमारी पार्टी पर कई तरह के फर्जी आरोप लगाए। हमारे नेता अरविंद केजरीवाल को पिछले छह महीने तक जेल में रखा गया। आतिशी अब जल्द ही मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगी।

बता दें कि शराब घोटाले में सीबीआई वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया था। उन्होंने कहा कि अब वह जनता की अदालत जाएंगे। जनता चाहेगी, तभी वह सीएम की कुर्सी पर बैठेंगे। इसके साथ ही उन्होंने नवंबर में ही दिल्ली का चुनाव कराये जाने की मांग की थी।

एलजी वीके सक्सेना से मांगा शपथ लेने का समय

केजरीवाल ने भाजपा के षड्यंत्र के कारण इस्तीफा दिया: आतिशी

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने विधायक दल की नेता चुने जाने पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल का आभार जताते हुए कहा कि दिल्ली का एक ही मुख्यमंत्री है और उनका नाम अरविंद केजरीवाल है। सुश्री आतिशी ने विधायक दल की नेता चुने जाने पर पत्रकारों से कहा कि मैं दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री, आम आदमी पार्टी के नेता और मेरे गुरु अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी और इसके लिए मुझ पर भरोसा दिखाया। यह केवल आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में ही हो सकता है कि पहली बार की राजनेता एक राज्य की मुख्यमंत्री बने। मैं एक सामान्य परिवार से आती हूं। अगर मैं किसी और पार्टी में होती तो शायद मुझे चुनाव का टिकट भी नहीं मिलता, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने मुझ पर भरोसा किया। मुझे विधायक, फिर मंत्री बनाया और आज मुख्यमंत्री बनने की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि मैं खुश हूं कि अरविंद केजरीवाल ने मुझ पर इतना भरोसा किया, लेकिन आज जितना सुख मेरे मन में है, उससे ज्यादा मन में दुख भी है। दुख इसलिए, क्योंकि दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री और मेरे बड़े भाई अरविंद केजरीवाल आज इस्तीफा दे रहे हैं।

आतिशी बनेंगी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनेंगी। इससे पहले सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित दिल्ली की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। सुश्री आतिशी का जन्म आठ जून, 1981 को दिल्ली में हुआ था। वह मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली हैं। उनके माता-पिता दोनों ही दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रहे हैं। आतिशी ने सेंट-स्टीफंस कॉलेज से इतिहास में स्नातक की डिग्री हासिल की है। उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से मास्टर्स की डिग्री हासिल की है। भ्रष्टाचार विरोधी अन्ना आंदोलन के दौरान आतिशी ने 2012 में राजनीति में कदम रखा और आम आदमी पार्टी की नींव रखने वाले लोगों में शामिल रहीं। आतिशी ने जुलाई 2015 से 17 अप्रैल 2018 तक तत्कालीन शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया के सलाहकार के तौर पर काम किया है। 2013 के विधानसभा चुनाव के दौरान वह पार्टी का घोषणापत्र तैयार करने वाली मसौदा समिति की प्रमुख सदस्य रह चुकी हैं। वह पार्टी प्रवक्ता की भी जिम्मेदारी निभा चुकी हैं।वह पहली बार 2020 में कालकाजी विधानसभा से जीतकर विधायक बनीं। आप नेता मनीष सिसोदिया को कथित शराब घोटाले के आरोप में जेल जाना पड़ा तो उनकी जगह आतिशी को शिक्षा मंत्री बनाया गया और अब उनके पास शिक्षा मंत्रालय समेत कई मंत्रालय की ज़िम्मेदारी हैं। आतिशी को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का खास माना जाता है।

मुख्यमंत्री का चेहरा बदला, भ्रष्टाचार नहीं : वीरेन्द्र सचदेवा

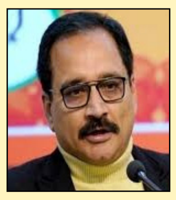

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा का कहना है कि आम आदमी पार्टी (आआपा) के स्वभाव में ही भ्रष्टाचार है, वह कभी नहीं बदल सकता। मुख्यमंत्री का चेहरा बदला है, भ्रष्टाचार नहीं बदला। आम आदमी पार्टी की मंत्री आतिशी को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री बनाए जाने पर आज उन्होंने यह प्रतिक्रिया दी। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने मजबूरी में आतिशी को मुख्यमंत्री बनाया है। वह किसी और को मुख्यमंत्री बनाना चाह रहे थे, लेकिन वह चाह कर के भी अपनी मर्जी का मुख्यमंत्री नहीं बना सकें। मनीष सिसोदिया के दबाव में केजरीवाल को आतिशी को मुख्यमंत्री बनाना पड़ा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कोई पहली बार महिला मुख्यमंत्री नहीं बन रही है। इससे पहले सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित भी दिल्ली की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। लेकिन आआपा के नेताओं का सबसे बड़ा गुनाह भ्रष्टाचारी होना है और जहां तक महिला सुरक्षा की बात है, इन्होंने तो महिला सुरक्षा के नाम पर पैनिक बटन घोटाला किया है और उसका हिस्सा आतिशी भी रही हैं। आतिशी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी और शिक्षा विभाग को देखने वाली आतिशी जबाव दें की दिल्ली की सड़कों पर वह ध्यान दे रही हैं की नहीं। दिल्ली की सड़कों की हालत इतनी खराब है कि कई रास्तों पर तो आधे घंटे की जगह दो से तीन घंटे लगते हैं।

विपक्ष की विश्वसनीयता नहीं बची : राजनाथ सिंह

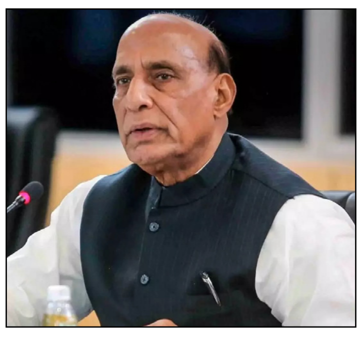

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि विपक्ष की कोई विश्वसनीयता नहीं बची है और वह विदेशों में जाकर देश की प्रतिष्ठा धूमिल करने की कोशिश कर रहा है।

श्री सिंह ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपना एक वीडियो साझा कर मोदी सरकार की पहले 100 दिनों की उपलब्धियों का जिक्र किया। इस वीडियो में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष कुछ भी कहे सरकार को काम करना है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का एक जुनून है। सरकार उस लक्ष्य को हासिल करके रहेगी। उन्होंने कहा, ह्ल यदि क्रिकेट की शब्दावली में कहें तो हमारी सरकार पहली गेंद से ही तेजी से भारत का स्कोर बढाने में लगी है वहीं विपक्ष वाइड और नो बॉल फेंकने में ही देश का कीमती समय और संसाधन बर्बाद कर रहा है। अब विपक्ष की विश्वसनीयता नहीं रह गयी है। दूसरे देशों में जाकर भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह एक विडंबना है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि वह सरकार की सभी योजनाओं के बारे में यहां नहीं बता सकते लेकिन जहां तक रक्षा क्षेत्र का सवाल है सरकार भारत को रक्षा क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि रक्षा खरीद परिषद ने डेढ लाख करोड़ के रक्षा सौदों की खरीद को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि 500 से अधिक रक्षा उत्पादों और उपकरणों को सरकार ने स्वदेशी सूची में डाल दिया है और ये उत्पाद देश में ही बनाये जायेंगे तथा इनका आयात नहीं किया जायेगा।

शीर्ष अदालत ने 'बुलडोजर न्याय' पर रोक लगाई

अवैध विध्वंस को संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने समूचे देश में प्राधिकारियों को उसकी इजाजत के बिना आपराधिक मामलों में आरोपियों की संपत्ति समेत अन्य संपत्तियों को एक अक्टूबर तक ध्वस्त नहीं करने का निर्देश देते हुए मंगलवार को कहा कि अगर अवैध रूप से ध्वस्तीकरण का एक भी मामला है तो यह हमारे संविधान के मूल्यों के विरुद्ध है।

न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने स्पष्ट किया कि उसका आदेश सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों आदि पर बने अनधिकृत ढांचों पर लागू नहीं होगा।

पीठ ने कहा, यदि अवैध ध्वस्तीकरण का एक भी उदाहरण हैह्वतो यह हमारे संविधान के मूल्यों के विरुद्ध है।

पीठ ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई की तारीख एक अक्टूबर तक, 'इस अदालत की अनुमति लिए बिना' कोई भी तोड़फोड़ नहीं की जाएगी।

शीर्ष अदालत उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें आरोप लगाया गया था कि कई राज्यों में आपराधिक मामलों में आरोपियों की संपत्तियों को ध्वस्त किया जा रहा है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि संपत्तियों के ध्वस्त करने का 'विमर्श' गढ़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत के समक्ष एक याचिका दायर की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि चूंकि वह व्यक्ति एक विशेष धर्म से संबंधित था, इसलिए उसकी संपत्ति को ध्वस्त कर दिया गया।

विधि अधिकारी ने कहा, उन्हें आपके ध्यान में ध्वस्तीकरण का एक ऐसा मामला लाना चाहिए जहां कानून का पालन नहीं किया गया हो।

मेहता ने कहा कि प्रभावित पक्षों ने अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया है, क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें नोटिस मिल चुके हैं और उनका निर्माण अवैध है।

पीठ ने वरिष्ठ विधि अधिकारी से कहा, आप निश्चिंत रहें, बाहरी शोर हमें प्रभावित नहीं करता।

पीठ ने इस मामले में दो सितंबर को हुई सुनवाई के बाद दिए गए बयानों पर भी अपनी नाराजगी व्यक्त की। उस सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर कुछ दिशानिर्देश बनाने की बात कही थी जो पूरे देश में लागू होंगे।

पीठ ने कहा, उस आदेश के बाद, ऐसे बयान आए हैं कि बुलडोजर चलता रहेगा और यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि स्टेयरिंग किसके हाथ में है।

उसने कहा कि इस तरह के बयान दिए गए हैं और अदालत इस पर आगे कुछ भी कहने से बच रही है।

पीठ ने कहा, श्री मेहता, आप हमें यह बताएंगे कि इसे कैसे रोका जाए। यदि आवश्यक हुआ तो हम निर्वाचन आयोग से भी कहेंगे।

कोलकाता महिला डॉक्टर रेप केस : सुप्रीम कोर्ट ने विकीपीडिया को दिया आदेश

तुरंत हटाओ मृत डॉक्टर का नाम और तस्वीर

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लेने के बाद सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से ताजा स्टेटस रिपोर्ट फाइल करने को कहा है। इसके अलावा सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने पश्चिम बंगाल पुलिस से मृत डॉक्टर की ऑटोप्सी रिपोर्ट पेश करने को कहा है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने विकिपीडिया को मृत ट्रेनी डॉक्टर का नाम और तस्वीर हटाने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने कहा कि रेप पीड़ित की पहचान को सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। पीड़ित के माता-पिता के वकील ने कोर्ट में कहा कि विकिपीडिया ने नाम और तस्वीर हटाने से इनकार कर दिया है। उखकचंद्रचूड़ ने कहा कि हम विकीपीडिया को आगाह करते हैं कि वह पीड़िता की तस्वीर और नाम हटा ले।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि पीड़िता की एक खास हेयरस्टाइल थी जिसे कई जगह दिखाया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता के नाम और पहचान को कतई उजागर नहीं करना है। वहीं पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से पेश हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि इस सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग रोक देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बंगाल सरकार का पक्ष रखने वाले वकीलों को सोशल मीडिया पर रेप और एसिड अटैक तक की धमकी दी जा रही है।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि यह जनहित का मुद्दा है और इसलिए लाइव स्ट्रीमिंग बंद नहीं की जाएगी। अगर किसी को कोई खतरा है तो उसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म से विक्टिम की तस्वीरें हटाई जाएं। इसके अलावा सीबीआई 17 सितंबर तक जांच की नई स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में पेश करे।

सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को दी चेतावनी

बेंच ने कहा कि डॉक्टर हड़ताल खत्म करके बुधवार शाम 5 बजे तक काम पर लौटें नहीं तो उनके खिलाफ ऐक्शन लिया जाएगा। इसके अलावा कोर्ट ने सीआईएसएफ को रहने की जगह मुहैया करवाने का भी निर्देश दिा है। बेच ने 9 सितंबर को सुनवाई के दौरान ही सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म से पीड़िता की पहचान हटाने के निर्देश दिए थे। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि जांच पूरी होने में अभी वक्त लगेगा। सीबीआई को पर्याप्त समय मिलना चाहिए।

ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री पद से हटाने की गुहार सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कोलकता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ नौ अगस्त को कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या मामले के मद्देनजर ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पद से हटाने का निर्देश देने की गुहार मंगलवार को ठुकराते हुए इस मामले के अधिवक्ता को कड़ी चेतावनी दी।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पादीर्वाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 'स्वत: संज्ञान' मामले में सुनवाई के दौरान एक याचिका पर कड़ी आपत्ति जताई और संबंधित अधिवक्ता को अदालती कार्यवाही से बाहर करने की चेतावनी दी। पीठ ने अधिवक्ता से कहा कि वह इसे (अदालत को) राजनीतिक मंच की तरह समझेंगे तो उन्हें इस अदालती कार्यवाही में शामिल होने से वंचित कर दिया जाएगा।

पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सख्त लहजे में संबंधित अधिवक्ता से कहा, "यह कोई राजनीतिक मंच नहीं है।

ओडिशा: मोदी ने 2,871 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखी

भुवनेश्वर/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा में कई महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं का मंगलवार को शिलान्यास और लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं का कुल निवेश 2,871 करोड़ रुपये है, जो रेल कनेक्टिविटी में सुधार, महत्वपूर्ण मार्गों की भीड़भाड़ कम करने और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने के हैं। यह निवेश भारतीय रेलवे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जो देश के परिवहन क्षेत्र का मुख्य घटक है और राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देता है।इन परियोजनाओं से न केवल रेल यात्रियों की सुविधा में वृद्धि होगी, बल्कि देश के औद्योगिक और कृषि क्षेत्र की प्रगति में भी मदद मिलेगी।

इस पहल का उद्देश्य ओडिशा के औद्योगिक, संसाधन-संपन्न और आदिवासी-बहुल क्षेत्रों में महत्वपूर्ण रेल नेटवर्क को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री ने जिन चार रेल खंडों को राष्ट्र को समर्पित किया उनमें 25.394 किलोमीटर लंबा लांजीगढ़ रोड-अंबाडोला-दोई कल्लू रेल खंड शामिल है जो विजयनगरम-टिटलागढ़ तीसरी लाइन परियोजना का हिस्सा है।

यह महत्वपूर्ण खंड व्यस्त विजयनगरम-टिटलागढ़ मार्ग की क्षमता बढ़ाएगा, जिससे पश्चिमी ओडिशा और आंध्र प्रदेश के बीच संपर्क बढ़ेगा और इससे यात्रियों को लाभ होगा और माल ढुलाई आसान होगा।

प्रधानमंत्री द्वारा समर्पित 260 करोड़ रुपये की लागत वाली कोरापुट-सिंगापुर रोड दोहरीकरण परियोजना के 22.94 किलोमीटर लंबे लक्ष्मीपुर रोड-सिंगारम-टिकिरी रेलवे खंड का उद्देश्य दक्षिणी ओडिशा में ट्रेनों की आवागमन क्षमता बढ़ाना है।यह परियोजना संसाधन समृद्ध क्षेत्रों से प्रमुख बाजारों तक माल की आवाजाही को आसान बनाएगी।

पांच सौ 40 करोड़ रुपये की लागत से 40.62 किमी लंबी ढेंकनाल-सदाशिबापुर-हिंडोल रोड रेलवे खंड की बुधपंक-सालेगांव तीसरी और चौथी लाइन परियोजना महत्वपूर्ण औद्योगिक मार्ग पर क्षमता बढ़ाएगी, जिससे माल ढुलाई सुगम और तेजी से होगा।

इसी तरह, 239 करोड़ रुपये की लागत वाली बोंडामुंडा-रांची दोहरीकरण परियोजना के 12.5 किलोमीटर लंबे बंगुरकेला-नौगांव रेलवे खंड से भीड़भाड़ कम होगी और ओडिशा और झारखंड के बीच संपर्क में सुधार होगा।

भारतीय युवा कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस को राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रूप में मनाया

देश के बेरोजगार युवा, राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस मना रहे है, इसके लिए सिर्फ और सिर्फ केंद्र की मोदी सरकार जिम्मेदार हैं: श्रीनिवास बी वी

❍ देश का हर छठा ग्रेजुएट बेरोजगार है, 10 साल में 22 करोड़ से अधिक लोगों ने केंद्र सरकार की नौकरी के लिए आवेदन किया: श्रीनिवास बी वी

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने आज देश भर में प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिवस को राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रूप में मनाया, इस अवसर पर दिल्ली में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय पर युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने बेरोजगारी के विरुद्ध सांकेतिक प्रदर्शन का आयोजन किया। इस अवसर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार जब से आई, देश के युवाओं के लिए बेरोजगारी की सौगात लाई है। इस ही लिए आज देश के बेरोजगार युवा उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रूप में माना रहे है।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि भारत विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है, देश के अंदर ज्यादा संख्या में युवा आबादी है, और उसमे से 60% युवा बेरोजगार घूम रहे है, 20 वर्ष से लेके 24 वर्ष तक के युवाओं में 42% युवा बेरोजगार है, यह एक अत्यंत ही भयावह स्थिति है, देश भर में आज 45 वर्षो में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है, पर मोदी सरकार सिर्फ और सिर्फ हम दो हमारे दो के लिए काम कर रही है, उन्हे देश के बेरोजगार युवा की दिक्कत और परेशानी नहीं दिखाई पड़ रही है।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा की मोदी सरकार के राज में देश आज आर्थिक मंदी से जूझ रहा है और देश में आज बेरोजगारी दर बढ़ती जा रही है, एक युवा राष्ट्रीय के लिए इससे ज्यादा खतरनाक इस्थिति और कुछ नही हो सकती है, आज देश का युवा मायूस है, मोदी जी ने देश के युवाओं से हर वर्ष 2 करोड़ रोजगार देने का वायदा किया था, उस हिसाब से आज देश में 16 करोड़ युवाओं को रोजगार मिल जाना चाहिए था, पर असलियत यह है 16 करोड़ युवाओं को रोजगार तो नही मिला पर 22 करोड़ लोगो के आवेदन जरूर आए और उसमे से सिर्फ 7 लाख लोगो को रोजगार मिला, इस लिए आज देश का युवा राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस मनाने पर मजबूर है। उन्होंने यह भी कहा की मोदी जी को देश के युवाओं के रोजगार की चिंता तो नही पर अमित शाह के बेटे जय शाह के रोजगार की अवश्य है, आज हम प्रधानमंत्री मोदी से अपील करते है कि वो देश के बेरोजगार युवाओं पर भी थोड़ा ध्यान दे और उनके रोजगार के लिए भी जल्द से जल्द कोई ठोस कदम उठाए।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि देश का हर छठा ग्रेजुएट बेरोजगार है। 10 साल में 22 करोड़ लोगों ने केंद्र सरकार की नौकरी के लि?ए आवेदन किया। मोदी सरकार 1% लोगों को भी नौकरी नहीं दे पाई। केंद्र व राज्यों में 60 लाख पद खाली पड़े हैं, सरकार उस पर कुछ क्यों नही कर रही है? रोजगार पैदा करने वाले टरटए सेक्टर के लिए क्या योजना है केंद्र सरकार के पास?, उन्होंने यह भी कहा कि हम मोदी जी से उनके जन्मदिवस पर यह मांग करते है कि युवाओं को रोजगार दीजिए, और युवाओं के हक की बात कीजिए। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहे और इस सांकेतिक प्रदर्शन में शामिल हुए।

रबर स्टैंप मुख्यमंत्री की तरह काम करेंगी आतिशी : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली की अगली मुख्यमंत्री पद के लिए आतिशी का नाम प्रस्तावित करने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आतिशी रबर स्टैंप मुख्यमंत्री की तरह काम करेंगी और उनका रिमोट अरविंद केजरीवाल के हाथ में ही रहेगा। वह जैसा चाहेंगे आतिशी वैसा ही करेंगी। गुप्ता ने कहा कि आतिशी दिल्ली की सिर्फ डमी मुख्यमंत्री बन कर रह जाएगी। यह दिल्ली के 2 करोड़ लोगों के साथ अन्याय होगा। उन्होंने कहा कि वामपंथी विचारधारा की पोषक आतिशी को मुख्यमंत्री बनाकर अरविंद केजरीवाल ने अपना वामपंथी चेहरा जनता के सामने प्रकट कर दिया है।

गुप्ता ने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि दिल्ली की बागडोर एक ऐसी महिला के हाथ में दी जा रही है जिसके परिवार के लोग पार्लियामेंट हमले के मुख्य अभियुक्त अफजल गुरु को बचाने के प्रयासों में सक्रिय रहे हैं। अब दिल्ली वालों को समझ लेना चाहिए कि उनकी नई मुख्यमंत्री किस सोच के साथ गद्दी पर बैठने जा रही हैं। नेता प्रतिपक्ष ने आशंका जताई कि दिल्ली की स्थिति बद से बदतर होती चली जाएगी, क्योंकि आतिशी का मंत्री के रूप में कार्यकाल पूरी तरह विफल ही रहा है। जल मंत्री के रूप में उन्होंने मानसून के कारण हुए जल भराव की सैकड़ों घटनाओं पर कोई कार्रवाई नहीं की।

मोदी जी के जन्मदिन पर लाल किला ग्राउंड में हेल्थ मेला

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर लव कुश रामलीला कमेटी एवम सामाजिक अधिकारिता मंत्रालय द्वारा लीला स्थल लाल किला ग्राउंड में दिव्यांगजन को भारत सरकार की एडिप योजना के अंतर्गत सांसद प्रवीन खंडेलवाल और लव कुश लीला के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने चार सौ मोटरराइजड ट्राइसाइकिल बेसखिया, दिव्यंगजन के लिए स्पेशल मोबाइल, कानो की मशीन , नजर के चश्मे, आदि निशुल्क प्रदान किए।

इस अवसर पर सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा हम नर सेवा नारायण सेवा के सिद्धांत को मानते हैं इसी के अंतर्गत मोदी जी के जन्मदिन पर दिव्यांगजन, बुजुर्गों, महिलाओं, स्कूली छात्रों को लाभान्वित किया गया, उन्होंने लीला कमेटी का आभार व्यक्त किया कि आज के दिन लीला आयोजकों ने ऐसा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया ।

लव कुश लीला कमेटी के प्रेसीडेंट अर्जुन कुमार ने कहा हम लीला आयोजन के साथ साथ पूरे साल सामाजिक सेवा से जुड़े अनेक कार्यक्रम करते है , उन्होंने बताया महाराजा अग्रसेन अस्पताल रोहिणी, तारा संस्थान, एलप्स के सहयोग से आंखों की जांच, नजर के चश्मे, कानो की मशीन का वितरण किया गया। सांसद प्रवीन खंडेलवाल के साथ अर्जुन कुमार व्हीलचेयर, स्कूली बच्चों को स्कूल बैग, किताबे कापिया और एक हजार महिलाओं को साड़ी वितरण किया।

इस शिविर में सहयोग और अपनी सेवाए प्रदान करने वाले सभी डॉक्टर्स, नर्स, सहयोगी संस्थाओं का कमेटी की और से पवन गुप्ता, सुभाष गोयल और सत्य भूषण जैन स्वागत किया और सभी को लीला कमेटी का प्रतीक चिन्ह भेंट प्रदान करके सम्मानित किया गया

इस मौके पर पर एक रंगारंग कल्चरल कार्यक्रम और विशाल भंडार का आयोजन भी किया गया।

सफदरजंग अस्पताल ने नए जेरिएट्रिक केयर वार्ड का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में से एक, सफदरजंग अस्पताल को मेडिसिन विभाग के तहत अपने नए जेरिएट्रिक केयर वार्ड के सफल उद्घाटन की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। बुजुर्ग रोगियों के लिए विशेष देखभाल प्रदान करने के लिए समर्पित यह सुविधा भारत की बढ़ती वरिष्ठ आबादी की अनूठी स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करती है। 17 सितंबर को सफदरजंग अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार ने वार्ड का आधिकारिक उद्घाटन किया। नए वार्ड में 17 समर्पित बिस्तर शामिल हैं, जो बुजुर्ग रोगियों की सेवा करने की अस्पताल की क्षमता का काफी विस्तार करते हैं।

मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. वाई सी पोरवाल ने एक संबोधन दिया जिसमें वार्ड की जेरिएट्रिक रोगियों के लिए व्यापक देखभाल प्रदान करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। वार्ड में उम्र से संबंधित स्थितियों, फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक चिकित्सा और मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए विशेष उपचार प्रदान किए जाते हैं। चिकित्सा प्रौद्योगिकी से सुसज्जित और अनुभवी जेरिएट्रिक विशेषज्ञ, नर्स और बुजुर्गों की देखभाल में प्रशिक्षित सहायक कर्मचारियों द्वारा संचालित। इसमें नॉन-स्लिप फ़्लोरिंग, हैंडरेल और आसानी से सुलभ आपातकालीन कॉल सिस्टम सहित वरिष्ठ नागरिकों के अनुकूल बुनियादी ढाँचा है। यह इकाई दिल्ली में दूसरी समर्पित जेरिएट्रिक देखभाल सुविधा है, जो इस क्षेत्र के लिए विशेष बुजुर्गों की देखभाल में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दशार्ती है।

सफदरजंग अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार ने कहा, "इस जेरिएट्रिक केयर वार्ड का उद्घाटन सभी आयु समूहों के लिए व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत की बुजुर्गों की आबादी तेजी से बढ़ रही है, इसलिए यह विशेष सुविधा उनकी अनूठी चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। " उन्होंने आगे कहा कि 5 एम महत्वपूर्ण हैं मन, गतिशीलता, दवाएँ, बहु जटिलताएँ, मानसिक स्वास्थ्य और रोगी के लिए क्या मायने रखता है।

डॉ. पोरवाल, एचओडी मेडिसिन ने जोर देकर कहा, "हमारा लक्ष्य व्यापक देखभाल प्रदान करना है जो न केवल शारीरिक बीमारियों बल्कि हमारे बुजुर्ग रोगियों की भावनात्मक और सामाजिक जरूरतों को भी संबोधित करती है। यह वार्ड समग्र जेरिएट्रिक देखभाल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। " जेरिएट्रिक यूनिट के प्रभारी डॉ. अश्विनी ने नए वार्ड के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह दिल्ली में सिर्फ. दूसरी समर्पित जेरिएट्रिक केयर यूनिट है।

रोहिणी में मुठभेड़ के बाद दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के रणहौला में फायरिंग कर फरार हुए गैंगस्टर योगेश टुंडा गिरोह के दो शूटर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सोमवार रात रोहिणी इलाके में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी। बदमाशों के पास से पुलिस ने दो पिस्टल और एक बाइक बरामद की है। यह बाइक आनंद विहार इलाके से चुराई गई थी। पुलिस अब दोनों से पूछताछ कर इनके पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है। गिरफ्तार आरोपियों में हरियाणा के रोहतक निवासी राहुल काला और पंजाब के अमृतसर निवासी मंदीप शामिल है। मंदीप पर तीन मामले दर्ज हैं। गौरतलब है कि 14 सितंबर को रणहौला इलाके में दो बेकरी की दुकानों पर गोलीबारी की घटना हुई थी। इसमें गोगी गैंग के गैंगस्टर योगेश टुंडा के नाम पर पांच करोड़ रुपये की रंगदारी के लिए फायरिंग का दावा किया गया था। स्पेशल सेल ने सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और मुखबिरों से जानकारी हासिल कर संदिग्धों की पहचान हरियाणा के झज्जर स्थित बेरी निवासी राहुल उर्फ काला और पंजाब के अमृतसर निवासी मनदीप उर्फ मोनू के तौर पर की। पुलिस को पता चला कि ये बदमाश रोहिणी इलाके में आने वाले हैं। सूचना के आधार पर सोमवार देर रात पुलिस टीम ने पहले से ही इलाके की घेराबंदी कर दी। जैसे ही बदमाश बाइक पर सवार होकर पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें सरेंडर करने को कहा, लेकिन बदमाश पुलिस पर गोली चलाते हुए फरार होने लगे। इस पर जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी उनपर गोली चलाई और उन्हें काबू कर लिया।

आतिशी विकल्प नहीं बल्कि विवशता हैं : बिधूड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि आतिशी को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री बना देने से केजरीवाल सरकार के पाप नहीं धुल जाते। पिछले दस सालों में दिल्ली में भ्रष्टाचार, अदूरदर्शिता और अकर्मण्यता के कारण दिल्ली की जो हालत हुई है, उसका हिसाब तो आप सरकार को देना पड़ेगा। मंत्री के रूप में आतिशी भी उसके लिए उतनी ही जिम्मेदार हैं। वैसे भी, आम आदमी पार्टी खुद कह रही है कि आतिशी तो कठपुतली हैं, सरकार तो केजरीवाल ही चलाएंगे। उन्हें अपनी जगह आतिशी को इसलिए बिठाना पड़ा कि भ्रष्टाचार से घिरे केजरीवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री के रूप में काम करने पर बंदिशें लगा दी थीं।

बिधूड़ी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पिछले दस सालों में दिल्ली को बबादी के कगार पर पहुंचा दिया है। विकास के नाम पर दिल्ली बुरी तरह पिछड़ गई है। दिल्ली की सड़कों का इतना बुरा हाल है कि रोजाना हादसे हो रहे हैं। दिल्ली में दस सालों में एक भी नया स्कूल या कॉलेज नहीं खुला बल्कि बंद कर दिए गए। सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या कम हो गई है। दिल्ली में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है और सीवर ओवरफ्लो कर रहे हैं जबकि जल बोर्ड 75 हजार करोड़ के घाटे में है। दिल्ली की जनता पर बिजली का 45 फीसदी सरचार्ज लगा दिया गया है। दिल्ली में डीटीसी की सीएनजी की सारी बसें अपनी उम्र पूरी कर चुकी हैं लेकिन जनता की सुरक्षा को ताक पर रखकर उन्हें सड़कों पर चलाया जा रहा है क्योंकि दस साल से एक भी बस नहीं खरीदी गई। दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी का कलंक झेल रही है और प्रदूषण के कारण दिल्लीवालों की उम्र 12 साल कम हो गई है।

बिधूड़ी ने कहा है कि आतिशी के रूप में नई मुख्यमंत्री केवल नाम के लिए बनाई गई हैं। वैसे भी पूरी आम आदमी पार्टी के साथ आतिशी के बारे में दिल्ली की जनता जानती हैं। वह कदम-कदम पर झूठ बोलकर अपनी राजनीति चला रही हैं और उनके अनेक झूठ पकड़े जा चुके हैं। उनकी योग्यता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें केवल डेढ़ साल पहले ही मंत्री बनाया गया है यानी आठ साल तक उन्हें मंत्री बनाने लायक भी नहीं समझा गया था। अब भी वह विकल्प नहीं बल्कि विवशता हैं और आप सरकार की विफलता का जिम्मा उन पर भी बराबर आता है।

दिल्ली नगर निगम में राजभाषा सम्मान सप्ताह का शुभारम्भ

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम के सिविक सेंटर स्थित मुख्यालय के अरुणा आसफ अली सभागार में मंगलवार को राजभाषा सम्मान सप्ताह के शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय के द्वारा किया गया। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम में अतिरिक्त आयुक्त अमित कुमार शर्मा, उपायुक्त (राजभाषा विभाग) बी.पी भारद्वाज सहित काफी संख्या में निगम कर्मचारी और अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस मौके पर दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने हिन्दी के प्रचार-प्रसार में अपना सृजनात्मक सहयोग करने की अपील की। सभी से हिन्दी को कामकाज व व्यवहार की भाषा बनाने एवं इस भाषा के सृजनात्मक रूप से प्रयोग करने का आग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा का ज्ञान होना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य ही नहीं, अधिकार भी है। उन्होंने इस कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए राजभाषा विभाग की प्रशंसा की।

अतिरिक्त आयुक्त अमित कुमार शर्मा ने हिन्दी की महत्ता से संबंधित केन्द्रीय गृह मंत्री का संदेश पढ़ा तथा उपायुक्त बी.पी भारद्वाज ने दिल्ली के मुख्य सचिव तथा दिल्ली नगर निगम के आयुक्त अश्विनी कुमार का संदेश पढ़ा जिसमें कहा गया कि हिन्दी केवल बोलचाल की भाषा ही नहीं अपितु कामकाज की भी भाषा होनी चाहिए। उन्होंने निगम कर्मचारियों से अपील की कि वे अपना प्रशासनिक कार्य हिन्दी माध्यम से करें। उन्होंने कहा कि राजभाषा सम्मान सप्ताह के दौरान सभी अधिकारी और कर्मचारी हिन्दी भाषा में कार्य करें और दूसरों को भी हिन्दी भाषा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

एक नजर

सहेली के घर पर महिला से सामूहिक दुष्कर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के तिगड़ी इलाके में एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात सामने आई है। महिला को उसकी सहेली ने फोन कर अपने घर बुलाया था। यहां पहले से मौजूद कुछ लोगों ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया और उसे शिकायत नहीं करने की धमकी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह एक युवक के साथ पिछले तीन माह से रह रही है। उसकी दोस्त ने लेडी श्रीराम कॉलेज के लड़कियों के पीजी में उसकी नौकरी लगवा दी थी, लेकिन उसके पास नौकरी पर जाने के लिए अच्छे कपड़े नहीं थे। इसके चलते उसकी दोस्त ने 21 अगस्त की शाम करीब 4.30 बजे उसे फोन कर घर बुलाया और कहा कि कुछ कपड़े यहां से ले जाओ। पीड़िता दोस्त के घर पहुंच गई। वहां पहले से राजेश, भूरा और नीरज मौजूद थे। घर के अंदर जाने के बाद उसकी दोस्त वहां मौजूद नहीं थी। तीनों आरोपियों ने उसे पकड़ लिया और सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने पीड़िता के साथ मारपीट भी की। इसी दौरान पीड़िता के साथ रहने वाला युवक भी वहां पहुंच गया। युवक ने पीड़िता को वहां देखा तो उसकी जमकर पिटाई की। वारदात के बाद से आरोपी पीड़िता को लगातार परेशान कर रहे थे। परेशान होकर उसने पुलिस को मामले की शिकायत दी।

राजधानी में दो दिन हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में अगले दो दिन के बीच बादल छाए रहने और बीच-बीच में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार है। इसके चलते अधिकतम तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट आने की संभावना है। इस बीच, दिल्ली के सफदरजंग मौसम केन्द्र में मंगलवार सुबह का तापमान सामान्य से एक डिग्री कम दर्ज किया गया। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में सुबह से ही तेज धूप निकली। हालांकि, बीच-बीच में हल्के बादलों की आवाजाही लगी रही। शाम पांच बजे के बाद कई इलाकों में घने बादल छा गए। इस बीच हल्की बूंदाबांदी भी हुई। इससे मौसम सुहाना हो गया। दिल्ली के सफदरजंग मौसम केन्द्र में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा। आर्द्रता का स्तर 78 से 67 फीसदी तक रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन के दौरान दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। खासतौर पर बुधवार को कहीं-कहीं अच्छी बारिश हो सकती है। इस दौरान हवा की गति भी 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रह सकती है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट भी जारी किया है। इससे अधिकतम तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट आने की संभावना है।

दो डॉक्टर की आत्महत्या के तथ्यों की जांच करेगी कमेटी

नई दिल्ली, एजेंसी। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के पीजी रेजिडेंट डॉक्टर के आत्महत्या करने और इसी अस्पताल में इस साल हो चुकी तीन ऐसी घटनाओं के बाद अस्पताल के माहौल और प्रबंधन पर सवाल उठने लगे हैं। हालिया घटना का संज्ञान दिल्ली मेडिकल काउंसिल ने लिया है। काउंसिल ने ऐसे मामलों में हो रही बढ़ोतरी के कारणों और चिकित्सा संस्थानों की समग्र स्थितियों के संबंध में तथ्य सामने लाने के लिए एक कमेटी का गठन किया है। दिल्ली मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. अरुण गुप्ता की अध्यक्षता वाली यह छह सदस्यीय अन्वेषण समिति अस्पताल की स्थिति में सुधार के लिए अपनी सिफारिशें भी देगी। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में दो महीने में दो रेजिडेंट डॉक्टर आत्महत्या कर चुके हैं। बीते 27 अगस्त को भी एक पीजी रेजिडेंट डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली थी। इससे पहले इसी साल फरवरी में एमबीबीएस की एक छात्रा ने भी आत्महत्या कर ली थी। काउंसिल की ओर से गठित इस समिति में डॉ. प्रेम अग्रवाल, डॉ. अश्विनी डालमिया, डॉ. मनीष कुमथ, डॉ. अनुज मित्तल और काउंसिल के सचिव डॉ. गिरीश त्यागी भी शामिल हैं।

भड़काऊ भाषण देने के मामले में एक शख्स गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। शास्त्री पार्क इलाके में समुदाय विशेष के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के मामले में विकास जैन उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने उस समय भाषण दिया था जब एक जैन मंदिर के पास से ईद-ए-मिलादुन्नबी के मौके पर जुलूस निकाला जा रहा था। इसके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर समुदाय विशेष के लोगों ने रात को शास्त्री पार्क थाने का घेराव करके प्रदर्शन किया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए क्षेत्र में अर्धसैनिक बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता अरमान अपने परिवार के साथ शास्त्री पार्क में रहता है। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि सोमवार को क्षेत्र में जुलूस निकाला जा रहा था। आरोप है कि शाम के वक्त जैन मंदिर समिति के महामंत्री विकास जैन ने मंदिर के माइक से उनके समुदाय के लिए भड़काऊ भाषण दिया। विकास ने अपने भाषण में उनके समुदाय को हिंदुओं के लिए खतरा बताया। इस भाषण से क्षेत्र का माहौल गरमा गया। जुलूस निकाल रहे लोगों ने शास्त्री पार्क थाने का घेराव किया। सीलमपुर के विधायक अब्दुल रहमान और पूर्व विधायक चौधरी मतीन भी वहां पहुंचे।

गाड़ी को टक्कर मारने का विरोध करने पर छात्र को सुआ घोपा

नई दिल्ली, एजेंसी। छावला इलाके में 14 सितंबर की शाम को गाड़ी में रेहड़ी से टक्कर लगने के बाद शुरू हुए विवाद में जूस बेचने वाले एक शख्स ने छात्र पर सुआ से हमला कर दिया। आरोपी ने छात्र पर कई वार किए। इससे पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित के चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके पर जमा हुए लोगों ने उसे बचाया और मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और उसके बयान पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 20 वर्षीय अजय कुमार अपने परिवार के साथ दीनापुर, नजफगढ़ इलाके में रहता है। अजय मेरठ स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहा है। पुलिस को दिए बयान में उसने बताया कि 14 सितंबर को वह अपने घर के पास ही गाड़ी की सफाई कर रहा था। इसी दौरान मनीष नाम का एक शख्स जो गली में रेहड़ी पर जूस बेचता है, वहां से गुजरा और गाड़ी को टक्कर मार दी। पीड़ित ने उसका विरोध किया तो आरोपी झगड़ा करने लगा। दोनों के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान मनीष ने रेहड़ी पर मौजूद बर्फ काटने वाला सुआ उठा लिया और पीड़ित पर हमला कर दिया। आरोपी ने पीड़ित पर कई वार किए।

निगम प्रशासन को नींद से जागना होगा : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने कोचिंग सेंटर हादसा मामले में जमानत पर सुनवाई करने के दौरान निगम प्रशासन को नींद से जागने और उचित कदम उठाने को लेकर टिप्पणी की। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर 13 सितंबर को पारित आदेश में प्रशासन के रवैये पर अफसोस जताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं होती रहती हैं और गैर जिम्मेदार लोगों के कारण निर्दोष लोगों की जान चली जाती है। अदालत का मानना है कि समय आ गया है कि अब प्रशासन को गहरी नींद से जागना होगा और उचित कदम उठाने होंगे। न्यायाधीश ने अदालत की वेबसाइट पर जारी आदेश में कहा, देश भर से बच्चे अपनी शिक्षा के लिए राजधानी आते हैं और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोचिंग सेंटर मालिकों को ऐसे मासूम लोगों की कोई परवाह नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर भाजपा ने किए सेवा कार्य

ऋषि तिवारी

नोएडा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन पर भारतीय जनता नोएडा महानगर द्वारा सेवा पखवाड़े का शुभारंभ किया जिसके माध्यम से कई सेवा कार्य किए जाएँगे। ये सेवा पखवाड़े २ अक्तूबर तक चलेगा।

सुबहे सबसे पहले 8.30 बजे सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जो श्रमिक कुंज सेक्टर 110 में रहा। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण मंत्री कुंवर बृजेश सिंह रहे। उनके साथ नोएडा ज़िलाध्यक्ष मनोज गुप्ता, डीएम मनीष वर्मा और अन्य नोएडा अथॉरिटी के अधिकारी भी रहे।

स्वच्छता अभियम की शुरूआत सभी में स्वच्छता प्रतिज्ञा के साथ हुई जहां सभी ने इस साल स्वच्छता को ले कर स्वयं और अपने आस पड़ोस में जागरूकता लायेंगे। उसके बाद श्रमिक कुंज में प्रभारी मंत्री और बाकी कार्यकताओं ने सफाई अभियान चलाया।

करीब 11 बजे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर रोटरी ब्लड बैंक आई.एम.ए भवन, सेक्टर 31 निठारी ब्लड बैंक में लगाया गया। शिविर में दर्जनों कार्यकताओं ने रक्तदान किया। प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने रक्तदान करने वाले कार्यकताओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रत्येक वर्ष प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन पर भाजपा सेवा पखवाड़ा का आयोजन करती है जिसके माध्यम से पूरे देश में सेवा कार्यों का आयोजन होता है। जिस तरह प्रधानमंत्री के कार्यकाल में समूचे विश्व में भारत की एक नई पहचान बनी है उसके चलते आज हमें गर्व है कि हम एक ऐसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में काम कर रहे हैं जिनका पूरा जीवन त्याग समर्पण व परिक्रम की प्रकाष्ठा है। हम इन सेवा कार्यों के माध्यम से प्रधानमंत्री को शुभकामनाएँ देते हैं और साथ ही सेवा कार्यों के द्वारा जान सेवा अभियान चलाते हैं।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता, राकेश शर्मा, उमेश त्यागी, गणेश जाटव, डिंपल आनंद, मनीष शर्मा, महेश अवाना, तन्मय शंकर, युद्धवीर चौहान, चमन अवन, रवि प्रधान, उमेश यादव, रामनिवास यादव , प्रज्ञा पाठक, पंकज झा, गोपाल गौड़, मोहित शर्मा, विपिन भगत, रवि मिश्रा, प्रवीण चौहान, तुषार गोयल, आकाश चौहान, साधना शर्मा, कपिल धारीवाल एडवोकेट, गुरनीत सिंह, उमंग मित्तल, गोपाल गोद, परविंदर बैरागी, संजय बैसला, अशोक मिश्रा, धर्मेंद्र चौहान, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांजा तस्करी के आरोप में तीन गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। सेक्टर-39 नोएडा से पुलिस ने दो महिलाओं समेत तीन को गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। जबकि एक महिला तस्कर मौके से फरार हो गई। इस पूरे गैंग को एक महिला सरगना आपरेट कर रही थी फरार है। पुलिस गिरफ्त में आए तीनों तस्कर से पूछताछ कर रही है। इनके पास से 18 किलो 900 ग्राम गांजा और 1400 रुपए नगद बरामद किए गए है।

ये महिलाएं हास्टल पीजी और कॉलेज के आसपास स्टूडेंट्स और अन्य लोगों को गांजा बेचती थी।एडीसीपी डा.मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना सेक्टर 39 नोएडा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक गांजा तस्कर महर्षि रोड विद्या मंदिर के पास आने वाला है। पुलिस ने वहां से गांजा तस्कर राज राठौर को गिरफ्तार किया। पूछताछ बताया कि वह सिंहराज भाटी चौक पर दो महिलाओं को गांजा देने वाला था। इस जानकारी के बाद पुलिस ने उसकी निशानदेई पर सुमन पत्नी शिवलाल व अनू इक्का पत्नी रामेश्वर को सिंहराज भाटी चौक के सामने वाली गली से गिरफ्तार किया गया है।

पूछताछ में बताया कि ये तीनों सिंह राज भाटी चौके के सामने सलारपुर निवासी नूर फातिमा उर्फ शाहिबा के संरक्षण में ही गांजा तस्करी करती थी। पुलिस की एक टीम वहां दबिश दी। भनक लगते ही फातिमा मौके से फरार हो गई। गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है। इन तीनों के पास से 18 किलो 900 ग्राम गांजा बरामद किया गया है।जिस गांजे को पकड़ा गया है।

इंजीनियर ने 50 लाख की लालच में दोस्तों के संग अपहरण का रचा स्वांग, गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र नोएडा में स्थित एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने वाले आईटी इंजीनियर ने अपने परिजनों से फिरौती के रूप में मोटी रकम उगाही करने की नीयत से खुद के झूठे अपहरण का स्वांग रचा। इंजीनियर के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने जब जांच की तो इस मामले का खुलासा हुआ, कि यह अपहरण का मामला नहीं है। इस मामले में पुलिस ने इंजीनियर और उसके दो दोस्तों को आज गिरफ्तार कर लिया।

अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि थाना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र में स्थित एक आईटी कंपनी में इंजीनियर के रूप में काम करने वाला युवक शुभम गौड़ के मोबाइल फोन से उसके परिजनों को तीन दिन पूर्व फोन आया कि उसका मेवाती गैंग ने अपहरण कर लिया है। कथित अपहरण कताओं ने 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी। परिजनों ने फिरौती देने से इनकार किया तथा पुलिस को सूचना दे दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जब मामले की जांच की तो शुभम का लोकेशन हरियाणा के रेवाड़ी रेलवे स्टेशन आया। वहां से पुलिस ने उसे बरामद किया।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि शुभम ने अपने परिजनों से मोटी रकम फिरौती के रूप में वसूलने की नीयत से संदीप पुत्र अशोक कुमार तथा अंकित कुमार पुत्र सुमेर सिंह नामक अपने दो साथियों संग मिलकर अपने अपहरण की झूठी कहानी बनाई थी। उन्होंने बताया कि शुभम के पिता का केबल नेटवर्क का कारोबार है, जबकि उनके चाचा का रेस्टोरेंट है, और उनके दादा रजिस्ट्रार के पद से रिटायर्ड हुए हैं। वह घर में इकलौता बेटा है।

शुभम को आशा थी कि उसके परिजन उसके अगवा होने की सूचना पर फिरौती के रूप में 50 लाख की रकम दे देंगे। इस रकम से वह मौज-मस्ती करना चाह रहा था। शुभम ने शुरूआती दौर में पुलिस को बताया कि मेवाती गिरोह के लोग ने गांजा चेक करने के बहाने उसे बंधक बनाया और मेवात में ले जाकर उसको बंधक बना कर रखा और उसके परिजनों से फिरौती की रकम मांगी।

बिल्डर के कर्मचारी ने लूट की दी झूठी सूचना, गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। लूट की सूचना पर मामले की जांच-पड़ताल कर रही थाना सेक्टर-126 पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कर्मचारी और उसके भाई को गिरफ्तार कर उसके पास से 17 लाख रुपए बरामद कर लिया है। अभियुक्तों ने मालिक के पैसे हड़पने की नीयत से लूट की झूठी योजना बनाई थी।

सेक्टर-14ए स्थित अपर पुलिस उपायुक्त कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि अतुल अग्रवाल ने थाना सेक्टर-126 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका सेक्टर-18 में ऑफिस है। अतुल अग्रवाल का प्रकाश डेवलपर्स के नाम से बिल्डर का काम है। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार उनके यहां काम करने वाला रोहित भाटी पुत्र तेजवीर भाटी निवासी दादरी 17 लाख रुपए कैश कलैक्शन कर कंपनी आ रहा था।

उसने कंपनी के लोगों को सूचना दी की हथियारबंद बदमाशों ने उससे 17 लाख रुपए हाजीपुर अंडरपास के पास से लूट लिया है। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। एडीसीपी ने बताया कि पुलिस ने जब जांच की तो रोहित के बयान में विरोधाभास आया। शक होने पर पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने अपने मालिक के पैसे हड़पने की नीयत से लूट की झूठी योजना बनाई थी। इस घटना में उसका भाई राहुल भी शामिल है। उन्होंने बताया कि इस मामले में रोहित भाटी व षड्यंत्र में शामिल इसके सगे भाई राहुल भाटी को सेक्टर-37 नोएडा बस स्टैण्ड के पास से गिरफ्तार किया गया है। दोनों अभियुक्त कंपनी से गबन की गयी रकम को लेकर भागने की फिराक में खड़े थे। अभियुक्त रोहित भाटी ने बताया कि वह करीब डेढ़ महीने से कंपनी में कैश कलैक्शन का काम कर रहा था। इतना रूपया देखकर मन में लालच आ गया। मैंने अपने भाई राहुल के साथ मिलकर रुपयों को गबन करने की योजना बनायी और अपने भाई को कल शाम हाजीपुर अण्डरपास के पास आने के लिए कहा।

जैसे ही मेरा भाई राहुल भाटी आया मैंने सारी रकम राहुल ᳵ को देकर भेज दिया था। फिर मैंने 17 लाख रुपये बदमाशों द्वारा लूटे जाने की सूचना कंपनी के मालिक को फोन पर दी। आज हम दोनों भाई इन रुपयों को दो बैग में रखकर इन्हें ठिकाने लगाने के उद्देश्य से सेक्टर-37 पर सवारी की प्रतीक्षा में थे। जहां से पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया।

भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर हवन-पूजन

गाजियाबाद, एजेंसी। भगवान विश्वकर्मा जयंती पर मंगलवार को हरनंदी तट स्थित मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई और हवन किया गया। कार्यक्रम में मालीवाड़ा के विश्वकर्मा मंदिर के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया गया। इसके अलावा नासिरपुर फाटक शिव मंदिर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सृष्टि के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की जयंती विश्व कर्मा समाज ने धूमधाम से मनाई। हरनंदी तट स्थित भगवान विश्व कर्मा मंदिर में पं नरेंद्र पांचाल आर्य ने वैदिक पद्धति से हवन और स्तुति मंत्रों का वाचन किया। उन्होंने भगवान विश्व कर्मा की चारों वेदो में महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि ब्रह्मा, विष्णु, महेश समेत सभी देवी देवताओं के आवास एवं शस्त्रों का निर्माण भगवान विश्व कर्मा ने किया। वह केवल शिल्प के ही देव नहीं है, वरन भवन निर्माण, स्थापत्य कला, वास्तुकला, खगोल विज्ञान के देव है और सृष्टि के प्रथम वैज्ञानिक है। मानव में सृजन की विधा और उनके ज्ञान को विकसित करने वाले देव हैं। मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए पूर्व मेयर प्रत्याशी बबीता धीमान और आदित्य धीमान ने 21-21 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग देने की घोषणा की। समाज ने हरनंदी नगर या विश्वकर्मा नगर के नाम पर औद्योगिक क्षेत्र बनाने की मांग की। मौके पर निधि विश्वकर्मा, मोनिका धीमान, यशपाल धीमान, विजयपाल पांचाल, एमपी शर्मा, नितयानन्द वशिष्ठ, यशपाल धीमान, अंबरीश धीमान, नरेंद्र शर्मा, ओपी शर्मा, बिजेन्द्र धीमान, सुधीर पांचाल, अनिल धीमान, अशोक धीमान, राजपाल धीमान सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

4 नए बिजली उपकेंद्र बनाने का प्रस्ताव दिया

नोएडा, एजेंसी। विद्युत निगम चार नए बिजली उपकेंद्र बनाने का प्रस्ताव प्राधिकरण को दिया। 33/11 केवी के उपकेंद्र सेक्टर-68, 75, 78 और 121 में बनाए जाने की मांग की है। ताकि, अगले वर्ष गर्मियों में उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति मिल सके। विद्युत निगम के मुताबिक, अभी इन चारों सेक्टरों में बिजली आपूर्ति सेक्टर-67, 72, 78 और सेक्टर-122 के 33/11 केवी के बिजली उपकेंद्रों से की जा रही है। इन चारों उपकेंद्रों पर 92 से 96 प्रतिशत भार चल रहा है। आगामी गर्मियों में यह चारों बिजली उपकेंद्र बढ़ा हुआ लोड नहीं झेल पाएंगे। इससे उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। इन चारों सेक्टर में 33/11 केवी के बिजली उपकेंद्रों की अत्यंत जरूरत है। विद्युत निगम ने चेताया है कि अगर समय रहते चारों सेक्टरों में बिजली उपकेंद्र नहीं बनाए गए तो आगमी गर्मियों में उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति नहीं दी जा सकेगी। इन चारों सेक्टर में रहने वाले लोगों को बिजली कटौती के साथ ही विद्युत निगम की चुनौती भी बढ़ जाएगी।

चार बार मांग उठा चुके

विद्युत निगम द्वारा सेक्टर-68, 75, 78 और 121 में 33/11 केवी के बिजली उपकेंद्र बनाने की प्राधिकरण से चार बार मांग कर चुके हैं। प्राधिकरण इसे लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा। जबकि इन चारों सेक्टर में आपूर्ति कर रहे बिजली उपकेंद्र पहले से ही ओवरलोड चल रहे हैं। आगामी गर्मियों में बिजली का लोड बढ़ने पर यह चारों उपकेंद्र आपूर्ति नहीं दे सकेंगे।

70 प्रतिशत लोड

विद्युत निगम में नियमों के अनुसार, बिजली उपकेंद्रों को केवल 70 प्रतिशत की क्षमता पर ही चलाया जाता है। विशेष परिस्थितियों में ही 70 प्रतिशत से अधिक की क्षमता में बिजली उपकेंद्र चलाए जाते हैं। सेक्टर-67, 72, 78 और सेक्टर-122 के 33/11 केवी के बिजली उपकेंद्रों से सामान्य परिस्थितियों में ही 92 से 96 प्रतिशत की क्षमता में बिजली उपकेंद्र चलाए जा रहे हैं।

चार सेक्टर की 75 हजार आबादी को मिलेगा लाभ

विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार, सेक्टर-68, 75, 78 और सेक्टर-121 में बिजली उपकेंद्र बनने से चारों सेक्टर के 75 प्रतिशत आबादी को लाभ मिलेगा। सेक्टर-68 औद्योगिक सेक्टर में आता है। जबकि सेक्टर-75, 78 व सेक्टर-121 में बहूमंजिला सासाइटी है। इन तीनों सेक्टर में करीब 30 से अधिक हाइराइज सोसाइटी है, जिनमें करीब 35 हजार से ज्यादा फ्लैट बने हुए है। विद्युत निगम के अनुसार इन चारों सेक्टर में करीब 75 हजार आबादी को लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर स्वच्छता अभियान चलाया

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर मंगलवार को गौतमबुद्ध नगर के भाजपा कार्यकताओं ने सभी मंडलों में स्वच्छता अभियान चलाया। तुगलपुर गांव में स्थित झंडेवालन मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद डॉ. महेश शर्मा शामिल हुए। एक पौधा मां के नाम के तहत पौधरोपण किया। डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भारतीय जनता पार्टी सेवा पखवाड़ा के रूप में मना रही है। पर्यावरण को शुद्ध बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने का कार्य करना है। उन्होंने सशक्त विकसित भारत का निर्माण करने के लिए भाजपा भाजपा का सदस्य बनने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष गजेंद्र मावी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता स्वच्छता अभियान चलाकर साफ सफाई के कार्य को आगे बढ़ाने का कार्य करें। इसमें सबकी सहभागिता जरूरी है। इस अवसर पर सेवा पखवाड़ा अभियान के संयोजक दीपक भारद्वाज, सह संयोजक रवि जिंदल सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर

सोसाइटी में पानी नहीं आने से परेशान हुए लोग

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित अजनारा होम्स सोसाइटी में मंगलवार सुबह को मेंटेनेंस प्रबंधन की लापरवाही के कारण निवासियों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ा। सोसाइटी में देर रात प्रबंधन ने मोटर नहीं चलाई। इसके कारण अंडरग्राउंड वॉटर टैंक नहीं भरा। ऐसे में सुबह निवासी पानी न आने के कारण लोग परेशान हुए। आरोप है कि प्रबंधन सोसाइटी का रखरखाव ठीक से नहीं कर रहा। सोसाइटी के निवासी चंदन ने बताया कि देर रात 12 बजे मेंटेनेंस प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वह मोटर चलाकर अंडरग्राउंड वॉटर टैंक को भरे। सोमवार रात को मेंटेनेंस प्रबंधन के कर्मचारियों ने पानी का मोटर नहीं चलाया। अंडरग्राउंड वॉटर टैंक नहीं भरने से मंगलवार सुबह निवासियों ने घर पर नल खोली तो पानी नहीं निकाला। इसके बाद व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से मेंटेनेंस से शिकायत की। निवासी मेंटेनेंस ऑफिस भी गए। वहां पता चला की रात को कर्मचारी सो गए थे, जिसके कारण पानी की टंकी नहीं भरी गई। प्रबंधन की लापरवाही के कारण सोसाइटी के चार टावरों के करीब 600 परिवारों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ा। सुबह मोटर चलाकर अंडरग्राउंड वॉटर टैंक को भरा गया। इसके बाद करीब 10 बजे लोगों के घरों में पानी आया।

टक्कर मारने का झांसा देकर कार से मोबाइल उठाकर भागे बदमाश

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-62 के पास से ठक-ठक गिरोह के बदमाशों ने एक व्यक्ति की कार से उसका कीमती मोबाइल फोन चोरी कर लिया। आरोपियों ने कार से टक्कर लगने का बहाना बनाकर वारदात को अंजाम दिया। सेक्टर-58 पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-134 जेपी ग्रीन सोसाइटी निवासी सचिन कुमार ने बताया कि वह छह सितंबर की शाम अपनी कार में सवार होकर सेक्टर-62 की व्यस्त सड़क से गुजर रहे थे। वह ट्रैफिक सिग्नल के ग्रीन होने का इंतजार कर रहे थे, तभी एक आदमी उनके सामने आया। वह कहने लगा कि उन्होंने अपनी कार से उसे टक्कर मारी है। उसने उनकी कार का गेट जोर-जोर से बजाना शुरू किया। इसी दौरान एक और युवक वहां पर आ गया। उसने भी कहना शुरू कर दिया कि उसने कार से टक्कर मारी है। उन्होंने जैसे ही अपनी कार का शीशा नीचे किया तो दूसरे व्यक्ति ने उनकी कार से उनका कीमती मोबाइल फोन चोरी कर लिया। जब तक पीड़ित कुछ समझ पाता आरोपी घटना को अंजाम देकर मौके से भाग गए। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

जिले में सैनिक स्कूल स्थापित करने की मांग

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। दादरी आर्य प्रतिनिधि सभा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जिले में सैनिक स्कूल स्थापित करने की मांग की है। प्रतिनिधि सभा के जिला उपाध्यक्ष डॉ आनंद आर्य ने बताया कि प्रदेश सरकार ने पीपीपी मॉडल के तहत 16 जिलों में सैनिक स्कूल स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसमें गौतमबुद्धनगर जनपद का नाम नहीं है। प्रतिनिधि सभा की मांग है कि स्थानीय छात्रों के हितों को देखते हुए जनपद में भी इसी तर्ज पर निजी सहभागिता से सैनिक स्कूल स्थापित किया जाए।

खेत में पानी भरने को लेकर हुए विवाद में दूसरे पक्ष ने भी मुकदमा दर्ज करवाया

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जेवर खादर गांव में खेत में पानी भरने को लेकर हुई मारपीट के मामले में दूसरे पक्ष ने भी मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने दूसरे पक्ष की तरफ से भी चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक जेवर खादर गांव के रहने वाले किसान विक्रम और ओमकार के बीच धान की फसल में पानी भरने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे चले। इस मामले में पहले विक्रम पक्ष की तरफ से आरोपी पक्ष के चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया था। अब इस मामले में ओमकार की पत्नी निर्मला की तरफ से विक्रम पक्ष के चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सामान पहुंचाने के विवाद में डिलीवरी ब्वॉय से मारपीट

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। सेक्टर पी-3 स्थित ब्लिंकिट के स्टोर में सोमवार रात डिलीवरी ब्वॉय के साथ उसके साथियों ने मारपीट की। आरोप है कि सामान की डिलीवरी पहले करने को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। सेक्टर बीटा-2 पुलिस के मुताबिक सेक्टर पी-3 में ब्लिंकिट कंपनी का स्टोर है। स्टोर में काम करने वाले एक डिलीवरी ब्वॉय का अपने साथियों से सामान की डिलीवरी पहले करने को लेकर विवाद हुआ। इसी बात को लेकर सोमवार की रात कुछ डिलीवरी ब्वॉय ने एकजुट होकर अपने साथी के साथ स्टोर के अंदर मारपीट की। यह घटना स्टोर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस के मुताबिक पीड़ित ने पहले आरोपी साथियों से समझौता कर लिया। इसके बाद स्टोर के कैमरे का वीडियो लेकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। कोतवाली प्रभारी विद्युत गोयल ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर तीन आरोपी डिलीवरी ब्वॉय को हिरासत में लिया गया है। पीड़ित से संपर्क किया जा रहा है। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में गन्ना किसानों के मुद्दों पर चर्चा

मोदीनगर, एजेंसी। गन्ना समिति में वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक हुई। इसमें गन्ना किसानों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। समिति के परिसर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता सत्यपाल सिंह तेवतिया ने की। किसानों ने अपने निकट क्रय केंद्रों को बदलवाने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिए। गन्ना विकास परिषद के चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा कि किसानों के प्रार्थना पत्रों को सुरक्षण बुकलेट में रखकर आला अधिकारियों के पास भिजवाया जाएगा। इसके अलावा सभी चीनी मिलों को समय से किसानों का भुगतान करने के लिए निर्देशित किया जाएगा। बैठक में ब्रजभूषण सिंह, नेपाल सिंह, पप्पी नेहरा, मोदी शुगर के प्रबंधक राहुल त्यागी, महकार सिंह ब्रह्म सिंह, गन्ना निरीक्षक सुमित कुमार पांडे और अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वच्छता सेवा के तहत 50 औषधीय पौधे लगाए

गाजियाबाद, एजेंसी। भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी भेषज संहिता आयोग (पीसीआईएमएंडएच) में मंगलवार से स्वच्छता सेवा अभियान शुरू हो गया। अभियान दो अक्टूबर तक चलेगा। अभियान के शुभारंभ अवसर पर आयोग परिसर में 50 औषधीय पौधे लगाए गए। आयोग के निदेशक डॉ रमन मोहन सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। साथ ही, आयोग के पॉकेट-3 में एक पेड़ मां के नाम थीम पर 50 औषधीय पौधे लगाए। उन्होंने बताया कि 20 सितंबर को आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान, 23 सितंबर को बीआर आंबेडकर स्कूल, रईसपुर के छात्रों के लिए अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला और 30 सितंबर को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

बदल रहा है गोरखपुर : नोएडा की तर्ज पर अब गोरक्षनगरी में भी फ्लैटेड फैक्टरी, गीडा में निर्माण काम भी शुरू

गोरखपुर। नोएडा की तर्ज पर गीडा में भी फ्लैटेड फैक्टरी बनाई जा रही है। नवंबर में इसके लिए बन रहे भवन का काम पूरा हो जाएगा। इसमें 80 फीसदी फ्लैट रेडिमेड गारमेंट्स और शेष 20 फीसदी अन्य उद्योगों को दिए जाएंगे। यहां सभी प्रदूषण मुक्त फैक्टरियां होंगी। दिसंबर में इन फ्लैट्स का आवंटन होगा। उम्मीद है कि नए साल में यहां नई फैक्टरियों से उत्पादन शुरू हो जाएगा। प्रदेश सरकार ने पिछले साल गीडा में भी फ्लैटेड फैक्टरी लगाने का निर्णय लिया था। यह एक ऐसी बिल्डिंग होगी, जिसमें 80 फ्लैट बनाए जाएंगे। प्रत्येक फ्लैट एक हॉल जैसा होगा, जिसमें फिनिशिंग के सारे काम पूरे होंगे, यहां तक कि बिजली का स्वीच भी लगा होगा। इसमें रेडिमेड गारमेंट्स से जुड़ी सिलाई, सफाई, पैकिंग आदि का काम करने वाली छोटी इकाइयां अपना कारोबार शुरू करेंगी। पूरी तरह से तैयार इस फैक्टरी में उद्यमी पहले दिन से ही उत्पादन शुरू करने की स्थिति में होंगे।सेक्टर 13 में स्थापित यह फैक्टरी 10,800 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में है। इसकी कुल लागत करीब 34 करोड़ रुपये है। भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय और प्रदेश सरकार के सहयोग से इसका निर्माण कार्य चल रहा है। इस बिल्डिंग में 80 फैक्टरियों की स्थापना होगी, जिसमें करीब 2000 लोगों को रोजगार मिलेगा।चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आरएन सिंह ने बताया कि गीडा बोर्ड की पिछली बैठक में यह तय किया गया था कि 80 फीसदी फ्लैट रेडिमेड गारमेंट्स और 20 फीसदी अन्य उद्यमियों को आवंटित किया जाएगा। सीईओ गीडा अनुज मलिक ने बताया कि इसका निर्माण कार्य नवंबर तक पूरा करा लिया जाएगा।

पांच साल के मासूम का घोंटा गला : शरीर पर दिए ऐसे निशान, देखकर कांप गए लोग

आगरा। आगार के बरहन में बेटे मुन्नू के लिए बहुत मन्नतें मांगी थीं। कहां-कहां नहीं गए। चिकित्सकों से पत्नी का इलाज कराया। आखिर में मुन्नू के रूप में खुशियां आईं। बेटे की चहलकदमी से हर कोई चहक उठता था। ताऊ, दादा सभी का लाडला था। उस दिन वो ट्यूशन पढ़कर घर आया। बच्चे की मां दूध पीने के लिए पुकारती रह गईं। वो खेलकर आने की कहकर गया लेकिन लौटा नहीं। मिला भी तो इस हाल में...। यह कहते हुए पिता संजय रोने लगते हैं।संजय कहते हैं कि किसी का क्या बिगाड़ा था जो मासूम बेटे की जान ले ली। जिसने भी बेटे की जान ली, उसे कड़ी सजा मिले। मुन्नू की मौत से परिवार में हर कोई दुखी है। मां लता बेहाल हैं। बाबा सूबेदार सिंह के आंसू नहीं रुक रहे। संजय ने कहा कि बेटे की जान लेकर घर का चिराग बुझा दिया गया। बाबा ने कहा कि उनकी किसी से दुश्मनी नहीं थी। अनजाने में किसी ने दुश्मनी की गांठ बांध ली हो तो नहीं पता। कुछ दिन पहले गांव के एक व्यक्ति के नशा में अभद्रता करने पर विवाद हुआ था।संजय किसान हैं। तीन भाइयों में मझले हैं। उनके पिता सूबेदार सिंह बीएसएनएल से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को खोजी कुत्ता घटनास्थल की तरफ गया था। गांव से 700 मीटर दूरी पर नगला नत्था के पास रेलवे का नया पुल बन रहा है। वहां पुलिस को मयंक उर्फ मुन्नू की चप्पलें मिल गईं। मगर, पुलिस ने लापरवाही की, आगे तलाश नहीं की। आगे चार किलोमीटर दूर ही शव मिला। अगर, पुलिस आगे जाती तो शायद मुन्नू मिल जाता।

कंटेनर ने कार में मारी टक्कर, दंपती समेत तीन घायल

अलीगढ़। गभाना स्थित हाईवे पचपेड़ा मोड़ पर 17 सितंबर की सुबह ब्रेड फैक्टरी के कंटेनर ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार दंपती समेत तीन घायल हो गए। उपचार के बाद सभी घर बुलंदशहर वापस चले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुलंदशहर के थाना कोतवाली में सुशीला विहार निवासी दीपक शर्मा कार से अपनी पत्नी शिवांगी, एक साल की बेटी समृद्धि के साथ हरदोई जा रहे थे। जैसे ही वह हाईवे पचपेड़ा मोड़ के पास पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आ रही ब्रेड फैक्टरी की कंटेनर गाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी और उनकी बेटी घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने भांकरी के निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। उपचार लेकर सभी वापस बुलंदशहर चले गए।

आईपीएस मानुष पारीक को मिली एसपी सिटी की जिम्मेदारी, एसपी साउथ अंशिका वर्मा

बरेली। बरेली में आईपीएस मानुष पारीक को एसपी सिटी नियुक्त किया गया है। मानुष पारीक अभी तक बरेली में ही एसपी साउथ पद पर तैनात थे। आईपीएस राहुल भाटी का तबादला होने के बाद एसपी सिटी का पद खाली हुआ था। शासन ने मंगलवार को आईपीएस अफसरों के तबादले किए हैं। इनमें मानुष पारीक को एसपी सिटी बरेली नियुक्त किया गया है। इनकी जगह आईपीएस अंशिका वर्मा को एसपी साउथ बरेली बनाया गया है। अंशिका इससे पूर्व गोरखपुर की एएसपी थीं।

24 घंटे में छह लोगों पर हमला, एक गंभीर घायल, ग्रामीणों में भेड़िये का खौफ, वनकर्मी बता रहे सियार

बरेली। जिले में अलग-अलग वन रेंज में वन्यजीव के हमले का सिलसिला जारी है। बीते 24 घंटे में वन्यजीव छह लोगों पर हमला कर चुका है। रविवार रात वन्यजीव ने भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव लक्ष्मियापुर में हमलाकर एक व्यक्ति और सोमवार को शाही थाना क्षेत्र के गांव बढ़ेपुरा में तीन लोगों को जख्मी कर दिया। वहीं नवाबगंज क्षेत्र में वन्यजीव ने घर में घुसकर पिता-पुत्र पर हमला कर दिया, जिससे दोनों घायल हो गए। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में भेड़िये का खौफ है, जबकि वनकर्मी सियार होने का दावा कर रहे हैं। अब तक हमला करने वाला वन्यजीव पकड़ा नहीं जा सका है। इससे ग्रामीणों में दहशत है। सोमवार देर शाम बढ़ेपुरा गांव की महिलाओं का समूह गांव की पूर्वी दिशा में स्थित तालाब के पास देवी के छंद गाने के लिए बैठा था। गांव के राम प्रसाद की पत्नी गुड्डी देवी चारा लेकर खेत से लौट रही थीं। इसी दौरान वन्यजीव ने गुड्डी देवी पर हमला कर दिया। उनको खींचकर ले जाने की कोशिश की। यह देखकर महिलाएं चीखीं तो वन्यजीव ने उनपर भी हमला करने की कोशिश की, लेकिन बाद में भाग गया। वन्यजीव ने खेत पर चारा काट रहे पूरनलाल पर हमलाकर उनको जख्मी कर दिया। गांव के छेदालाल की बकरी को उठा ले गया। अन्य बकरियों पर भी हमला किया। बकरियों को बचाने के चक्कर में छेदालाल भी जख्मी हो गए।

21 को भोजपुर में होगा किसान अधिकार पंचायत का आयोजन

किसान-मजदूर संगठन ने 11 वें स्थापना दिवस को दिया है किसान अधिकार पंचायत का नाम

भोजपुर/किरतपुर/बिजनौर। किसान मजदूर संगठन का 11वां स्थापना दिवस 21 सितम्बर को जनपद बिजनौर के थाना अंतर्गत किरतपुर के आने वाले गांव भोजपुर के किसान उत्सव मंडप में किया जाएगा। यह निर्णय भोजपुर में ब्लॉक अध्यक्ष राकेश प्रधान के संचालन और नजीबाबाद विधानसभा अध्यक्ष सत्यवीर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। कार्यक्रम को किसान अधिकार पंचायत का नाम दिया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरन सिंह को बनाया गया है।

बिजनौर जाने की तैयारी करें संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता: पूरन सिंह

ठाकुर पूरन सिंह ने एक बयान जारी कर कहा है कि किसान मजदूर संगठन 11वां स्थापना दिवस इस बार बिजनौर में मनाएगा। उन्होंने आह्वान किया है कि किसान अधिकार पंचायत में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बिजनौर चलने की तैयारी करें। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष के अलावा राष्ट्रीय महासचिव और प्रवक्ता ललित राणा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक सोम, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनु मलिक, प्रदेश राष्ट्रीय सचिव कृष्ण पाल, प्रदेश महासचिव ब्रह्म सिंह, जिलाध्यक्ष बिजनौर नौबहार सिंह, जिलाध्यक्ष सहारनपुर अजब सिंह, जिलाध्यक्ष शामली सुरेश राणा, जिलाध्यक्ष बागपत कालूराम, जिलाध्यक्ष मेरठ ठाकुर देवराज सिंह, जिलाध्यक्ष हापुड़ महेश सिंह तोमर, जिलाध्यक्ष बुलंदशहर रणधीर सिंह, पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप चौहान, महासचिव कुंवर रसिक चौहान के अलावा बड़ी संख्या में गण्यमान्य लोग उपस्थिति रहेंगे।

भोजपुर में आयोजित बैठक में तहसील नजीबाबाद उपाध्यक्ष डॉ. गम्भीर सिंह, तहसील मीडिया प्रभारी ठाकुर रणजीत सिंह, तहसील महासचिव जितेन्द्र सिंह, तहसील सचिव हमेन्द्र सिंह, जिला मीडिया प्रभारी कुलदीप आर्य, जिला महासचिव चंचल, ब्लॉक मीडिया प्रभारी परीक्षित (वासू), ग्राम उपाध्यक्ष ब्रजवीर सिंह, योगेश आर्य, सोनू, मिंकी आदि उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने प्रसाद के रूप में वितरित किया 74 किलो का लड्डू

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आस्था को तेज बारिश भी नहीं डिगा पाई। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सबसे पहले काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव मंदिर पहुंचकर उनका दर्शन पूजन किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर विशेष पूजा व हवन किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर में 74 किलो के लड्डू का प्रसाद वितरित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन से जुड़े आयोजनों में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पीएम के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सोमवार को ही पहुंच गए थे।

वाराणसी में लगातार हो रही तेज बारिश के बीच सीएम योगी ने अपने तय कार्यक्रम को जारी रखते हुए पहले काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव की चौखट पर पहुंचकर मत्था टेका और बाबा की श्रद्धापूर्वक आरती की। इसके बाद सीएम श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे और धाम में स्थित ज्ञानवापी कूप के पास स्थित निकुंभ विनायक की आरती उतार कर विधि विधान से पूजन किया। विश्वनाथ धाम में ही सीएम योगी ने हवन पूजन कर-के पीएम मोदी के उत्तम स्वास्थ्य व दीघार्यु होने की कामना की। गौरतलब है कि सीएम योगी का वाराणसी दौरा विकास के लिहाज से हर बार खास होता है। सीएम ने इस बार भी जमीन पर चल रही योजनाओं की जानकारी ली और उनका स्थलीय निरीक्षण करके किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने के निर्देश दिए। रात को सीएम ने बाढ़ की तैयारियों की जानकारी ली, बाढ़ राहत शिविर का औचक निरीक्षण किया और वहां मौजूद बच्चों की पढ़ाई के बारे में पूछा।

महंतद्वय पुण्यतिथि : प्रो. ईश्वर ने कहा, 'सामाजिक समरसता का लक्ष्य पाना है, ऋषियों- संतों की परंपरा से प्रेरित

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने कहा कि भारत सिर्फ एक देश नहीं है बल्कि यह पूरे विश्व का मार्गदर्शन करने के लिए एक अपरिहार्य आवश्यकता भी है, इसलिए इसका समर्थ और सशक्त होना अति आवश्यक है। भारत के समर्थ और सशक्त होने के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि जहां सामाजिक समरसता अपने उच्च स्तर पर दिखे। सामाजिक समरसता का भारत पूरे विश्व की आवश्यकता है। सामाजिक समरसता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें अपने ऋषियों और संतों की उस परंपरा से प्रेरित होना होगा, जिन्होंने हमें समरस और समर्थ समाज की विरासत दी थी।यह सबके लिए गौरवपूर्ण अनुभूति है कि समरस समाज के लिए नाथपंथ, इसके आभिर्भावक शिवावतार महायोगी गोरखनाथ और इस परंपरा के संवहन से अहर्निश एवं अद्यतन जुड़ी गोरक्षपीठ की मार्गदर्शक भूमिका इस लक्ष्य की ओर उन्मुख है।

प्रो. विश्वकर्मा मंगलवार को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों के सम्मेलनों की श्रृंखला के तीसरे दिन 'सामाजिक समरसता : महायोगी गोरखनाथ और नाथपंथ के विशेष संदर्भ सन्दर्भ में विषयक सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

सभ्यता के प्रादुर्भाव काल से ही भारत पूरी दुनिया में अन्य देशों से बिल्कुल भिन्न रहा है। महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुन से कहते हैं कि भारतवर्ष पूरे विश्व में श्रेष्ठतम है। इसका कारण यह है कि एकमात्र ऐसा देश है जिसके समाज का निर्माण ऋषियों, मुनियों एवं संतों की चिंतन परंपरा से हुआ है। संतों की चिंतन परंपरा ने ही मनुष्य को एक समाज के रूप में सबसे विचारवान प्राणी बनाया। मनुष्यता को केंद्र में रखकर हमारे ऋषियों और संतों ने समाज को जो विरासत दी, उसकी सबसे अमूल्य निधि रही समरसता। संतो द्वारा बनाए गए हमारे समाज की ही विशेषता थी कि हमें वसुधैव कुटुंबकम का दर्शन विरासत में प्राप्त हुआ।

भगवान विश्वकर्मा जयंती एकता का स्वरूप : इंजी. विजेश विश्वकर्मा

जलालाबाद (शामली)। सपा नेता राशिद मलिक के आवास पर भगवान विश्वकर्मा की जयंती बड़ी धूमधाम से हिन्दू मुस्लिम एकता के रूप मे मनाई गई, जिसमे मुख्य अथिति, इंजी. विजेश विश्वकर्मा (प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ सपा उ. प्र) विशिष्ट अथिति पूर्व मन्त्री मांगे राम कश्यप (प्रदेश सचिव सपा)रतन लाल यादव (प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग सपा उ. प्र.)एवम अथिति रहीश मिर्जा (जिलाउपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग शामली) रहे. कार्यक्रम मे सहसंयोजक धर्मवीर विश्वकर्मा, सुशील पांचाल, इकबाल सैफी तथा संचालन रविन्द्र प्रधान जोगी ने किया, भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने के बाद इंजी, विजेश विश्वकर्मा ने राशिद मलिक के इस सामाजिक और एकता के प्रयास से भगवान विश्वकर्मा की जयंती को हिन्दू मुस्लिम एकता का स्वरूप बताया, मांगे राम कश्यप ने कहा की आज सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पुरे उत्तर प्रदेश मे हर विधानसभा मे हर वर्ग, हर धर्म के मानने वाले भगवान विश्वकर्मा को शिल्पकार

के रूप मे वर्णित किया जो एक अपने आप मे सच्ची मिसाल जलालाबाद वाशियो की बताई, मुख्य वक्ताओ मे रतन लाल यादव, रहीश मिर्जा, राजकुमार जोगी, राशिद मलिक, रविन्द्र प्रधान जोगी, सुशील पांचाल ने भी जयंती के उपलक्ष्य मे विचार रखे, राशिद मलिक द्वारा मीडिया पत्रकार बंधु को शाल उढ़ाकर सम्मानित किया गया,सपा नेतृत्व के आदेश पर मांगे राम कश्यप, इंजी विजेश विश्वकर्मा, रहीश मिर्जा, ने समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग की नवगठित टीम मे मो. हम्माद को नगर अध्यक्ष जलालाबाद, राशिद मलिक को जिला सचिव के पद पर मनोनीत कर पिछड़ा वर्ग को मजबूत करने के लिए सर्वप्रथम बताया, राशिद मलिक ने सभी का आज भगवान विश्वकर्मा की जयंती के शुभअवसर पर पद ग्रहण कर आभार जताया, इस अवसर पर शराफत खान, अनुज सैनी, डा. रविन्द्र सैनी, कलीम अल्वी, दानिश रंगरेज, इकराम राव, राजन जोगी,फैसल मलिक, लिल्ला मलिक, आशिफ मलिक, मेहरद्दीन सैफी, नदीम चौधरी, अमरीश कश्यप, विक्की कश्यप,शौकीन अब्बाशी, वसीम मलिक, उवेश मलिक, नदीम मलिक, रियासत मलिक, रियान हाशमी,इशवाक मलिक, परवेज राव, सोयब राव, अनिल कोरी, शुभम कश्यप,अकरम, मो. इरशाद, इंतजार मलिक मो. फरहान, वरुण विश्वकर्मा आदि शामिल रहे,,,,

सपा कार्यकर्ताओं ने मनाया भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस

बिजनौर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर कार्यकर्त्ताऔ ने भगवान विश्कर्मा पूजा दिवस उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया विचार गोष्टी में उनके महान योगदान को याद किया अध्यक्षता करते हुए आशुतोष विश्कर्मा ने कहा की भगवान विश्कर्मा को सृष्टी का सृजन कहा गया है वे सर्व समाज के पूजनीय है सर्व समाज में अग्रणी स्थान मिला है मा.विधायक स्वामी ओमवेश ने कहा की भगवान विश्कर्मा पूजनीय सर्व समाज के रचित थे सोने की लका का निर्माण उन्होंने ही किया था मा.विधायक रामअवतार सैनी

ने कहा की भगवान विश्कर्मा जी महान थे उनको 8 रूपों गिना गया वह महान हस्ती थे है दिवस कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता अखलाक पप्पू ने किया जिसमे डॉ सत्यपाल सिंह.सुरेश चंद्रा.वरिष्ठ नेता अफजाल उल हक लालू प्रभा चौधरी. महमूद कस्सार.बी के कश्यप.जाकिर चौधरी राधा सैनी.अशोक गहलोत. डॉ इरफान मालिक दारा सिंह. सुभाष विश्कर्मा मदन लाल सैनी.तसलीम अहमद लाल सिंह कश्यप नसीम अहमद चौ संसार सिंह नमन कुमार संजप पाल अब्दुल वहाब. सुरेंद्र वाल्मीकी. प. अनुज शास्त्री आदि मौजूद रहे

साढ़े पांच माह की गर्भवती थी छात्रा, परिजनों के पास दो बार पहुंचा फोन...किशोरी के बारे पूछा

फतेहपुर। फतेहपुर जिले में बिंदकी कस्बे के बाईपास जाफराबाद गांव किनारे छात्रा का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैली रही। हर कोई घटना करने वालों के साथ ऐसा ही कृत्य करने की मांग करता दिखा। वारदात के भयावह मंजर को घटनास्थल ही बयां करता है। बाईपास किनारे जहां से किशोरी का शव मिला है, उस स्थान से करीब 200 मीटर पहले एक पुलिया है। पुलिय के पास काफी खून मिला है। मौका देखकर अंदाजा लगाया कि पहले पुलिया के पास ही किशोरी की हत्या की गई होगी। बाईपास बंद होने की वजह से वाहनों का आवागमन नहीं होता है।संभावना है कि हत्यारे शव छिपाने के लिए बाइक से कुछ दूर बाग किनारे पेड़ तक ले गए होगें। शव मिलने वाली जगह पर किसी तरह के विरोध का निशान नहीं दिखे। उस स्थान में खून भी नहीं फैला था। पुलिया के बाद शव मिलने वाली जगह के रास्ते में कहीं खून के धब्बे नहीं मिले। डॉक्टरों के मुताबिक घटनास्थल पर ही खून का रिसाव अत्यधिक होता है। मौत के बाद शरीर से खून का रिसाव बेहद कम और बाद में पहुंचाई चोट भी शरीर पर नहीं आती है। इसी वजह से रास्ते में खून के धब्बे नहीं मिले। छात्रा के कोचिंग ले जाने के लिए उसके साथ पढ़ने वाली सहेली घर पहुंची थी।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 5 मौत, 6 मकान ढहे, 2 बच्चे खोने वाली मां बोलीं- योगी आएंगे तभी अंतिम संस्कार करेंगे

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। सोमवार देर रात हुए धमाके से आसपास के 6 मकान ढह गए। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। मलबे से 11 लोगों को बाहर निकाला गया। 15 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। SDRF और फायर ब्रिगेड की टीम स्निफर डॉग की मदद से मलबे में तलाश कर रही है कि कहीं कोई और तो नहीं दबा है। हालांकि, अब किसी के लापता होने की जानकारी नहीं है। इधर, ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। हादसे में बेटा-बेटी को खोने वाली मां ने कहा- मेरा सब कुछ खत्म हो गा। जब तक सीएम योगी नहीं आएंगे, तब तक अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।

सीएम योगी ने मृतकों को परिजनों को 4-4 मुआवजा देने का ऐलान किया है। हादसा

रात 10.10 बजे नौशेरा गांव में हुआ। शुरूआती जांच में सामने आया है कि आबादी के बीच फैक्ट्री चल रही थी, लेकिन आसपास के लोगों को इसका पता नहीं था। हादसे के बाद पहुंची पुलिस टीम को लोगों ने दौड़ा लिया। अफसरों ने आक्रोशित लोगों को किसी तरह से शांत कराया। इसके बाद रेस्क्यू शुरू हुआ। घटना के वक्त फैक्ट्री में कोई नहीं था। सभी मरने वाले सभी आसपास के घरों के हैं। इस वजह से लोग प्रशासन से नाराज हैं। धमाका इतना तेज था कि 1 किमी तक आवाज सुनाई दी। घरों के खिड़की-दरवाजे टूट गए और दीवारों में दरारें तक पड़ गईं।

DM रमेश रंजन ने कहा-घटना में 14 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उसमें से 5 लोगों की मृत्यु हो गई है। यहां कानून-व्यवस्था नियंत्रण में है। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की राहत राशि देने की घोषणा की है। पीड़ित महिला गायत्री ने कहा- मेरा डेढ़ साल का बेटा अभिनय और 3 साल की बेटी दीक्षा की मौत हो गई। मेरा तो सब खत्म हो गया। सीएम योगी आएंगे, तभी अंतिम संस्कार करेंगे। स्थानीय निवासी देवेंद्र ने बताया- यहां पर विस्फोट हुआ है। इसमें लगभग 6 से ज्यादा घर ढह गए हैं। इसमें 20 से ज्यादा लोगों के फंसे होने की आशंका है। 8 से 10 लोगों को हम लोगों ने निकाल लिया है। बाकियों को भी निकाला जा रहा है।

स्थानीय महिला ने बताया- मैं अपने घर पर बैठी थी, तभी तेज धमाका हुआ। मेरे घर पर एक आग के गोले जैसा कुछ गिरा। हम लोग डर लए। इसके बाद बहुत सा कचरा, पटाखे आकर गिरे। हम लोग डर गए। हम लोग भागकर बाहर आए तो अफरा-तफरी मची हुई थी। मेरे मकान में भी दरार आई है।

पड़ोसी जितेंद्र ने बताया - मैं अपने घर पर था। खाना खा रहा था, तभी अचानक बहुत तेज आवाज हुई। पहले हम लोगों को लगा कि वैसे ही आवाज हुई होगी। इसके बाद मेरी किराएदार चिल्लाती हुई आई। कहा- उनको बचो लो..बचा लो। आस-पास के करीब 6 से ज्यादा मकान गिरे हैं। पुलिस ने समय से मदद नहीं की। 3 घंटे बाद बुलडोजर आया। हम लोगों ने 4 शवों को निकाला।

बिना तैयारी जमीन सर्वे के मैदान में नीतीश सरकार, हो न जाए आंध्र-तेलंगाना वाला हाल!

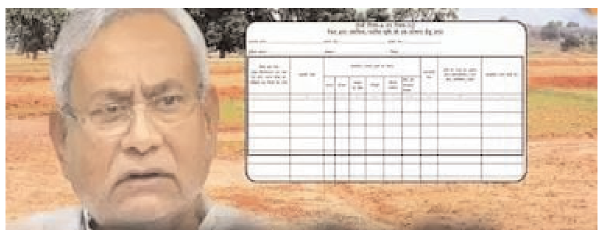

संवाददाता।

पटना। ऐसा लग रहा है कि बिहार में नीतीश सरकार का जमीन सर्वे अभियान लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। राज्य के लगभग पौने तीन करोड़ परिवारों में जमीन के कागजातों को लेकर खलबली मची हुई है। सर्वे में सरकारी तैयारी की कमी और अफसरशाही के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस पूरे मामले पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुप्पी साध रखी है। बिहार में लगभग 2.75 करोड़ परिवार रहते हैं। इनमें से ज्यादातर परिवारों के पास थोड़ी-बहुत जमीन है। नीतीश सरकार ने हाल ही में जमीन सर्वे शुरू किया है, मगर अब लग रहा है कि इसकी तैयारी पूरी नहीं थी। सर्वे के लिए जरूरी कर्मचारी और संसाधन नहीं हैं। लोग जमीन के पुराने कागजात ढूंढने में लगे हैं, मगर कैथी लिपि में होने की वजह से समझना भी मुश्किल हो रहा है। जमीन सर्वे के लिए कई लोग तो सरकारी दफ्तरों में चक्कर काट-काट कर थक गए। रिश्वतखोरी के मामले भी सामने आ रहे हैं। भूमि सर्वेक्षण कर्मचारियों की कमी और कैथी लिपि को समझने वाले लोगों की गैरमौजूदगी ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पुराने दस्तावेज किसी को समझ में ही नहीं आ रहा।

जमीन सर्वे पर विपक्षी नेताओं ने नीतीश सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। बीजेपी कोटे से भूमि राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने पहले तो सरकार एंग्री यंग मैन जैसा बयान दिया लेकिन बाद में चुप्पी साध ली। हालांकि, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोगों को आश्वासन दिया है कि जमीन सर्वे की कोई आखिरी तारीख नहीं है।

लेकिन जमीनी स्तर पर सरकार से किसान नाखुश हैं। लोग सरकार की तैयारी और अफसरों की मनमानी पर सवाल उठा रहे हैं। ऐसा ही कुछ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी देखने को मिला था, जहां जल्दबाजी में किए गए जमीन सर्वे के कारण लोगों में नाराजगी फैल गई थी। जानकारों का मानना है कि के. चंद्रशेखर राव और जगन मोहन रेड्डी सरकारों को चुनाव में इसी वजह से हार का सामना करना पड़ा था।

बिहार में नीतीश सरकार भूमि सर्वेक्षण करवा रही है, लेकिन ये काम सरकार के लिए सिरदर्दी बनता जा रहा है। आम लोगों से लेकर कर्मचारी और अधिकारी तक, सभी को इस सर्वेक्षण में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सर्वेक्षण का काम बहुत धीरे चल रहा है और आए दिन किसी न किसी वजह से रुक रहा है। पहले तो कर्मचारियों की कमी थी और अब कर्मचारी होने के बाद भी उन्हें पुराने दस्तावेज पढ़ने में दिक्कत आ रही है।

बिहार में भूमि सर्वेक्षण का काम 2013 से चल रहा है। इसका उद्देश्य भूमि संबंधी विवादों को खत्म करना है। लेकिन इस काम में कई बाधाएं आ रही हैं। सबसे बड़ी बाधा है कैथी लिपि। पुराने जमीन के कागजात कैथी लिपि में लिखे गए थे और नए कर्मचारियों को ये लिपि पढ़नी नहीं आती है।

कैथी लिपि एक पुरानी लिपि है जिसका इस्तेमाल बिहार में 1980 से पहले सरकारी और निजी दस्तावेजों को लिखने के लिए होता था। मुगल और अंग्रेजों के समय में भी इसका खूब इस्तेमाल होता था। उस जमाने में जमीन के कागजात, जैसे- खातियान, रसीद, बंदोबस्त के कागज सब कैथी लिपि में ही लिखे जाते थे।

समय के साथ-साथ इस लिपि का चलन कम होता गया। अब बहुत कम लोग हैं जो कैथी लिपि पढ़ और लिख सकते हैं। यही वजह है कि नए कर्मचारियों को पुराने जमीन के दस्तावेज पढ़ने और समझने में बहुत दिक्कत हो रही है। इससे सर्वेक्षण का काम बहुत धीमा हो गया है।

कई जगहों पर जमीन मालिक 5-15 हजार रुपए से भी ज्यादा देकर कैथी लिपि में लिखे दस्तावेजों का अनुवाद कर रहा हैं। लेकिन ये अनुवाद कितना सही है, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। गलत अनुवाद की वजह से जमीन विवाद और भी बढ़ सकते हैं।

इस समस्या को देखते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने अब अमीन और कानूनगो को कैथी लिपि की ट्रेनिंग देने का फैसला किया है। ट्रेनिंग की शुरूआत बिहार के बेतिया जिले से हुई। 17 से 19 सितंबर तक बीएचयू के रिसर्च स्कॉलर प्रीतम कुमार और मोहम्मद वॉकर अहमद अमीन और कानूनगो को कैथी लिपि की ट्रेनिंग देंगे।

मगर, सवाल उठता है कि सरकार को 11 साल बाद ये समस्या क्यों दिखाई दी? क्या इतने सालों में विभाग के सामने ये समस्या कभी नहीं आई? अगर आई थी तो नई नियुक्तियों के समय इस बात का ध्यान क्यों नहीं रखा गया? बिहार में भूमि सर्वेक्षण की शुरूआत साल 2013 में हुई थी। बिहार विशेष सर्वेक्षण बंदोबस्त नियमावली 2012 के तहत ही ये जमीन सर्वेक्षण किया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो जो भी नए अमीन बहाल किए गए हैं, उन्हें नापी करनी नहीं आती है। कैथी पढ़ना तो बहुत दूर की बात है। सरकार ने केवल सर्टिफिकेट के आधार पर उन्हें बहाल कर लिया है। उन्हें न तो लैंड लॉ की जानकारी है और न ही पब्लिक को कागज समझाने की समझ है। ऐसे में अगर अमीन ही कागज पढ़ने में सक्षम नहीं हैं तो ये विवाद को और बढ़ाएगा।

वैसे, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कई बार कह चुके हैं कि भूमि विवाद खत्म करने के लिए ही यह सर्वेक्षण करवाया जा रहा है। लेकिन अगर सर्वेक्षण करने वाला ही पूरी तरह से तैयार नहीं होगा तो क्या यह विवाद खत्म हो पाएंगे? या फिर नए विवादों को जन्म देंगे? हालांकि, सर्वेक्षण के काम में तेजी लाने के लिए ज्यादा कर्मचारियों की मांग की गई। इसके बाद 2023 में 10 हजार पदों के लिए नियुक्तियां निकाली गईं। जुलाई 2023 में इन पदों पर नियुक्तियां हुईं।

साल 2019 में कानूनगो, अमीन और बंदोबस्त पदाधिकारी जैसे पदों के लिए 6350 नियुक्तियां निकाली गई थीं। 2021 में ये नियुक्तियां पूरी हुईं। सारे पद कॉन्ट्रैक्ट पर भरे गए थे। उसी समय 550 अमीनों की नियुक्ति अंचल में की गई थी। उनके पास अमानत और सर्वेयर में टेक्निकल डिग्री थी। लगभग चार साल काम करने के बाद सरकार ने इन कर्मचारियों को सेवा विस्तार नहीं दिया और कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया।

20 अगस्त से नए प्रखंडों और पंचायतों में सर्वेक्षण की जानकारी दी जा रही है। किसानों और जमीन मालिकों को अपने जमीन के कागजात ऑनलाइन या ऑफलाइन जमा करने को कहा जा रहा है।

40-50 साल पहले बिहार के गांवों में जमीन की अदला-बदली आम बात थी। लोग आपस में जमीन की अदला-बदली कर लेते थे। लेकिन जमीन की रजिस्ट्री पहले की तरह ही रहती थी। कई पीढ़ियां सिर्फ बातचीत या पंचों द्वारा बनाए गए कागजों के आधार पर ही उस जमीन पर अपना हक मानती रही। भूमि सर्वेक्षण के समय यही बात लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रही है।

नीतीश कुमार की 'आखिरी चुनाव' वाली बाजी!

पीछा नहीं छोड़ रही गठबंधन बदलने और बातों से पलटने की कहानी

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार के सीएम और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार सिर्फ गठबंधन ही नहीं बदलते। बाजदफा वे अपने बयान भी बदल देते हैं। बिहार में शुरू हुई विधानसभा चुनाव की कवायद के बीच अब इस पर भी चर्चा होने लगी है। वैसे तो मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 तक है। यानी चुनाव में तकरीबन 14 महीने की देर है, लेकिन हर दल जिस तरह चुनावी मोड में दिख रहे हैं, उससे लगता है कि चुनाव निर्धारित समय से पहले ही हो जाएगा। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव आभार यात्रा पर राज्य के हर जिले में जा रहे हैं। उनका लक्ष्य सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचने का है। एनडीए के घटक आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा 25 सितंबर से बिहार यात्रा शुरू करने वाले हैं। लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान भी दौरा शुरू कर चुके हैं। बिहार की राजनीति में तीसरा कोण बनाने के प्रयास में लगे जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर। किशोर का पहले चरण का बिहार दौरा पूरा होने के करीब है। नीतीश कुमार कामकाज के बहाने बिहार के अलग-अलग हिस्सों में लगातार जा रहे हैं। वैसे उनके भी चुनावी दौरे की तैयारी चल रही है।

भाजपा ने जिस तरह नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की घोषणा की है, उससे यह साफ हो गया है कि वे ही एनडीए के सीएम फेस होंगे। नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव के बाद जिस तरह अपनी पार्टी को चाक चौबंद किया है, उससे भी यह पक्का लगता है कि वे सियासत की एक और पारी खेलना चाहते हैं। पार्टी के अलावा सरकार के कामकाज की गति भी उन्होंने बढ़ाई है।

इसके लिए वे लगातार अलग-अलग विभागों की प्रायः हर दिन समीक्षा करते हैं। जो योजनाएं चल रही हैं या शुरू होनी है, उनका स्थल निरीक्षण करने भी वे पहुंच जा रहे हैं। उनके उत्तराधिकारी की अक्सर चर्चा होती है, लेकिन अभी तक व्यवहार में ऐसा कुछ नहीं दिख रहा। मनीष वर्मा के नाम की चर्चा होती है, लेकिन उन्हें ऐसी कोई जिम्मेदारी नीतीश ने नहीं दी है, जिससे लगे कि उनके बाद वे ही उत्तराधिकारी होंगे। यानी यानी नीतीश एक बार फिर बिहार की कमान संभालने के लिए तैयार हैं।

वर्ष 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार पूर्णिया में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। तीसरे चरण का चुनाव होना था। सभा में कुछ लोगों ने नीतीश के खिलाफ नारेबाजी की। उन पर टमाटर भी फेंके। उसी सभा में नीतीश ने कहा था कि यह उनका आखिरी चुनाव है।

इस अपील के बावजूद उन्हें सिर्फ 43 सीटें ही मिलीं। उस समय तेजस्वी यादव की सभाओं में भीड़ उमड़ रही थी और चिराग पासवान नीतीश कुमार को हराने के लिए जेडीयू के खिलाफ 134 सीटों पर चुनाव लड़ रहे थे।

नीतीश कुमार 2022 में जब आरजेडी के साथ चले गए तो उन पर तेजस्वी यादव के लिए सीएम की कुर्सी खाली करने का दबाव था। आरजेडी के नेता इसके लिए हुड़दंग मचाए हुए थे। कई लोग तो इसके लिए दिन और तारीख तक बताने लगे थे। नीतीश कुमार उसी दौरान नालंदा किसी कार्यक्रम में गए। साथ में तेजस्वी यादव भी थे। नीतीश ने तब कहा था कि 2025 का चुनाव तेजस्वी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। पूर्णिया के बाद यह दूसरा मौका था, जब नीतीश ने 2025 में चुनाव से अलग रहने यानी सीएम पद की दावेदारी से अलग रहने का संकेत दिया था। अब वे अपनी बात से पलटते दिख रहे हैं।

आरा में गंगा का कहर: 5 मकान पानी में विलीन - जवइनिया गांव में बाढ़ से 300 परिवारों ने छोड़े अपने घर

संवाददाता।

आरा। बिहार के भोजपुर जिले में गंगा नदी का कहर जारी है। शाहपुर प्रखंड के जवइनिया गांव में बाढ़ के पानी ने भारी तबाही मचाई है। कई घर बह गए हैं और सैकड़ों लोग बेघर हो गए हैं। जवइनिया गांव में गंगा नदी का जलस्तर रातोंरात बढ़ गया। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते, बाढ़ का पानी उनके घरों में घुस गया। अब तक चार-पांच घर नदी में समा चुके हैं और दस से ज्यादा घर खतरे में हैं। नदी किनारे रहने वाले करीब 300 लोग अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। कुछ लोग अपने रिश्तेदारों के यहां शरण लिए हुए हैं तो कुछ लोग गांव के सरकारी स्कूल में रहने को मजबूर हैं। जवइनिया गांव में घर के साथ-साथ लोग अपने सपनों को, अपनी उम्मीदों को भी पीछे छोड़ने को मजबूर हैं। गंगा नदी को देखकर बच्चों से लेकर बूढ़ों तक, सभी के चेहरे पर दहशत और बेबसी साफ झलक रही है। कई माताएं अपने दूधमुंहे बच्चों को गोद में लिए हुए हैं तो कोई अपने बच्चों को कंधे पर बिठाकर सुरक्षित स्थानों की ओर भाग रहा है। लोग ट्रैक्टरों की मदद से अपने घरों से सामान निकाल रहे हैं। जितना सामान हो सकता है, लोग अपने साथ ले जा रहे हैं। दरवाजे, खिड़कियां, बर्तन, लोग सब कुछ सर पर उठाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंच रहे हैं। बाढ़ पीड़ितों की परेशानी यहीं खत्म नहीं होती। पिछले कई दिनों से लोग भूखे पेट रहने को मजबूर हैं। घरों में चूल्हा नहीं जल पा रहा है। छोटे-छोटे बच्चे, बूढ़ी माँएं, जो अपने घर छोड़कर बाहर आये हैं, उन्होंने कल से कुछ नहीं खाया है। घर उजड़ चुका है, खाने बनाने के लिए कोई जगह नहीं बची है। लगभग आठ साल बाद गंगा ने इतना भयानक रूप दिखाया है। लोग रात-रात भर जागकर काट रहे हैं।

इस बीच जिला प्रशासन की टीम मौके पर राहत कार्य में जुटी हुई है। शाहपुर के विधायक राहुल तिवारी भी बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं और पीड़ितों की हर संभव मदद कर रहे हैं। प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम कर रहा है ताकि जान-माल का नुकसान कम से कम हो।

पाकिस्तान 30 करोड़ भेजने वाला सोनू साइबर फ्रॉड का 'किंग'

डार्क वेब पर चलता 'सिक्का', डिजिटल कोर्ट में खुद 'जज'

संवाददाता।

सीतामढ़ी। यूपी एटीएस के हत्थे चढ़ा सीतामढ़ी जिला का सोनू साइबर फ्रॉड की दुनिया का शातिर खिलाड़ी निकला है। गिरफ्तारी और उसके पास से मिले तरह-तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से उसके कारनामे परत दर परत खुल रहे हैं। यूपी एटीएस और पुलिस भी इस शातिर के कारनामे को जानकर हैरान है। यह साइबर फ्रॉड का ऐसा खेल खेलता था, जिसकी कल्पना भी आम आदमी नहीं कर सकता है। यह साइबर खिलाड़ी जिले के भिट्ठा थाना क्षेत्र के श्रीखंडी भिट्ठा गांव का निवासी है।

यूपी पुलिस और खुफिया एजेंसी ने शनिवार की देर रात घर से ऋषिकेश साह उर्फ सोनू साह को गिरफ्तार किया था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपराधिक घटना को अंजाम देने के मामले में उसे दबोचा गया है। टीम ने सोनू के पिता मोहन साह को हिरासत में लिया था। सोनू की गिरफ्तारी के बाद जांच में जो सच सामने आये हैं, वह काफी चौंकाने वाले हैं। पता चला है कि सोनू का तार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपराध और देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने वाले संगठन से जुड़ा है।

सोनू एक ऐसे संगठन से जुड़ा हुआ था, जो इंटरनेट की काली और खतरनाक दुनिया के सबसे बदनाम नाम डार्क वेब का इस्तेमाल कर रहा था। बहरहाल इस मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सोनू का गैंग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से फर्जी कोर्ट संचालित करता था। कोर्ट देखने में सामान्य लगता था। फर्जी कोर्ट में जज, सीबीआई और वकील सभी होते थे। फर्जी एसबीआई अधिकारी बना गैंग का सदस्य उस व्यक्ति (जिसे जाल में फंसा लिया जाता था/फंसाने की कोशिश की जाती थी) को अपनी आईडी भी दिखाते थे, ताकि अगले को शक की कोई गुंजाइश नहीं रहे।

सूत्रों से खबर मिली है कि सोनू और उसके गैंग के लोग एक महिला डॉक्टर को फंसाने के लिए सात दिनों तक फर्जी कोर्ट संचालित किया था। खास बात कि जज के रूप में शातिर खिलाड़ी सोनू साह ही था। डिजिटल सुनवाई के दौरान जज बने सोनू ने डॉक्टर से कहा कि उनके पास जमा राशि की जांच की जानी है। इसके लिए पूरी राशि सरकारी खाते में जमा करानी होगी। फिर डर से उस डॉक्टर ने जज यानी सोनू के बताए खाते में 2.81 करोड़ रुपये डाल दी थी। खास बात यह कि महिला डॉक्टर को सोनू ने डिजिटल अरेस्ट होने की बात कह डरा दिया था। इसी मामले में यूपी एटीएस ने उसे गिरफ्तार किए जाने की बात कही जा रही है।

यूपी एटीएस को महिला डॉक्टर ने जानकारी दी थी कि एक व्यक्ति का उनके पास कॉल आया। उसने खुद को साइबर क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया था और मुंबई से बात करने की बात कही थी। उसने महिला डॉक्टर को कहा था कि उनके मोबाइल नंबरों पर कई केस दर्ज है। साथ ही उनके (डॉक्टर) खाते से सात करोड़ रुपये की मनी लांड्रिंग हुई है। यह कहते हुए उस शख्स ने महिला डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर लेने की बात कही। धमकी दिया था कि इस मामले में उन्हें तीन से पांच साल तक की सजा हो सकती है।

डार्क वेब इंटरनेट की दुनिया का वो हिस्सा है, जहां तक सर्च इंजन नहीं पहुंचता है। बताया गया है कि इसे स्पेशल वेब ब्राउजर से एक्सेस किया जा सकता है। जिस तरह समुद्र की सतह और पानी के नीचे कुछ हिस्से तक हमारी पहुंच होती है, लेकिन एक हिस्सा ऐसा भी है जहां कोई नहीं पहुंचा, डार्क वेब इंटरनेट की दुनिया का वही हिस्सा है। इस हिस्से तक बहुत कम लोगों की पहुंच है। डार्क वेब से कई अवैध काम होते हैं। साइबर वर्ल्ड की ये दुनिया अवैध कामों का ठिकाना माना जाता है।

सहरसा : नाबालिग के साथ दुष्कर्म मामले में संलिप्त आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने पीड़िता का कराया मेडिकल

संवाददाता।

सहरसा। बिहार के सहरसा जिला पुलिस की विशेष टीम ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म मामले में संलिप्त अभियुक्तों में से एक प्राथमिकी अभियुक को मामला दर्ज होने के 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है. सदर थाना में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते एसडीपीओ आलोक कुमार ने जानकारी देते बताया कि सोमवार को सदर थानाध्यक्ष को क्षेत्र अंतर्गत एक नाबालिक लड़की के साथ सामुहिक दुष्कर्म होने की सूचना प्राप्त हुई थी।

पीड़िता के द्वारा आवेदन प्राप्त होते ही सदर थाना में पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज करते हुए पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी. जिसमें पीड़िता का तुरंत मेडिकल कराया गया। जिसका मेडिकल जांच रिपोर्ट फिलहाल नहीं आया है। वहीं अनुसंधानकर्ता द्वारा बताया गया कि पीड़िता के शरीर के बाहरी हिस्से में किसी भी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाया गया. जबकि घटित घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए घटना में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक हिमांशु के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया। जिसमें गठीत टीम द्वारा तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर इस कांड में शामिल एक अभियुक्त अजित कुमार पिता नागेश्वर यादव कहरा को गिरफ्तार किया गया।

वहीं घटना में प्रयुक्त स्कार्पियो वाहन जिसका रजिस्टेशन नंबर बीआर 19 वी 6072 जो छुपाकर रखा गया था उसे भी बरामद कर लिया गया। उसके बाद पुलिस टीम द्वारा घटना में प्रयुक्त बरामद स्कार्पियो पर साक्ष्य संकलन के लिए एफएसएल एवं डॉग स्कॉड की टीम को बुलाया गया। इसके साथ ही घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे की भी जॉच की गई।

वहीं घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि पीड़िता एवं अभियुक्त एक ही मुहल्ले की रहने वाली है। जिसमें पीड़िता को बहला फुसलाकर गलत काम करने की बात सामने आ रही है। जांच में प्रथम द्रष्टया गन प्वाइंट की बात पुष्टि नही हुई है। वहीं घटना में शामिल सभी अभियुक्तों की स्पीडी ट्रायल कराकर जल्द से जल्द सजा दिलायी जाएगी।

खैरा: 3 करोड़ के छड़ चोरी में 6 गिरफ्तार

संवाददाता।

जमुई। जमुई जिले के खैरा प्रखंड अंतर्गत बेला गांव में 500 करोड़ रुपए की लागत से निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल से 300 करोड़ रुपये के छड़ की चोरी का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मामला का पुलिस ने पदार्फाश करते हुए घटना में संलिप्त 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही

इसके पास से 3000 क्विंटल सरिया यानि छड़, धर्मकांटा में लगा चीटिंग डिवाइस, 5 मोबाइल, 3 आधार कार्ड और 4 ड्राइविंग लाइसेंस भी जब्त किया गया है। गिरफ़्तार अभियुक्तों की पहचान मुंगेर के नीरज यादव, पप्पू कुमार, अवधेश कुमार, नवादा के पप्पू कुमार, मुजफ्फरपुर के प्रमोद ठाकुर और जमुई के बबलू यादव के रूप में हुई है।

उक्त जानकारी कार्यालय कक्ष में एसपी चंद्रप्रकाश ने प्रेस वार्ता के दौरान दी है। उन्होंने बताया कि निमार्णाधीन कॉलेज एंड हॉस्पिटल से सरिया यानि छड़ की चोरी होने की शिकायत संवेदक द्वारा की गई थी। उंसके बाद अनुसंधान के क्रम में यह बातें सामने आई कि दुगार्पुर से कंस्ट्रक्शन के लिए लाए जा रहे सरिया को रास्ते में ही अनलोड कर लिया जाता था। हर कंसाइनमेंट से करीब 4.5 टन छड़ चोरी की जाती थी, जिसकी एक बंडल की कीमत 2.70 लाख रुपये है, फिर ट्रक को निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज के धर्मकांटा पर तौला जाता था, जहां चीटिंग डिवाइस से वजन कम दिखाया जाता था। इस तरह से अब तक 100 से ज्यादा कंसाइनमेंट यानि कुल 3000 क्विंटल छड़ में करीब 3 करोड़ रुपये के छड़ की चोरी किया जा चुका है। इस मामले में गिरफ्तार 6 लोगों के अलावा दो अन्य लोगों का भी नाम सामने आया है। जिसकी तालाश की जा रही है और पूछताछ के क्रम में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भोजपुर गायक टुनटुन यादव के प्रोग्राम में ताबड़तोड़ फायरिंग, श्रद्धांजिल सभा में शक्ति प्रदर्शन

संवाददाता।

आरा। बिहार में एक श्रद्धांजलि सभा में खुलेआम फायरिंग का वीडियो सामने आया है। वीडियो के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिहिया थाना क्षेत्र के भीम पट्टी बेलवनिया गांव में हुई इस घटना में सैकड़ों राउंड गोलियां चलीं। भोजपुरी गायक टुनटुन यादव के कार्यक्रम के दौरान कुछ युवक राइफल लहराते और फायरिंग करते दिख रहे हैं। फायरिंग के दौरान गायक टुनटुन यादव भी सहमे दिख रहे हैं। जैसे ही फायरिंग शुरू हुई, मंच पर मौजूद दोनों महिला डांसर किनारे चली गईं। हालांकि, गायक टुनटुन यादव की मौजूदगी दिख रही है। उनके आसपास कुछ लोग खड़े हैं, उनमें दो लड़के ताबड़तोड़ फायरिंग पर फायरिंग किए जा रहे हैं। फायरिंग की ये घटना जगवली यादव की श्रद्धांजलि सभा के दौरान हुई। इसी कार्यक्रम में परफॉर्म करने के लिए भोजपुरी कलाकारों को बुलाया गया था, जिसमें टुनटुन यादव भी आए थे। वीडियो में दिख रहा है कि दो युवक हाथों में राइफल लिए स्टेज पर फायरिंग कर रहे हैं। डांसर और गायक सहमे हुए दिख रहे हैं, लेकिन वो बेखौफ गोलियां चलाते रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात भर फायरिंग होती रही। पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी, अपने आप में बड़ा सवाल है। इन सबके बीच, पुलिस का दावा है कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं थी। जबकि 112 पेट्रोलिंग के जमाने में इस तरह की जानकारी नहीं होना भी सवाल खड़ा करता है। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। लोग पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं। भोजपुर एसपी राज ने बताया कि वीडियो की जांच की जा रही है और जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। शस्त्र और लाउडस्पीकर अधिनियम के तहत 3 नामजद समेत 5 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में तेंदुए की संदिग्ध मौत से मचा हड़कंप

जांच में जुटे वन पदाधिकारी

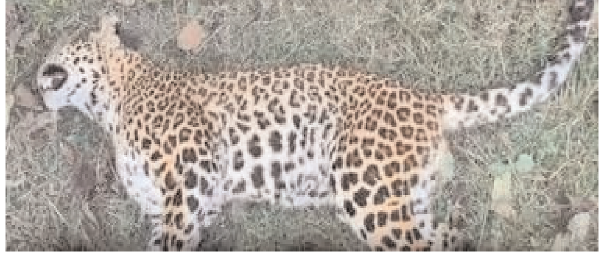

संवाददाता।

मोतिहारी। बिहार के इकलौते वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में एक तेंदुआ मृत पाया गया है। यह घटना दो दिन पहले हुई और मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। वन विभाग के अधिकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आगे की जांच के बाद ही मौत का सही कारण बता पाएंगे। विटीआर के बॉर्डर पर हुई इस घटना से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। विटीआर के सीएफ (सीएफ) डॉ. नेशामणी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव के अंगों को जांच के लिए भेजा जाएगा। इसके बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

सोमवार देर शाम को वन कर्मियों को गश्त के दौरान मदनपुर वन क्षेत्र के पास एक खेत में तेंदुए का शव मिला था। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया जाएगा। इसके बाद, जांच और परीक्षण के लिए तेंदुए के शरीर के अंगों को भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), बरेली और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूडब्ल्यूआई), देहरादून भेजा जाएगा। नेपाल और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में 100 से ज्यादा तेंदुआ और लगभग 60 बाघ रहते हैं। अपने क्षेत्र को लेकर इनके बीच अक्सर संघर्ष होता रहता है।

हाल ही में, गौनाहा इलाके में एक बाघ की मौत आपसी संघर्ष में हो गई थी। पिछले साल वाल्मीकिनगर रेंज में भी बाघ और तेंदुए के बीच लड़ाई में एक तेंदुए की मौत हो गई थी। 12 साल की उम्र सीमा वाले इस तेंदुए का शव विटीआर के मदनपुर वन क्षेत्र के कक्ष संख्या 8 में रेंज ऑफिस के पीछे घने जंगल में मिला है। फिलहाल इस इलाके में किसी को भी जाने की अनुमति नहीं है। इस घटना से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या तेंदुए की मौत उसकी उम्र पूरी होने के कारण हुई या फिर वह बीमार था? क्या उसकी मौत बाघ से संघर्ष में हुई? इन सवालों के जवाब अभी तक नहीं मिल पाए हैं। तेंदुआ दो दिन पहले ही मर चुका था, इससे वन विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस घटना से वन्यजीव संरक्षण के प्रति वन विभाग की सक्रियता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

चरण सिंह

विचार

केजरीवाल के जेल जाने के बाद पार्टी को संभालने का आतिशी को मिला फायदा

परिवारवाद के आरोप से बचने के लिए अरविंद केजरीवाल ने आतिशी को मुख्यमंत्री बना दिया है। दरअसल अरविंद केजरीवाल ने सभी विधायकों से अलग अलग बात की थी। मतलब अरविंद केजरीवाल ने सभी को अपना निर्णय सुना दिया होगा। आतिशी का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए खुद अरविंद केजरीवाल ने ही पेश किया। मतलब अरविंद केजरीवाल आतिशी को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे। राजनीति के जानकार उसी दिन समझ गये थे जिस दिन अरविंद केजरीवाल ने स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने के लिए आतिशी का नाम लिखकर पत्र लिखा था।

दरअसल अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद सरकार की ओर से आतिशी ने जमकर मोर्चा लिया। अरविंद केजरीवाल के डिफेंस में उन्होंने पूरी भाजपा और एलजी वीके सक्सेना को खुलकर जवाब दिये। क्योंकि आम आदमी पार्टी ने शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की थी तो उन्हें मनीष सिसोदिया की अनुपस्थिति में शिक्षा विभाग दिया गया। आतिशी ने मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल की कमी लोगों को खलने नहीं दी। दिल्ली के शिक्षा मॉडल पर वह लगी रहीं। जब केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह तीनों जेल के बंद थे तो वह आतिशी ही थी जो बीजेपी और एलजी से मोर्चा ले रही थीं। पार्टी को बांधकर रख रही थीं। विधायकों में विश्वास जमाए हुए थीं। आतिशी के कुशल नेतृत्व के चलते ही आम आदमी पार्टी नहीं टूटीं। आम आदमी पार्टी के विधायक अपनी जगह से टस से मस नहीं हुए।

इसमें दो राय नहीं कि अरविंद केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे पर परिवारवाद का आरोप उन्हें सता रहा था। केजरीवाल के लिए मौजूदा हालत में फिर से सरकार बनाना ज्यादा महत्वपूर्ण है। सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाने पर बीजेपी के परिवारवाद को लेकर हावी होने का अंदेशा था। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी के विधायकों को बीजेपी के नेता जरूर उकसाते। ऐसे में आम आदमी पार्टी में बगावत होने का अंदेशा भी था। यही सब वजह रही कि केजरीवाल ने आतिशी को मुख्यमंत्री बनाने का मन बनाया। आतिशी अरविंद केजरीवाल की सबसे विश्वसनीय नेता मानी जाती हैं। आज की तारीख में वह मनीष सिसोदिया और संजय सिंह से भी ज्यादा विश्वास आतिशी पर करते हैं। हां यदि स्वाति मालीवाल के अरविंद केजरीवाल से अच्छे संबंध होते तो शायद उनका नाम भी मुख्यमंत्री की दौड़ में आ जाता। आतिशी का मुख्यमंत्री बनने का एक बड़ा कारण यह भी है कि संजय सिंह और मनीष सिसोदिया की स्थिति अरविंद केजरीवाल की ही तरह आरोपी हैं। जिसका फायदा आतिशी को मिला है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आतिशी को मुख्यमंत्री बनाने के बाद अरविंद केजरीवाल की दिल्ली को फिर से फतह करने की क्या रणनीति होगी ? ऐसे में यह कहा जा सकता है कि अरविंद केजरीवाल का प्रयास होगा कि वह बीजेपी पर उन्हें फंसाने का हमला बोलकर लोगों की सहानुभूति बटोर लें।

कृषि सुधारों से बढ़ती आर्थिकी

-डा. जयंती लाल भंडारी-

हाल ही में प्रधानमंत्री की अगुआई में हुई केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग में कृषि क्षेत्र से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। इसमें 7 बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन पर कुल 14000 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इनमें से 2817 करोड़ रुपए डिजिटल कृषि मिशन के लिए दिए जाएंगे। वहीं फसल विज्ञान पर 3979 करोड़ रुपए खर्च होंगे। कृषि शिक्षा और प्रबंधन को बेहतर करने के लिए 2291 करोड़ रुपए के प्रोग्राम को मंजूरी दी गई। पशुधन के स्थायी स्वास्थ्य के लिए 1702 करोड़ रुपए के प्लान को मंजूरी दी गई है। पिछले कुछ समय से जीडीपी में कृषि का योगदान घट रहा था। लेकिन मोदी सरकार की हालिया पहल से कृषि क्षेत्र और किसानों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। इस परिप्रेक्ष्य में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ये सात योजनाएं कृषि क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होंगी और कृषि उन्नयन के प्रयासों से आर्थिकी तेजी से आगे बढ़ेगी। गौरतलब है कि 3 सितंबर को विश्व बैंक के द्वारा जारी ह्यइंडिया डेवलपमेंट अपडेटह्न रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि क्षेत्र में सुधार व ग्रामीण मांग में तेजी के चलते भारत की विकास दर 7 फीसदी के स्तर पर पहुंचते हुए दिखाई देगी। रिपोर्ट में वृद्धि दर अनुमान को बढ़ाया गया है। मानसून में सुधार, निजी खपत व बढ़ते निर्यात से भी भारतीय जीडीपी को मजबूती मिल रही है। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि सरकार को इस वर्ष जो बेहतर मानसून विरासत में मिला है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था रफ्तार से बढ़ रही है। पूरे देश के कोने-कोने में बेहतर मानसून के लाभ दिखाई देने लगे हैं। बेहतर मानसून से ग्रामीण इलाकों में खपत तेजी से बढ़ रही है।

बढ़ते हुए कृषि उत्पादन और ग्रामीण भारत के विकास के लिए सरकारी योजनाओं के तहत किए गए भारी व्यय तथा स्वरोजगार की ग्रामीण योजनाओं से ग्रामीण परिवारों की आमदनी में तेज इजाफे के साथ उनकी क्रय शक्ति बढ़ी है। ऐसे में भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण अधिक खर्च कर रहे हैं। कृषि संबंधी संसाधनों की अधिक बिक्री हो रही है, वरन गांवों में उपभोक्ताओं की खरीददारी भी उच्च स्तर पर है। यह सब ग्रामीण भारत में भविष्य के प्रति उत्साह और वर्तमान के बेहतर परिणामों का प्रतीक है। निःसंदेह सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया है। कृषि व्यवस्था को ट्रांसफॉर्म करना समय की मांग है। सरकार के द्वारा कृषि व ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। इसी के मद्देनजर इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक संगठनों और वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की रिपोर्टों में भारत में कृषि सेक्टर में सुधार और ग्रामीण खपत में वृद्धि के मद्देनजर भारत की विकास दर के अनुमान बढ़ाए जा रहे हैं। ऐसे में वैश्विक चुनौतियों के बावजूद 2025-26 व 2026-27 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था तेज गति से बढ़ेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और एशियाई विकास बैंक ने भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेजी के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। इसी तरह भारत की विकास दर के अनुमानों को ओईसीडी ने 6.2 से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत, स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने 6.3 से बढ़ाकर 7 प्रतिशत तथा फिच ने 7 से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत किया है। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि देश में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की चुनौतियों के बीच ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संवारने का रणनीतिक अभियान आगे बढ़ रहा है। गौरतलब है कि कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देने के अभियान के तहत 11 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) परिसर के खेतों में जाकर 61 फसलों की 109 नई एवं उन्नत किस्में जारी करते हुए कहा कि इनसे देश में कम जमीन में अधिक पैदावार लेने और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिल सकेगी। इससे महंगाई से भी बचाव होगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक वर्ष 2024-25 के बजट के तहत किसानों के कल्याण और कृषि को विकास का इंजन बनाने की रणनीति के तहत किसानों के हित में कृषि व ग्रामीण क्षेत्र की क्षमता के दोहन के जो अभूतपूर्व कदम आगे बढ़ाए गए हैं, उनसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकी जा सकेगी। इस बजट के माध्यम से कृषि सेक्टर के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए सुनिश्चित किए गए हैं। बजट के तहत शीघ्र खराब होने वाले सामान की बाजार में समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इस बजट में प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

-प्रियंका सौरभ

> राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में निचली अदालतों द्वारा स्वचालित रूप से जमानत से इनकार करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, भले ही कानूनी आधार इस तरह के इनकार को उचित ठहराते हों। राजनीतिक रूप से आरोपित मामलों में, न्यायपालिका को अक्सर कार्यपालिका के सूक्ष्म या प्रकट दबाव का सामना करना पड़ता है। जब फैसले सरकारी हितों के खिलाफ जाते हैं तो यह विवादास्पद न्यायिक नियुक्तियों, तबादलों या राजनीतिक प्रतिक्रिया के रूप में प्रकट हो सकता है। जांच एजेंसियां अक्सर दोषसिद्धि सुनिश्चित किए बिना व्यक्तियों को दंडित करने के लिए कानूनी प्रक्रियाओं को हथियार बनाती हैं।

राजनीतिक फायदों के लिए बढ़ती नाजायज हिरासतें

भारतीय न्यायपालिका को विशेष रूप से राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में स्वतंत्रता बनाए रखने का काम सौंपा गया है, लेकिन इसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हाल के फैसले, जैसे कि अरविंद केजरीवाल उत्पाद शुल्क नीति मामला और बिलकिस बानो मामला, इन तनावों को उजागर करते हैं। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जहां एजेंसियां राजनीतिक विरोधियों को ही नहीं, बल्कि पत्रकारों, छात्रों और अकादमिक जगत से जुड़े उन लोगों को भी निशाना बनाती हैं, जो सरकार एवं उसकी नीतियों की आलोचना करते हैं। यह सिलसिला खासतौर से चुनावों के आसपास शुरू होता है। यह और विकट चिंता का विषय है कि असहमति की ऐसी आवाजों को दबाकर उन्हें कानूनों के तहत जमानत नहीं दी जाती। इन कानूनों में खुद को निर्दोष सिद्ध करने का दारोमदार आरोपित पर होता है। अफसोस की बात है कि ऐसा दायित्व कभी पूरा नहीं किया जा सकता और विडंबना यही है कि इस मामले में उदार रवैया अपनाने के बजाय अदालतों ने इन कठिन प्रविधानों को कायम रखा है।

न्यायिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ देखें तो राजनीतिक रूप से आरोपित मामलों में, न्यायपालिका को अक्सर कार्यपालिका के सूक्ष्म या प्रकट दबाव का सामना करना पड़ता है। जब फैसले सरकारी हितों के खिलाफ जाते हैं तो यह विवादास्पद न्यायिक नियुक्तियों, तबादलों या राजनीतिक प्रतिक्रिया के रूप में प्रकट हो सकता है। जांच एजेंसियां अक्सर दोषसिद्धि सुनिश्चित किए बिना व्यक्तियों को दंडित करने के लिए कानूनी प्रक्रियाओं को हथियार बनाती हैं। पूछताछ के दौरान "असहयोग" के लिए हिरासत को लंबे समय तक बढ़ाने की प्रथा को अक्सर कैद में रखने के बहाने के रूप में प्रयोग किया जाता है, भले ही ठोस सबूतों की कमी हो। यह प्रथा संविधान के अनुच्छेद 20(3) में निहित आत्म-दोषारोपण के खिलाफ अधिकार को कमजोर करती है।

राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में निचली अदालतों द्वारा स्वचालित रूप से जमानत से इनकार करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, भले ही कानूनी आधार इस तरह के इनकार को उचित ठहराते हों। न्यायमूर्ति भुइयां और न्यायमूर्ति बी.आर. दोनों गवई ने इस मुद्दे पर प्रकाश डाला है, यह देखते हुए कि ट्रायल कोर्ट और उच्च न्यायालय अक्सर व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने में विफल रहते हैं, खासकर हाई-प्रोफाइल मामलों में। न्यायमूर्ति भुइयां की केजरीवाल की गिरफ्तारी की आलोचना लंबे समय तक हिरासत में रखने के आधार के रूप में "स्पष्ट जवाब" या "सहयोग की कमी" जैसे अस्पष्ट औचित्य को स्वीकार करने से इनकार को दर्शाती है। उनके फैसले में स्वतंत्रता से इनकार करने के लिए प्रक्रियात्मक देरी का इस्तेमाल करने के लिए सीबीआई को फटकार लगाई गई और इस बात पर जोर दिया गया कि इस तरह की कार्रवाइयां संवैधानिक सुरक्षा की भावना का उल्लंघन करती हैं। यह न्यायमूर्ति सूर्यकांत के दृष्टिकोण के विपरीत है, जिन्होंने गहन जांच के बिना सीबीआई के तर्क को स्वीकार कर लिया। भुइयां की विस्तृत जांच व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बनाए रखने में सतर्कता की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

बिलकिस बानो मामले में जघन्य अपराधों के लिए दोषी ठहराए जाने के बावजूद दोषियों की रिहाई, इसी तरह न्यायिक परिणामों पर राजनीतिक प्रभाव के बारे में चिंता पैदा करती है। यह मामला इस बात का उदाहरण देता है कि सजा के बाद की राहत को माफी कानूनों के माध्यम से कैसे हेरफेर किया जा सकता है, अक्सर राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय की कीमत पर। संकट का एक कारण अदालतों से जुड़ा है। जिन मामलों में पुलिस कस्टडी की अवधि समाप्त हो गई हो या आरोपपत्र दाखिल हो गया हो, अक्सर उनमें भी जमानत नहीं दी जाती। कहीं न कहीं न्यायिक तंत्र स्थापित मानकों के अनुरूप काम नहीं कर रहा। समान अवसर का अभाव कानूनी प्रक्रियाओं को खतरे में डालता है, जबकि यह स्थिति निष्पक्ष एवं निष्कलंक होनी चाहिए। यह भी जनता की नजरों से छिपा नहीं रहता कि कुछ खास न्यायिक अधिकारियों की प्रमुख पदों पर तैनाती की जाती है, जिससे संदेह की सुई और गहरा जाती है।

कुल मिलाकर, न्यायिक तंत्र विशेषकर जमानत के मामले में कारगर ढंग से काम नहीं कर रहा। स्वतंत्रता के मूल्य को संविधान और यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमन्य मान्यता के अनुरूप महत्व नहीं दिया जा रहा। जमानत के संदर्भ में न्यायिक अधिकारी जिस हीलाहवाली का परिचय दे रहे हैं, वह गहन चिंता का विषय है। खासतौर से यह उन मामलों में मुख्यतः प्रकट होता है, जहां फंदा राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर फंसा होता है। ऐसे मामलों में भले ही जांच पूरी हो जाए, लेकिन जमानत नहीं मिलती। यहां तक कि शीर्ष न्यायिक स्तर पर यह राहत नहीं दी जाती। जबकि न्यायपालिका स्वतंत्रता बनाए रखने का प्रयास करती है, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामले इसके कवच में दरारें उजागर करते हैं। अरविंद केजरीवाल और बिलकिस बानो मामले न्यायिक अखंडता की चुनौतियों को रेखांकित करते हैं, खासकर जब कार्यकारी दबाव और प्रक्रियात्मक हेरफेर का सामना करना पड़ता है। अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए, न्यायपालिका को बाहरी दबावों का विरोध करना चाहिए और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने के अपने कर्तव्य को निभाना चाहिए, विशेष रूप से राजनीतिक रूप से आरोपित परिस्थितियों के सामने।

न्यायिक स्वतंत्रता और अखंडता के लिए इन खतरों के जवाब में, न्यायाधीशों को कार्यकारी हेरफेर और नियंत्रण से बचाने के लिए सुरक्षा उपायों और प्रतिवादों को लागू करना अनिवार्य है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, न्यायिक स्वतंत्रता को कानून में निहित किया जाना चाहिए और कार्यकारी हस्तक्षेप या धमकी से मुक्त लोकतांत्रिक शासन के एक मौलिक सिद्धांत के रूप में बरकरार रखा जाना चाहिए। न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा के प्रयासों में न्यायाधीशों को बाहरी दबाव से बचाने, उनकी सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने और उनके कर्तव्यों के प्रदर्शन में उनकी स्वायत्तता और निष्पक्षता को बनाए रखने के उपाय शामिल होने चाहिए। इसके अलावा, न्यायपालिका में जनता के विश्वास को बढ़ावा देने और कार्यपालिका द्वारा फैलाई गई गलत सूचना और प्रचार का मुकाबला करने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही तंत्र को मजबूत किया जाना चाहिए। इसमें न्यायिक कार्यवाही और निर्णयों तक पहुँच बढ़ाना, न्यायिक मामलों पर खुली बातचीत और सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ावा देना और न्यायिक स्वतंत्रता या अखंडता को कमजोर करने के किसी भी प्रयास के लिए कार्यपालिका को जवाबदेह ठहराना शामिल है। इसके अतिरिक्त, न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा और मीडिया पर कार्यकारी सेंसरशिप या हेरफेर को रोकने के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता और डिजिटल अधिकारों के लिए मजबूत सुरक्षा आवश्यक है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

अरुण श्रीवास्तव

'तो चंद महीने ही अपना ताप बिखेरेंगी आतिशी

अरुण श्रीवास्तव देहरादून

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केजरीवाल को लेना ही पड़ा मुख्यमंत्री पद छोड़ने का फैसला। राजनीतिक 'रहट' बने केजरीवाल ने आतिशी को दिल्ली की बागडोर सौंप कर अपने विरोधियों खासकर भाजपाइयों के हाथों परिवारवादी होने का मुद्दा जाने नहीं दिया। वर्ना होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव व फरवरी में दिल्ली विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव में उन पर परिवारवादी होने का आरोप चस्पा किया जाता यदि वो भी लालू यादव व हेमंत सोरेन की तरह परिवारीजन को सत्ता की "खड़ाऊं" सौंपते। केजरीवाल ने दो दिन पहले सीएम पद छोड़ने की ऐलान किया और समय रहते छोड़ भी दिया। उन्होंने सत्ता की डोर का अंतिम सिरा गैर राजनीतिक पृष्ठभूमि से आयी आतिशी मलेर्ना को सौंप दिया।

अब यह अलग बात है कि सत्ता की बागडोर का अंतिम सिरा 43 वर्षीय आईटीसी को उस समय सौंपा जब सुप्रीम कोर्ट ने रिहाई के लिए ढेर सारी शर्तें जमानत के साथ शामिल कर दीं। हालांकि इस तरह की शर्तें जमानत पर रिहा होने वाले हर आरोपी के साथ होती हैं। देर में त्यागपत्र देने के लिए अब केजरीवाल चाहे जो भी तर्क दें लेकिन उच्च राजनीतिक आदर्शों का तकाजा था कि वह भी अन्य मुख्यमंत्रियों की तरह आरोप लगते या गिरफ्तारी होने के पहले ही अपनी कुर्सी छोड़ देते क्योंकि छोड़ना ही पड़ा न ! किस राजनीतिक सलाहकार ने उन्हें पद न छोड़ने की सलाह दी ये पार्टी या केजरीवाल ही जानते होंगे। हो सकता है कि सलाहकारों को यह अनुमान रहा हो कि कुछ ही महीने में केजरीवाल बाइज्जत बरी हो जाएंगे या जमानत देते समय उन पर उस तरह की शर्तें नहीं थोपीं जाएंगी जो आमतौर पर अपराधियों पर थोपी जाती है। हालांकि इसका अंदेशा सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी के बाद ही दे दिया था। जेल में रहते हुए केजरीवाल न कोई फाइल पर साइन करते थे, न ही कोई बैठक करते थे और न कोई नीतिगत फैसला ले सकते थे। जबकि जेल में रहते सुब्रत राय को मीटिंग करने के लिए वातानुकूलित हॉल उपलब्ध कराया गया था। इसका पूरा खर्च सहारा वहन करती थी। इसी आधार पर केजरीवाल को भी इस तरह की सुविधाएं दी जा सकती थीं जो कि नहीं मिली। यदि सुब्रत रॉय को जेल में रहते ऑफिशल फाइलें देखने की, बैठकें करने की सुविधा दी जा सकती थी तो केजरीवाल को क्यों नहीं? केजरीवाल ने तो जनता का पैसा भी नहीं हड़पा था जबकि सहारा इंडिया पर जनता के जमाधान और उस पर देने वाले ब्याज को हड़पने का आरोप था। यहां यह भी बताते चलें कि जब सुब्रत राय को जमानत दी गई तो उन पर ऐसी कोई शर्त नहीं थोपी गई कि वो निकट के थाने पर जाकर हाजिरी देंगे शहर के किसी भी कार्यालय में नहीं जाएंगे खासकर उस कार्यालय में तो बिल्कुल नहीं जिसका मामला सेबी के सम्मुख विचाराधीन हो। इसका नतीजा यह रहा कि सुब्रतो राय छुट्टे सांड की तरह बिना किसी रोक-टोक के अपना काम करते रहे।

केजरीवाल की बातों से ही यह ज्ञात हुआ कि जब उन्होंने एक बार दिल्ली के उपराज्यपाल को 15 अगस्त के मौके पर आतिशी द्वारा झंडा फहराने के लिए चिट्ठी लिखी उसके बाद उनको नोटिस मिली कि अगर वह इस तरह की हरकत फिर करेंगे कि कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यहां पर यह बताना भी उचित है कि जेल में रहते हुए भी सहारा इंडिया के मुखिया

वातानुकूलित हॉल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठकें करते थे और व्यवसायिक गतिविधियां जारी रखते थे। जबकि केजरीवाल को तय समय पर ही परिवार से मिलने की इजाजत थी।

यहां यह भी मौजू है कि सहारा प्रमुख सुब्रत राय को मां के निधन के बाद जमानत मिली तो उसके बाद उन्होंने पलट कर जेल की ओर देखा ही नहीं जबकि लोकसभा चुनाव के दौरान केजरीवाल को जमानत दी गई थी तो तय समय के बाद उनको वापस जेल में आना ही था। ध्यान देने वाली बात यह भी कि केजरीवाल के ऊपर कोई देनदारी नहीं थी शराब घोटाले में आरोपी बनाए गए थे जबकि सुब्रत राय के कंपनी के मुखिया थे उन पर अपने निवेशकों का 25000 करोड़ 15% ब्याज के देने के आदेश के उलंघन का आरोप था। यदि केजरीवाल एड के द्वारा कई बार संबंध जारी करने के बाद भी आगे नहीं हुई तो सुब्रतो राय ने भी कई बार अदालत में हाजिर होने के आदेश का उलंघन किया था।

बात मुद्दे कि, केजरीवाल ने दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के जेल में जाने के बाद उनका कामकाज देखने वाली उनकी सलाहकार रह चुकी आतिशी को उप मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी थी। हालांकि आतिशी के पास दिल्ली की जनता के लिए बहुत कुछ करने को है नहीं। एक तो पहले से ही तमाम अध्यादेशों के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलट कर केंद्र सरकार ने दिल्ली के उप राज्यपाल को 'थोक' में अधिकार सौंप दिए। दूसरे फरवरी के अंत तक दिल्ली की जनता को नई सरकार मिलनी चाहिए क्योंकि इस सरकार का कार्यकाल फरवरी में समाप्त हो जाएगा। अब इतने कम समय में आतिशी कर क्या पाएंगी यह भी ध्यान देने वाली बात है। आतिशी को पार्टी के अंदर भी बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। सतही तौर पर तो पार्टी के अंदर गुटबाजी नहीं दिखाई देती पर मानव स्वभाव को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई मंत्री व विधायक उनसे काफी वरिष्ठ हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता से मंत्री बने सौरभ भारद्वाज से भी कई विभाग लेकर आतिशी को केजरीवाल ने सौंपे थे। ऐसे में सबको एक साथ लेकर चलना भी 'टेढ़ी खीर' है फिर कदम कदम पर एलजी के रोड़े का भी आतिशी को सामना करना पड़ेगा और केजरीवाल को भी इस पर नजर रखनी पड़ेगी कि आतिशी जीतन राम मांझी या चंपई सोरेन न बन जाएं।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

'चरण' और 'मरण' के कोण में घिरा हरियाणा का 'रण'

पिछले 10 साल से प्रदेश की सत्ता चला रही भाजपा तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। हरियाणा विधानसभा चुनावों में इस बार सत्ता की लड़ाई बेहद दिलचस्प हो गई है। क्या पिछले 10 सालों से सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को इस बार भी सत्ता नसीब होगी। बीजेपी के चुनावी अभियान का प्रमुख चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। उन्हें राज्य के मतदाताओं को लुभाना है। मोदी अपने चुनावी अभियानों में भ्रष्टाचार, विकास कार्यों, और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को जोर-शोर से उठाते हैं। क्या हरियाणा में भी इसी रणनीति के तहत, पार्टी प्रधानमंत्री के जरिए भ्रष्टाचार और विकास को मुद्दा बनाएगी। बीजेपी के नेता भी अपने चुनावी प्रचार में भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दों को लगातार उठा रहे हैं। पार्टी मोदी की लोकप्रियता पर भरोसा कर रही है। इसलिए राज्य में पार्टी बिना किसी सीएम फेस के उतर रही है। बीजेपी बेहतर आर्थिक विकास, रोजगार के अवसर और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जोर दे रही है। इसके अलावा भाजपा जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की भी कोशिश में लगी है। साथ ही भाजपा के बड़े नेता चुनाव प्रचार के दौरान किसानों के मुद्दों पर पार्टी की स्थिति को साफ कर सकते हैं, ताकि आंदोलन के कारण पैदा हुए असंतोष को कम किया जा सके।

सरकार और किसानों के बीच टकराव ने बीजेपी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इसका सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी के वोट बैंक पर पड़ सकता है, क्योंकि कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। चुनाव में बीजेपी को इस असंतोष से निपटने के लिए प्रभावी रणनीति बनानी होगी, ताकि वह किसान समुदाय का विश्वास फिर से जीत सके। इसके साथ ही खिलाड़ियों के विरोध प्रदर्शन का बीजेपी के चुनावी अभियान पर गहरा असर पड़ सकता है, खासतौर पर हरियाणा जैसे राज्य में, जहां खेल और खिलाड़ी राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महिला पहलवानों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों, जो यौन उत्पीड़न के आरोपों और न्याय की मांग पर केंद्रित थे, राज्य में बीजेपी की छवि को झटका दिया है। बीजेपी को इन विरोधों से हुए नुकसान से निपटने के लिए संवेदनशीलता के साथ ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि वह खेल जगत के समर्थन को खोए बिना अपने चुनावी अभियान बिना अपने चुनावी अभियान को सफल बना सके।

विपक्षी पार्टियां बीजेपी के खिलाफ अपने-अपने तरीके से गठजोड़ बनाने की कोशिश कर रही हैं। यदि इन विपक्षी दलों के एकजुट होने का असर जमीन पर दिखता है तो बीजेपी के लिए चुनावी जीत की राह और कठिन हो सकती है। विपक्ष खासतौर पर, एक समुदाय वोट बैंक पर फोकस कर रही है, और उसने राज्य के भीतर जातिगत समीकरणों को साधने की रणनीति तैयार की है। हरियाणा की राजनीति में जातीय समीकरण का बड़ा महत्व है। एक समुदाय, जो राज्य की राजनीति में एक प्रमुख भूमिका निभाता है, उसका एक बड़ा हिस्सा बीजेपी से नाराज चल रहा है। पार्टी को अन्य मतदाताओं पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ रहा है। वहीं, अन्य समुदायों के साथ गठजोड़ बनाना भी पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती है। बीजेपी के सामने इस बार जातीय संतुलन साधने और सभी वर्गों को साथ लाने की बड़ी जिम्मेदारी है। बीजेपी को अपने दम पर अन्य ग्रामीण वोटों को आकर्षित करना होगा, जो आसान नहीं होगा। इनका अलग होना बीजेपी के लिए एक और मुश्किल खड़ी कर सकता है। 10 साल की सत्ता के बाद बीजेपी के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर का बड़ा खतरा है। सत्ता में रहते हुए किसी भी पार्टी को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ता है और बीजेपी इससे अछूती नहीं है। विकास कार्यों के बावजूद, बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के आरोप जैसे मुद्दे विपक्षी दलों द्वारा उठाए जा रहे हैं, जिससे जिससे मतदाताओं का असंतोष बढ़ सकता है।

खासकर, लोकसभा चुनावों में बीजेपी को हरियाणा की 10 में से सिर्फ 5 सीटें मिली थीं, जो पार्टी के लिए चेतावनी संकेत हैं। चुनाव के इतनी नजदीक मनोहर लाल खट्टर की जगह नए चेहरे नायब सिंह सैनी को सत्ता सौंपी गई। लेकिन क्या यह फैसला पार्टी के भीतर और जनता के बीच भी सत्ता के प्रति असंतोष को कम करने में मददगार साबित होगा, क्योंकि चुनाव के इतने करीब मुख्यमंत्री बदलने के फैसले का असर पार्टी के चुनाव परिणाम पर पड़ सकता है। विधानसभा चुनावों में, स्थानीय मुद्दों और जातीय समीकरणों का अधिक प्रभाव होता है, और यही कारण है कि बीजेपी को इस बार राज्य में अधिक मेहनत करनी पड़ रही है। हरियाणा में 2014 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने बड़ी जीत हासिल की थी, जब उसने 47 सीटें जीतीं और स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाई। 2019 के विधानसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा, और उसे सिर्फ 40 सीटें मिलीं, जो बहुमत से कम थीं। इसके बाद जेजेपी के साथ गठबंधन कर सरकार बनाई गई। इस बार यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी का विधानसभा चुनाव में प्रदर्शन कैसा रहता है। हरियाणा में बीजेपी का पूरा फोकस प्रधानमंत्री मोदी के प्रचार पर है, और पार्टी को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में पार्टी यहां लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर सकेगी। पार्टी अपने चुनाव प्रचार में जातीय समीकरणों को साधने, कांग्रेस के भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाने, और विकास कार्यों का हवाला देकर वोटरो को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश करेगी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सभी समुदायों नेतृत्व पर जोर दिया है, जबकि विपक्ष ने विशेष जाति कार्ड का खुलकर उपयोग किया है। भाजपा ने विभिन्न जातियों को टिकट देने की कोशिश की है। हरियाणा में भाजपा ने दस साल की सत्ता के साथ विधानसभा चुनावों में सत्ता विरोधी माहौल की काट के लिए इस बार सामाजिक समीकरणों का गणित तो बिठाया है, लेकिन इसकी केमिस्ट्री किस करवट बैठेगी इसे लेकर असमंजस कायम है। 2024 के लोकसभा चुनावों के मतदान के आंकड़ों के मुताबिक, विधानसभा चुनाव पर अनुमान लगाया गया है कि राज्य में त्रिशंकु सदन की भी स्थिति बन सकती है। लेकिन, अगर विपक्षी पार्टियां एक साथ आ जाती हैं तो वह बढ़त हासिल कर सकती हैं। वहीं अब विधानसभा क्षेत्र के स्तर पर बात की जाए तो हर एक लोकसभा में कई सारी विधानसभा सीटें होती हैं। बीजेपी ने हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों में से 46 पर सबसे ज्यादा वोट हासिल किए। हालांकि, एंटी इनकम्बेंसी, किसान आंदोलन, और जेजेपी से गठबंधन का टूटना बीजेपी के सामने बड़ी चुनौती है। विपक्षी दलों की एकजुटता और जातीय समीकरणों का का प्रभाव भी चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

भिवानी में अमित शाह की रैली: कहा- हरियाणा ने दिए धाकड़ वीर जवान, अग्निवीर बिना नौकरी नहीं रहेगा ये मेरी गारंटी

बहल/भिवानी। देश के गृह मंत्री अमित शाह आज को लोहारू विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी जेपी दलाल के पक्ष में बहल के खेल स्टेडियम में रैली में पहुंचे। अमित शाह की प्रदेश में यह पहली रैली रही। अमित शाह ने स्टार प्रचारक के तौर पर प्रदेश में चुनाव प्रचार की शुरूआत की।

सीएम फेस को लेकर कांग्रेस में लड़ाई- शाह...अमित शाह ने कहा कि लोगों ने 2014 में हमारी सरकार बनाई। 2019 में भी बनाई। अब क्या आप 2024 में सरकार बनाओगे। हरियाणा में कांग्रेस की अंदरूनी कलह किसी से छुपी नहीं है। चार-चार नेता सीएम फेस को लेकर लड़ाई कर रहे हैं। ऐसी पार्टी को क्या आप वोट दोगे।

भाजपा सरकार में न खर्ची न पर्ची चलती- शाह...उन्होंने कहा कि हमारी दस साल सरकार चली। पहले चौटालों की सरकार चलती थी। फिर हुड्डा साहब की सरकार चली। पहले नौकरी खर्ची और पर्ची पर मिलती थी। अब भाजपा की सरकार है। यहां न खर्ची चलती है और न पर्ची। नायब सिंह नए हरियाणा का संकल्प लेकर आगे बढ़े हैं, उसको आपको आगे बढ़ाना है।

आज 24 फसलों को एमएसपी पर खरीद रहे किसान- शाह...अमित शाह ने कहा कि मैं आज हुड्डा साहब को पूछना चाहता हूं, आपने भी कोई कम राज तो नहीं किया। आप एमएसपी पर कितना खर्च करते थे। चार ही क्रॉप पर एमएसपी पर खरीदते थे। आज 24 फसलों को एमएसपी पर खरीद रहे हैं। वह सिर्फ एमएसपी एमएसपी रटे रहते हैं। आज किसानों की फसल का एक भी दाना खाली नहीं रखेगा। नायब सैनी एक एक दाना की खरीद करेगा।

कश्मीर के ऊपर कोई आंख उठाकर देख नहीं सकता: शाह...अमित शाह ने कहा ये कांग्रेस के राहुल बाबा सुन लो हमारी बात, जब तक भाजपा की सरकार है कश्मीर के ऊपर कोई आंख उठाकर देख नहीं सकता। कश्मीर में धारा 370 हटी तो ये अच्छा हुआ या बुरा। ये कांग्रेस वाले फिर से इसे वापस लाना चाहते हैं। राहुल गांधी हम तो वे पार्टी हैं जो ये मानते हैं कि पाकिस्तान वाला कश्मीर भी हमारा है। किसानों और खिलाड़ियों की ये बात करते हैं। हमारी दस साल की सरकार ने कोई जिला ऐसा नहीं छोड़ा, जहां खेल का मैदान नहीं है।

कांग्रेस वाले अग्निवीर पर कर रहे राजनीति- अमित शाह...उन्होंने कहा कि मोदी जी ने तीनों क्षेत्र के अंदर दस साल में बहुत काम किए। मैं चौधरी बंसीलाल का स्मरण करते हुए उनको प्रणाम करता हूं। मैं यहां से हुड्डा साहब से पूछना चाहता हूं। हरियाणा के जवानों ने वन रैंक वन पेंशन मांगी थी, लेकिन आपने यह भी नहीं दिया।

अभी-अभी हम एक योजना लेकर आए हैं अग्निवीर की। ये कांग्रेस वाले राजनीति कर रहे हैं। ये कांग्रेस वाले इस योजना के लिए अफवाह फैला रहे हैं। हम अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण दे रहे हैं। पेंशन वाली नौकरी बीजेपी देने जा रही है, लेकिन ये कांग्रेस के लोग ये अफवाह फैला रहे हैं कि इन अग्निवीरों का क्या होगा। ये सिर्फ झूठ बोलते हैं। मैं ये गारंटी देता हूं कि कोई भी अग्निवीर बिना नौकरी नहीं रहेगा।

अमित शाह बोले कि कांग्रेस ने हरियाणा को क्या दिया...उन्होंने कहा मैं हुड्डा साहब से पूछना चाहता हूं, वोट मांगने का अधिकार सबको है, लेकिन हिसाब भी देना पड़ता है, अकाउंट भी देना पड़ता है। आप 10 साल रहे, ऊपर भी यूपीए की सरकार थी, हरियाणा को क्या दिया, केवल 41000 करोड़ रुपये दिए। मोदी जी ने 10 साल में 1 लाख 43000 करोड़ रुपया हरियाणा को दिया।

आरक्षण को किसी को भी छूने नहीं देंगे: अमित शाह...केंद्रीय मंत्री ने कहा राहुल बाबा ने अमेरिका में बयान दिया है कि हिंदुस्तान की सरकार आरक्षण को हटा देगी। मैं आपको यह कहकर जाता हूं कि जब तक हमारी सरकार है आरक्षण को किसी को भी छूने नहीं देंगे।

अकेले भिवानी जिले के किसानों को मोदी जी ने 247 करोड़ रुपये देने का काम किया है। 6 लाख 49 हजार लोगों का 5 लाख तक पूरा खर्चा स्वास्थ्य के क्षेत्र में माफ किया है। अब सरकार ने इसमें भी आय सीमा को खत्म कर दिया है, अब सभी 70 साल से ऊपर के व्यक्ति को फ्री इलाज सरकार दे रही है।

रैली में देरी से पहुंचने के कारण शाह ने मांगी माफी...अमित शाह ने कहा कि सबसे पहले मैं आप सभी से माफी मांगता हूं कि हेलिकॉप्टर लेट चलने के कारण देरी से पहुंचा। लोहारू वालों ने तो कमाल कर दिया। पंडाल भरकर लोग बाहर भी बैठे हैं। मैं छोटी काशी में आया हूं। मैं ये बताना चाहता हूं हरियाणा एक छोटा सा प्रदेश है, लेकिन पूरा देश हरियाणा को तीन बातों के लिए याद करता है। सबसे पहले आजादी के बाद जितने भी मोर्चे पर जवान गए, वह यहीं से गए। जब देश में खाद्यान्न का संकट पड़ा, तो खाद्यान्न के भंडार भरने का काम भी हरियाणा के किसानों ने किया है। अभी ओलिंपिक हुआ, इसमें भी हरियाणा सबसे ऊपर रहा। हरियाणा ने धाकड़ वीर जवान दिए, खिलाड़ी दिए।

126 ऐतिहासिक फैसले लिए- सीएम...सीएम ने कहा कि मुझे 56 दिन बतौर मुख्यमंत्री काम करने का मौका मिला है। इतने कम समय में भी मैंने 126 ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। सब कहते हैं बहुत कम समय मिला है। इसलिए आप सबसे अनुरोध है कि बीजेपी को वोट देकर तीसरी बार सरकार बनाने का काम करें।

सीएम नायब सैनी ने किया अमित शाह का स्वागत...हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने भिवानी पहुंचने पर अमित शाह का बहुत-बहुत स्वागत और धन्यवाद किया। कहा कि गृह मंत्री जी आप हरियाणा में पहले भी आ चुके हैं, मैं अगर गलत नहीं हूं तो लोहारू की इस धरती पर आपका पहली बार आना हुआ है। मैं लोहारू के लोगों की ओर से आपका अभिनंदन करता हूं।

कांग्रेस अंग्रेजों की औलाद- रामबिलास शर्मा...'बहल रैली के दौरान पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का दूसरा अवतार अमित शाह कुछ ही देर में आने वाले हैं। हरियाणा में 36 बिरादरी के लोग रहते हैं, लेकिन कांग्रेस इसको बांटने में लगे हुई है। कांग्रेस अंग्रेजों की औलाद है।

आज गरीब किसान का बेटा हरियाणा का मुख्यमंत्री बन गया है। रात दो बजे भी फोन करो, खड़ा मिलता है। वैसे ही हमारे जेपी दलाल विधायक हैं, रात को 12 बजे भी किसी ने फोन कर दिया तो उसकी समस्या का समाधान होता है।

खास बात यह है कि इस बार भाजपा ने गृह मंत्री के चुनाव प्रचार के लिए शहरी क्षेत्र की जगह ग्रामीण क्षेत्र को चुना है। इससे स्पष्ट है कि भाजपा ग्रामीण क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने की सोच से चुनाव प्रचार को धार दे रही है। अमित शाह की रैली के लिए जहां भाजपा ने भिवानी जिले में ठेठ ग्रामीण क्षेत्र के तौर पर लोहारू विधानसभा क्षेत्र को चुना है।

वहीं, लोहारू विधानसभा में भी लोहारू और सिवानी ब्लॉक के बीच के बहल ब्लॉक को चुना है, ताकि पूरे क्षेत्र में इसका सीधा असर आ सके। यहीं से भाजपा अपने स्टार प्रचारक अमित शाह की रैली की शुरूआत कर सीधे ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं को साधने का प्रयास करेगी। हालांकि, पिछले चुनाव में भी लोहारू विधानसभा के प्रत्याशी रहे जेपी दलाल के पक्ष में अमित शाह बहल की अनाज मंडी में रैली करने आए थे। उस समय केवल लोहारू विधानसभा की न होकर लोहारू व तोशाम विधानसभा विधानसभा की संयुक्त रैली थी।

रवनीत बिट्टू को लक्की की नसीहत, दुश्मनी इतनी करो कि दोस्ती करने पर शर्मिंदा न होना पड़े

चंडीगढ़। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू इन दिनों कांग्रेस के निशाने पर हैं। क्योंकि रवनीत बिट्टू ने दो दिन पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विवादित बयान दिया था। बिट्टू ने राहुल गांधी को को देश का सबसे बड़ा आतंकवादी करार दिया था। बिट्टू बिहार दौरे पर थे और यह बयान उन्होंने भागलपुर में दिया था।

चंडीगढ़ कांग्रेस ने मंगलवार को रवनीत बिट्टू के राहुल गांधी के खिलाफ दिए बयान को लेकर रोष मार्च निकाला। चंडीगढ़ सेक्टर-35 कांग्रेस भवन के सामने कांग्रेस नेताओं ने सांसद रवनीत बिट्टू के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा कार्यालय तक मार्च निकाला जहां पुलिस ने उन्हें रोका। प्रदर्शन के दौरान चंडीगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष एचएस लक्की भी मौजूद रहे। लक्की ने रवनीत बिट्टू पर निशाना साधा। लक्की ने बिट्टू को नसीहत दे डाली कि दुश्मनी करो इतनी कि कभी दोस्ती करने पर शर्मिंदा ना होना पड़े।

राहुल गांधी देश के सबसे बड़े आतंकवादी ...रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि जो देश के सबसे बड़े वांटेड हैं, जो राहुल गांधी ने बयान दिया है वही बयान पहले वह वांटेड देते थे, जो अभी राहुल गांधी दे रहे हैं। जो गोला बारूद बंदूक बनाने माहिर हैं उन लोगों ने राहुल गांधी के बातों का सराहा है और उनकी बातें राहुल गांधी ने कही है। जो देश के दुश्मन हैं, जो देश को उड़ा देने की कोशिश करते हैं, जहाज को और ट्रेन को उड़ाने की कोशिश करते हैं, जब वह लोग राहुल गांधी के स्कॉट में आ गए तब आप अंदाजा लगा लीजिए कि देश के नंबर वन आतंकवादी का इनाम अगर होना चाहिए, यह देश की एजेंसी को जो सबसे बड़े आतंकवादी को पकड़ के लाना चाहिए वह आज राहुल गांधी हैं।

चार मजदूरों की मौत मामले में सुनाम-पटियाला मुख्य सड़क पर चक्का जाम

सुनाम । सोमवार को सुनाम में तेज रफ्तार कैंटर की चपेट में आने से चार मजदूरों की मौत मामले में इंसाफ दिलाने के लिए चल रहे आंदोलन में मंगलवार शाम को नया मोड़ आ गया। प्रशासन के भरोसे के बाद दो मजदूरों गुरदेव कौर और छोटा सिंह के परिवारों ने खुद को इस आंदोलन से अलग कर लिया। दोनों मृतकों के परिवारों ने पोस्टमार्टम कराने के बाद मृतकों का अंतिम संस्कार कर दिया। एसडीएम प्रमोद सिंगला ने कहा कि दो परिवार भरोसे के बाद पोस्टमार्टम व अंतिम संस्कार के लिए सहमत हो गए हैं। शेष दो परिवारों से भी आग्रह है कि प्रशासन उनके साथ है। वे आंदोलन खत्म कर दें।

दूसरी तरफ इंसाफ की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों का चक्का जाम व धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान आंदोलनकारियों ने कुछ सियासी नेताओं पर पीड़ितों को इंसाफ दिलाने व एकता को भंग करने के आरोप लगाए। इससे पहले सोमवार की रात भी आंदोलन जारी रहा था।

नवीन जयहिंद, बोले- आतंकी को फांसी से बचाने वाले परिवार की बेटी को आगे लाए

रोहतक। आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देने की घोषणा कर खुद को त्यागी होने का दिखावा किया है। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी आतिशी को दी है। यह कहना है जयहिंद सेना के सुप्रीमो नवीन जयहिंद का। वे मंगलवार को सेक्टर छह स्थित तंबू में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि केजरीवल ने त्यागपत्र के साथ दावा किया है कि यदि केजरीवाल ईमानदार हैं तो लोग उन्हें वोट दें। लोग बेईमान मानते हैं तो वोट न दें। ऐसा है तो हरियाणा में चुनाव हैं। उन्होंने कहा कि वे हरियाणा में सीएम फेस के रूप में चुनाव लड़ें और स्थिति स्पष्ट करें।जनता को तय करना है तो पहले हरियाणा की जनता तय करेगी। इसके बाद दिल्ली की जनता तय करेगी कि उन्हें सीएम बनाना है या नहीं। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में आप की 21 जगह से जमानत बच गई तो मैं 21 महीनों के लिए हरियाणा छोड़ दूंगा।

उन्होंने कहा कि आप के पास मुख्यमंत्री बनाने के लिए उम्मीदवार नहीं है। शायद इसीलिए आतिशी को आगे लाए हैं। जबकि इसके परिवार ने आतंकी अफजल गुरू की फांसी रुकवाने में अहम भूमिका निभाई। पार्टी ने राखी बिडला, नरेश यादव व नरेश बाल्याण को नजरअंदाज किया है। यह समझ से परे है।

जालंधर से अगवा करोड़पति बुजुर्ग NRI की हत्या, मोगा में नहर में फेंका शव, दो गिरफ्तार

जालंधर। नकोदर कस्बे के गांव कंग साहबू से अज्ञात कार सवारों ने एक करोड़पति एनआरआई को अगवा कर उसकी हत्या कर दी और शव को मोगा नहर में फेंक दिया। पुलिस ने दो हत्यारों को काबू कर लिया है और शव को बरामद करने के लिए टीम मोगा रवाना हो गई है। थाना सदर नकोदर की पुलिस ने बीएनएस 104 (अपहरण) के तहत मामला दर्ज किया था जिसमें अब हत्या की धारा जोड़ी गई है।

रविवार शाम को हुआ था अपहरण...75 वर्षीय मोहिंदर सिंह रविवार शाम अपने घर से कंग साहबू के लिए निकले थे। शाम करीब 6 बजे जब वह जालंधर नकोदर हाईवे पर गांव कंग साहबू के पास पहुंचे तो दो अज्ञात लोगों ने अपनी कार (पीबी-08-एक्यू-3878) में मोहिंदर सिंह का अपहरण कर लिया और वहां से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार गांव कंग सहाबू के रहने वाले दलजीत सिंह नाम के व्यक्ति ने थाने में फोन कर मामले की जानकारी साझा की थी। उसके गांव के रहने वाले हरजीत सिंह ने बताया कि महिंदर सिंह की कार को आरोपियों ने कार से टक्कर मार दी। जब मोहिंदर सिंह ने अपनी कार रोकी तो दोनों आरोपियों ने निकलकर मोहिंदर को जबरदस्ती अपनी कार में बैठा लिया और वहां से फरार हो गए। जिसके बाद सारा मामला पुलिस को बताया गया।

MP राव इंद्रजीत बोले: सर्वे की वजह से पूर्व मंत्री बनवारी लाल की टिकट कटा

रेवाड़ी रेवाड़ी में मंगलवार को गुरुग्राम सांसद राव इंद्रजीत सिंह बावल विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर कृष्ण कुमार के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित करने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वैसे तो बावल सीट से कई दावेदार थे लेकिन जब पार्टी की तरफ से सर्वे हुआ तो मालूम चला कि डॉक्टर बनवारी लाल ने बावल में काम तो अच्छा किया है लेकिन एंटी कनकंबेंसी भी एक कारण रही। अब पार्टी के फैसले के अनुरूप कैंडिडेट को जिताना है।

उन्होंने कहा कि जिस हल्के से 2019 में 70 हजार से ज्यादा की लीड मिली थी आज (2024 लोकसभा) वह लीड केवल 22 हजार रह गई। कुछ ना कुछ तो गड़बड़ जरूर हुई है। मगर इस बार यह गड़बड़ नहीं होने दी जाएगी। दक्षिण भारत की राजनीति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनके पास हरियाणा से रिपोर्ट आ रही है इस बार लोकसभा चुनाव में पूरे दक्षिण भारत में भिवानी से लेकर फरीदाबाद तक 14 से 15 सीटें बीजेपी को मिली है। पहले कभी इतनी सीटें बीजेपी को नहीं मिली थी क्योंकि पहले बीजेपी ने हमें इतना महत्व नहीं दिया था। 10 साल बाद आज महत्व दिया है। उन्होंने आगे कहा कि गांव में एक कहावत है कि 12 साल में तो कूड़ी का भी नंबर आ जाता है। 10 साल तक हमने बीजेपी की सरकार बनाई है। हम कूड़ी से गए गुजरे तो नहीं है।

अभिनेत्री व MP कंगना रनौत को चंडीगढ़ कोर्ट में होना होगा पेश

चंडीगढ़ बॉलीवुड अभिनेत्री व सांसद कंगना रनौत की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। क्योंकि कंगना रनौत को चंडीगढ़ जिला अदालत में पेश होने के आदेश जारी हुए हैं। यह आदेश कंगना रनौत की नई फिल्म इमरजेंसी के खिलाफ दायर की याचिका पर अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया है। जारी हुए नोटिस में कंगना को 5 दिसंबर को पेश होने के लिए कहा गया है।

अभिनेत्री के खिलाफ जिला अदालत में याचिका दर्ज कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। याचिका में एसएसपी चंडीगढ़ को कंगना के खिलाफ एफआईआर निर्देश दिए जाने की मांग की गई है। जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट रविंदर सिंह बस्सी ने कंगना के खिलाफ याचिका दर्ज की है। बता दें कि कंगना रनौत की नई फिल्म इमरजेंसी 6 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, हालांकि फिल्म पर अभी रोक लग गई है। फिल्म जो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर आधारित है। इसका ट्रेलर भी जारी हो चुका है।

एडवोकेट रविंदर सिंह बस्सी ने कहा कि इस फिल्म के जरिए कंगना ने सिखों की छवि खराब करने की कोशिश की है। कंगना ने बिना इतिहास को पढ़े सिखों की नकारात्मक छवि दिखाई और झूठे आरोप भी लगाए हैं। इसलिए उन्होंने कंगना के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की है। याचिका में कंगना रनौत समेत स्क्रीन प्ले राइटर रितेश शाह और जी स्टूडियो को प्रतिवादी बनाया गया है।

मोहाली के दो लोगों ने पांच दिन पहले हाईकोर्ट में दर्ज की थी याचिका...वहीं, फिल्म इमरजेंसी की रिलीज पर रोक लगाने की मांग करते हुए मोहाली निवासी गुरिंदर सिंह व गुरमोहन सिंह ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है। दोनों ने याचिका में कहा था कि इस फिल्म में सिखों को गलत तरीके से पेश किया गया है। यदि फिल्म ऐसे ही रिलीज हुई तो इससे सिखों की भावनाएं आहत होंगी। फिल्म जानबूझकर सिखों की छवि खराब करने के इरादे से बनाई है। उन्होंने मांग की है कि फिल्म की रिलीज से पहले एक्सपर्ट्स का पैनल बनाया जाए, जिसमें एसजीपीसी के सदस्य शामिल हों।

मूर्ति विसर्जन: गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंजा लुधियाना

लुधियाना गणपति बप्पा मोरया मंगलमूर्ति मोरया के जयकारों से महानगर लुधियाना की सड़कें गूंज उठी। मौका था दस दिन तक पूजा-अर्चना के बाद बप्पा की बिदाई का। महानगर की विभिन्न संस्थाओं की तरफ से मंगलवार को प्रथम देव गणपति जी की मूर्ति विसर्जित की गई। मंगलवार को दो बड़ी शोभायात्रा भी निकाली गई। इसके अलावा अलग-अलग जगहों पर समारोह करवाए गए। महानगर के लोग गणपति के रंग में रंगे हुए नजर आए। कुछ लोगों ने नम आंखों से बप्पा को विदा किया और उनके अगले बरस जल्द आने की कामना की।

युवा जागृति मंच और श्री गणेश मोहत्सव कमेटी की तरफ से दरेसी के राजा के तौर पर वहां भव्य गणपति समागम करवाया गया। दस दिन तक अलग-अलग पार्टियों की तरफ से बाबा गणपति जी का गुणगान किया। वहीं, दस दिन बाद मंगलवार को भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कमेटी के प्रधान महेश दत्त शर्मा ने बताया कि मंगलवार को शोभायात्रा एतिहासिक दरेसी ग्राउंड से शुरू होकर शिवपुरी रोड पहुंची। वहां टूटिया वाला मंदिर के बाहर बाबा का भव्य स्वागत किया गया।इसके अलावा शिवपुरी रोड पर कई लोगों की तरफ से बप्पा का स्वागत फूलों की वर्षा के साथ किया गया। अलग-अलग रास्तों से होते हुए शोभायात्रा नूरवाला चौक पहुंची और वहां से सीधे दोराहा नहर में देर शाम को बप्पा की मूर्ति का विधिवत रूप से विसर्जन किया गया।

महानगर में सबसे पुराने और भव्य समारोह आयोजन करने वाली संस्था गणपति सेवा संघ की तरफ से पंजाब का राजा गणपति जी का समारोह इस बार भी भव्य करवाया। संस्था के प्रधान हनी बेदी ने बताया कि जनकपुरी मेन रोड पर दस दिन तक अलग-अलग भजन मंडलियों की तरफ से बप्पा का गुणगान किया गया। मूर्ति विसर्जन से पहले शोभायात्रा निकाली जानी थी। मंगलवार को भव्य समारोह में प्रसिद्ध पंजाबी गायक रोशन प्रिंस की तरफ से बप्पा का गुणगान किया गया।

हरियाणा विधानसभा चुनाव: सोनीपत, हिसार और पलवल में मोदी होंगी की रैलियां

रोहतक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुरुक्षेत्र के बाद 26 सितंबर को सोनीपत व 2 अक्तूबर को पलवल में रैली करेंगे। दोनों रैलियों के बीच तीसरी रैली हिसार में होगी, जिसकी तिथि तय होना बाकी है। साथ ही गृहमंत्री अमित शाह बुधवार को भाजपा का संकल्प पत्र जारी करेंगे। मंगलवार को पार्टी के प्रदेश मीडिया कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने यह जानकारी दी।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए बड़ौली ने बताया कि सोनीपत रैली के वे खुद संयोजक हैं, जबकि हिसार रैली की जिम्मेदारी कुलदीप बिश्नोई व पलवल रैली के संयोजक केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर बनाए गए हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा के ज्यादातर बागी मान गए हैं। विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर भाजपा लगातार तीसरी बार प्रदेश में सरकार बनाएगी। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी, सह प्रभारी शमशेर खरक व जिला मीडिया प्रभारी तरुण सन्नी भी मौजूद रहे।

इन रैलियों में प्रदेश के स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ केंद्र सरकार की योजनाओं जैसे किसान कल्याण, रोजगार, बुनियादी ढांचे और सामाजिक सुरक्षा पर जोर दिया जाएगा। भाजपा नेताओं का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन से पार्टी को चुनावी लाभ मिलेगा और राज्य में भाजपा को एक बार फिर से सरकार बनाने में सफलता मिलेगी।

पाकिस्तान से लाई नशे की खेप, अमृतसर की महिला नशा तस्कर गिरफ्तार, 4.5 किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर । पंजाब में नशे के कारोबार में महिलाएं भी शामिल हैं। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक महिला नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी गोल्डन एवेन्यू, हरगोबिंदपुरा, छेहर्टा निवासी कंवलजीत कौर उर्फ मासी को 4.580 किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। कंवलजीत कौर सीमा पार (पाकिस्तान) से नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़ी है।

पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर रणजीत सिंह ढिल्लों ने बताया कि आरोपी कंवलजीत कौर और उनके दामाद, जुगराज सिंह पुत्र प्रताप सिंह निवासी गोल्डन एवेन्यू हरगोबिंदपुरा छेहर्टा पाकिस्तान के कई ड्रग तस्करों के संपर्क में थे।

थाइलैंड में छिपा बैठा है 300 करोड़ के घोटाले का आरोपी, ईडी के लिए भारत लाना हुआ मुश्किल

चंडीगढ़ अलग-अलग बैंकों से करीब 300 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी कर थाइलैंड में छिपे शातिर सुखविंदर सिंह छाबड़ा को भारत लाना प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।

चंडीगढ़ स्थित प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की विशेष अदालत में सोमवार को सुनवाई के दौरान ईडी ने बताया कि आरोपी के थाइलैंड स्थित पते पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत समन भेजा गया था जो तामील नहीं हुआ।बता दें कि आरोपी छाबड़ा को भारत लाने के लिए करीब चार महीने पहले प्रवर्तन निदेशालय ने चंडीगढ़ स्थित प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की विशेष अदालत में आवेदन दायर किया था, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया था। इसके बाद बीते 28 अगस्त को थाइलैंड में छिपे छाबड़ा के विदेशी पते पर गृह मंत्रालय के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया के तहत समन भेजा गया था। मामले में अगली सुनवाई 22 अक्तूबर को होगी। ईडी अब तक आरोपी के ईमेल का भी पता नहीं लगा पाई है।

सीबीआई दिल्ली ने 8 अगस्त 2016 को एक केस दर्ज किया था। आरोप था कि कुछ बैंक अधिकारियों ने हांगकांग की कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। घोटाला उजागर होने के बाद सुखविंदर सिंह छाबड़ा समेत 50 आरोपियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी जांच शुरू कर दी थी।

सीबीआई की ओर से दर्ज किए गए मामले में आरोप के मुताबिक, चंडीगढ़ स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक शाखा के फॉरेक्स डिपार्टमेंट में वर्ष 2010 से तैनात आशु मेहरा और अन्य ने मिलकर हांगकांग की एक कंपनी को फायदा पहुंचाया। इसके चलते इंडियन ओवरसीज बैंक समेत पंजाब नेशनल बैंक दुबई और बैंक ऑफ बड़ौदा बहामास शाखा को 4 करोड़ 78 लाख 60 हजार अमेरिकी डॉलर का लोन मिला।

हांगकांग स्थित कंपनी मेसर्स कलर वेब लिमिटेड ने भुगतान के लिए पंजाब नेशनल बैंक अधिकारियों से संपर्क किया था। अधिकारियों की अनुमति के बिना बैंक ऑफ बड़ौदा की दुबई और बहामास शाखाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए गए। उसके आधार पर दोनों बैंकों ने विदेश में उन कंपनियों को करोड़ों रुपये का भुगतान जारी कर दिए। बाद में कंपनी ने उक्त बैंकों से लिया गया करीब 300 करोड़ रुपये का लोन वापस नहीं किया। छाबड़ा ने इंडियन ओवरसीज बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा से करीब 300 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की, जिसके बाद मामले की जांच सीबीआई व ईडी ने शुरू की।

आरोपी के ई-मेल पर भी समन की प्रति भेजने को कहा था...आरोपी को भारत लाने के लिए बीते 28 अगस्त को दायर आवेदन में ईडी ने बताया था कि आरोपी थाइलैंड में रह रहा है इसलिए विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ समन्वय कर उसके विदेशी पते पर समन तामील करवाए जाए। इस पर अदालत ने आवेदन मंजूर कर छाबड़ा के खिलाफ नया समन जारी कर विदेश मंत्रालय को भेजा ताकि मंत्रालय के माध्यम से थाइलैंड में आरोपी को समन तामील करवाया जा सके। साथ ही आरोपी सुखविंदर सिंह छाबड़ा को 16 सितंबर 2024 तक अपेक्षित प्रारूप प्रस्तुत करने पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार गृह मंत्रालय के माध्यम से भारत बुलाया जा सके।

मोहम्मद यूनुस की विश्व बैंक से अपील, हसीना के शासन में चोरी हुई संपत्ति को वापस लाने में करें मदद

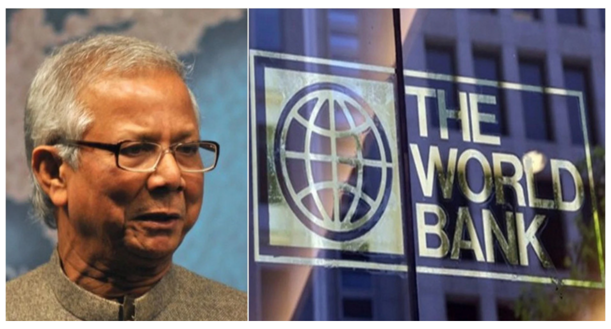

बांग्लादेश । बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और विश्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक अब्दुलाय सेक के साथ इस बैठक के दौरान मोहम्मद यूनुस ने कहा कि राख से हमें नई संरचनाएं बनानी होंगी। हमें एक बड़ी मदद चाहिए और हमें छात्रों के सपनों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। मोहम्मद यूनुस ने कहा, मैं सुझाव दूंगा, हमारी मदद करें। हमारी टीम का हिस्सा बनें। 'चोरी हुई संपत्ति को वापस लाने में करें मदद'

इस दौरान उन्होंने ने हसीना सरकार के 15 साल के शासन के दौरान भ्रष्ट व्यक्तियों की तरफ से बांग्लादेश से चुराई गई अरबों डॉलर की संपत्ति को वापस लाने के लिए विश्व बैंक से अपनी तकनीकी सहायता देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, आपके पास चोरी की गई संपत्ति वापस लाने की तकनीक है, उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को एक भ्रष्टाचार मुक्त बांग्लादेश बनाने के लिए बैंक की विशेषज्ञता की भी आवश्यकता होगी।

विश्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक ने सहयोग की दी सहमति...विश्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक ने चोरी की गई राशि को वापस लाने में बांग्लादेश की मदद करने पर सहमति जताई। सेक ने कहा, हमें आपकी मदद करने में खुशी होगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक ऋणदाता डेटा पारदर्शिता, डेटा अखंडता, कर संग्रह के डिजिटलीकरण और वित्तीय क्षेत्र सुधारों में भी बांग्लादेश की मदद करना चाहेगा। मोहम्मद यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश अपने संस्थानों को ठीक करने और बड़े सुधार करने के इस जीवन में एक बार मिलने वाले अवसर को खोने का जोखिम नहीं उठा सकता। उन्होंने कहा, एक बार हम इसे खो देंगे तो यह कभी वापस नहीं आएगा।

बांग्लादेश को दो अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त मदद...वहीं इस दौरान विश्व बैंक ने कहा कि वह चालू वित्त वर्ष में बांग्लादेश को दो अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त राशि दे सकता है। यह राशि महत्वपूर्ण सुधारों, बाढ़ से निपटने, बेहतर वायु गुणवत्ता और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दी जाएगी। विश्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक अब्दुलाय सेक ने मंगलवार को ढाका में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मुलाकात के दौरान नयी सहायता देने का वादा किया। सेक ने कहा, 'विश्व बैंक चालू वित्त वर्ष में बांग्लादेश को दिए जाने वाले कर्ज को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि अंतरिम सरकार के सुधार एजेंडे में मदद मिल सके।'

'63 साल में राष्ट्रीय योगदान करीब 5% घटा' PM की आर्थिक सलाहकार परिषद ने जताई चिंता

नई दिल्ली प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (एअउ-ढट) ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था में बीते कई दशकों से बुरा दौर देखा जा रहा है। परिषद के मुताबिक राज्य के सापेक्ष आर्थिक प्रदर्शन में निरंतर गिरावट चिंताजनक है। परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने राज्यों की अर्थव्यवस्था पर तुलनात्मक पेपर लिखा है। उन्होंने 1960-61 से 2023-24 के बीच राज्यों की आर्थिक स्थिति पर टिप्पणी की है। इसके मुताबिक देश के पूर्वी हिस्सों का विकास चिंता का सबब बना हुआ है। समुद्री तट पर बसे राज्यों ने पश्चिम बंगाल को छोड़कर अन्य राज्यों की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। परंपरागत रूप से पिछड़ रहे राज्य ओडिशा की स्थिति में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।राष्ट्रीय स्तर पर घटा बंगाल की जीडीपी का योगदान

1960-61 में देश की जीडीपी में पश्चिम बंगाल का योगदान 10.5 फीसदी थी। इस समय राष्ट्रीय स्तर पर योगदान के मामले में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (ऋऊढ) देश में तीसरे स्थान पर था। करीब छह दशकों से अधिक समय बीतने के बाद साल 2023-24 में बंगाल की जीडीपी का योगदान घटकर 5.6 फीसदी रह गया है।

प्रति व्यक्ति आय के मामले में कहां है बंगाल...सान्याल के शोध पत्र के मुताबिक पश्चिम बंगाल में लगभग 63 साल पहले (1960-61) में प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से 127.5 फीसदी अधिक थी। हालांकि, बाद के वर्षों में राज्य के आर्थिक विकास की गति राष्ट्रीय रुझानों के साथ तालमेल बिठाने में नाकाम रही। 2023 में राष्ट्रीय स्तर पर बंगाल की प्रति व्यक्ति आय घटकर 83.7 फीसदी रह गई। यह आंकड़ा राजस्थान और ओडिशा जैसे पारंपरिक रूप से पिछड़ रहे राज्यों से भी नीचे है। भारत के पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों ने 1960-61 से 2023-24 तक देश के अन्य हिस्सों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बेहतर प्रदर्शन किया है।

बिहार की स्थिति में सुधार, लेकिन अभी भी काफी तेज आर्थिक विकास की दरकार...सलाहकार परिषद के सदस्य के मुताबिक बीते दो दशकों में बिहार की सापेक्ष स्थिति स्थिर हुई है। हालांकि, इसके बावजूद बिहार अन्य राज्यों की तुलना में काफी पीछे है। सान्याल ने अपने रिसर्च पेपर में इस बात को भी रेखांकित किया है कि बिहार में काफी तेज आर्थिक विकास की जरूरत है।

नेपालः हजरत मोहम्मद की जयंती पर निकाली गयी रैली

संवाददाता।

जनकपुरधाम। पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्ललाह अलैही वसल्लम की की1499वीं जयंती के अवसर पर जनकपुरधाम, महेंद्र नगर सहित अन्य जगहों पर विशाल जुलूस निकाला गया।इस जूलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी पुरुष, महिला तथा बच्चे शामिल हुए। जुलूस को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए थे।

जमुईः मासूम भतीजा का हत्यारा चाचा ने जेल में फांसी लगाकर की आत्महत्या

संवाददाता।

जमुई। जमुई में जेल प्रशासन की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। सुरक्षा के बीच जेल में बंद एक बंदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जबतक जेल प्रशासन द्वारा बंदी को सदर अस्पताल लाया जाता तबतक काफी देर हो चुकी थी, यहां डाक्टर ने जांच के बाद बंदी को मृत घोषित कर दिया है। बंदी के शव को देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बंदी की मृत्यु काफी देर पहले ही हो चुकी है। उंसके बाद बंदी को सोमवार की देर शाम करीब 7:00 सदर अस्पताल लाया गया है। बंदी की पहचान भुनेश्वर यादव के पुत्र तूफानी यादव के रूप में हुई है, लेकिन वे किस जगह के रहने वाले हैं इसकी फिलहाल जानकारी नहीं हो पाई है। जेल व पुलिस प्रशासन भी कुछ बताने से परहेज कर रही है। मृतक बंदी के परिवार वाले भी नहीं पहुंचे हैं। बंदी के गर्दन में रंगीन पट्टा बंधा हुआ है और जुबान बाहर निकला हुआ है। स्वजन के पहुंचने के बाद ही मामले कि सच्चाई सामने आएगी। हालांकि इमरजेंसी का दरवाजा बंद कर मीडिया कर्मियों को भी काफी देर तक अलग रखा गया है। कोई भी कुछ बोलने से परहेज कर रहे है।खासकर जेल प्रशासन के बीच अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है, हलचल मची हुई है। बताया जाता है कि तूफानी यादव को पुत्र नहीं होने की वजह से एक ढोंगी बहरूपया बाबा के कहने पर तलवार से अपने भतीजा का सिर धड़ से अलग कर दिया था ताकि उसे पुत्र सुख की प्राप्ति हो। इसी मामले में तूफानी यादव जेल में कई वर्षों से बंद था।

- **कई वर्षों से जेल में बंद था मृतक तूफानी यादव**
- **जेल व पुलिस प्रशासन ने कुछ बताने से किया इनकार**
- **आत्महत्या के कारणों का फिलहाल नहीं चल सका है पता, गर्दन में बंधा है रंगीन पट्टा**
- **पुत्र सुख की प्राप्ति को लेकर ढोंगी बाबा के कहने पर भतीजा का दिया था बली**

छात्रों के प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान की पंजाब सरकार का एक्शन, कॉलेज शिक्षक बर्खास्त

पंजाब प्रांत । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के एक कॉलेज में अहमदिया होने के कारण छात्रों की तरफ से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद अहमदिया अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित एक कॉलेज शिक्षक को बर्खास्त कर दिया गया है। बता दें कि लाहौर से लगभग 100 किमी दूर सियालकोट के सुपीरियर कॉलेज संब्रियाल में पिछले 11 वर्षों से पढ़ा रहे सैयद अहमद को सोमवार को नौकरी से निकाल दिया गया। क्योंकि प्रदर्शनकारी छात्रों ने प्रदर्शन कर उन्हें हटाने की मांग की।स्थानीय लोगों ने दी थी शिक्षक को धमकी

वहीं इस मामले में जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान (जेएपी) ने एक बयान में कहा, एक महीने पहले ये पता चला कि सैयद अहमद, अहमदिया समुदाय से है, तो स्थानीय मौलवियों ने कॉलेज प्रशासन से संपर्क किया और उसे तुरंत हटाने की मांग की, उन्होंने उसे धमकियां भी दीं।

प्रिंसिपल कार्यालय के सामने छात्रों ने किया घंटों प्रदर्शन...जेएपी के बयान में आगे कहा गया कि सोमवार को छात्रों ने प्रिंसिपल के कार्यालय के सामने कई घंटों तक प्रदर्शन किया और सैयद अहमद को अहमदी होने के कारण हटाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि जब तक प्रिंसिपल उस कॉलेज शिक्षक को हटाने की घोषणा नहीं करते, तब तक वे अपना धरना समाप्त नहीं करेंगे, क्योंकि अहमदी की तरफ से उन्हें पढ़ाना पाप है। वहीं छात्रों के प्रदर्शन और दबाव के आगे झुकते हुए कॉलेज प्रिंसिपल ने शिक्षक से कहा कि कॉलेज प्रशासन परिसर में अशांति बर्दाश्त नहीं कर सकता और इसलिए उसे नौकरी से निकाला जाता है।

धार्मिक मान्यताओं पर क्या कहता है पाकिस्तान का संविधान...जेएपी ने कहा कि किसी के साथ उसकी मान्यताओं के आधार पर भेदभाव करना और उसे परेशान करना मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और पाकिस्तान का संविधान और कानून इस मामले में स्पष्ट हैं। पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 25 (1) के अनुसार, सभी नागरिक कानून के समक्ष समान हैं और समान सुरक्षा के हकदार हैं। इसी तरह, अनुच्छेद 27 (1) में कहा गया है कि कोई भी नागरिक जो अन्यथा सार्वजनिक नियुक्ति के लिए योग्य है, उसके साथ नस्ल, धर्म, जाति, लिंग, निवास या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। बता दें कि पाकिस्तान में, धार्मिक चरमपंथी अहमदियों के खिलाफ अपने घृणित अभियान को तेज कर रहे हैं, जिससे कार्यस्थलों पर उत्पीड़न और नौकरियों से बर्खास्तगी बढ़ रही है।

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने की अमेरिकी चुनावी प्रक्रिया की वकालत

कर्नाटक कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया और जिस तरीके से चुनावी रैलियां आयोजित की जाती है, उससे बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। बता दें कि कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार मंगलवार को ही अपने 10 दिवसीय अमेरिका दौरे से वापस लौटे हैं। ये एक निजी दौरा था- डीके शिवकुमार

वहीं अपने अमेरिकी दौरे के बारे में बताते हुए डीके शिवकुमार ने कहा- ये एक निजी दौरा था और इस दौरान उन्होंने वहां किसी राजनीतिक नेताओं से मुलाकात नहीं की। उन्होंने कहा, मेरी यात्रा निजी थी, सरकारी नहीं, मैं अपने परिवार के साथ कुछ निजी काम से गया था। कुछ लोगों की तरफ से उनकी यात्रा को पांच नवंबर को होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से जोड़े जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ये सभी बातें झूठी हैं, मैं जहां गया था, वहां चुनावी रैली चल रही थी, मैं यह देखने गया था कि वहां चीजें कैसे होती हैं, मैं किसी से नहीं मिला।

अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया की तारीफ में पढ़े कसीदे

इस दौरान उन्होंने कहा, हमें बहुत कुछ सीखना है, वहां का जुनून, युवा, रुचि, चुनाव प्रक्रिया - ये सभी चीजें, बहुत कुछ सीखना है, मैं इसके बारे में फिर कभी बात करूंगा। वहीं डीके शिवकुमार ने अमेरिका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से अपनी मुलाकात के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें अपने पार्टी नेता से मिलने के लिए किसी की अनुमति लेने की जरूरत नहीं है और बैठक में जो कुछ हुआ, वह सार्वजनिक रूप से बताने के लिए नहीं है। बता दें कि अमेरिका में डीके शिवकुमार की पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात को कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की संभावना से जोड़ा जा रहा है। जबकि डीके शिवकुमार ने पहले भी मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को छुपाया नहीं है।

वहीं मंड्या जिले के नागमंगला और दक्षिण कन्नड़ जिले के मंगलुरु में हिंसा और तनाव के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए तत्काल कार्रवाई की है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

'दिल्ली को राबड़ी देवी मुबारक हो', केंद्रीय मंत्री मांझी के सोशल मीडिया पोस्ट पर लोगों ने लिए मजे

दीपक कुमार तिवारी।

नई दिल्ली/पटना। आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी कुर्सी आतिशी को सौंप दी। आतिशी को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। इस पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने तंज कसा है। उन्होंने अपने एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट पर लिखा, 'दिल्ली को राबड़ी देवी मुबारक हो'। जीतन राम मांझी अपनी पार्टी (हम) के इकलौते सांसद हैं। वो खुद हम पार्टी के सुप्रीमो हैं। बिहार में उनकी पार्टी के तीन विधायक हैं। जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन बीजेपी कोटे से एमएलसी हैं। बिहार की नीतीश सरकार में मंत्री है।

जीतन राम मांझी खुद केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री हैं। नीतीश कुमार की 'कृपा' से कुछ दिनों के लिए मांझी भी मुख्यमंत्री बने थे। 'दिल्ली को राबड़ी देवी मुबारक हो'। यही बात जीतन राम मांझी ने अपने सोशल हैंडल से ट्वीट किया है। राबड़ी देवी की परिचय की बात करें तो वो करीब सात साल तक बिहार की मुख्यमंत्री रहीं। पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की पत्नी हैं। फिलहाल बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष हैं। उनके बेटे तेजस्वी यादव बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष हैं। उनकी बड़ी बेटी सांसद है। बड़ा बेटा पूर्व मंत्री और विधायक है। दूसरी बेटी हाल ही में लोकसभा का चुनाव कुछ वोट से हार गई, वरना वो भी सांसद होती। जब राबड़ी देवी पॉलिटिकली इतनी पावरफुल हैं तो दिल्ली की होने वाली मुख्यमंत्री आतिशी मालेर्ना से जोड़कर जीतन राम मांझी ने तंज क्यों कसा?

जीतन राम मांझी का ये पोस्ट कई मायने में काफी कुछ कहता है। उस पुरुष मानसिकता को दिखाता है, जिसमें महिलाओं को कमतर आंका जाता है। मगर, आज की सियासत में सत्ता मायने रखती है। जीतन राम मांझी की ओर से ये बात इसलिए कही गई क्योंकि जब लालू प्रसाद यादव को कोर्ट ने जेल भेजा तो उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को बिहार की सत्ता सौंप कर उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया। कहा जाता है पर्दे के पीछे से लालू प्रसाद यादव ने अपनी पत्नी राबड़ी देवी के जरिए बिहार की सत्ता चलाई। सियासी गलियारे में ऑफ द रिकॉर्ड राबड़ी देवी की चर्चा एक डमी मुख्यमंत्री के रूप में होती है। फिर भी एक सवाल है कि राबड़ी देवी लालू यादव की पत्नी थीं, जबकि आतिशी मालेर्ना से अरविंद केजरीवाल दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं है। तो फिर मांझी ने राबड़ी से आतिशी की तुलना क्यों की? दरअसल, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहीं ना कहीं आतिशी को एक डमी मुख्यमंत्री बताने की कोशिश कर रहे थे। मगर, इसके उलट एक बड़ा सवाल ये भी है कि लालू प्रसाद यादव ने तो अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाया था। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का आतिशी को राबड़ी देवी बताना बैकफायर कर सकता है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने मजे लेने शुरू कर दिए।

बीजेपी नेता निखिल आनंद ने भी जीतन राम मांझी के ट्वीट पर जवाब दिया कि 'लेकिन चाचा! ये तो अरविंद केजरीवाल जी की पत्नी नहीं हैं न, तो राबड़ी देवी कैसे हुई! भूल सुधारा जाए।' आगे उन्होंने लिखा कि 'लेकिन चच्चा! यह तो लेफ्ट-लिबरल घेटो सिस्टम की 'बाई-प्रोडक्ट' है, जो देश में स्लीपर सेल और डीप स्टेट एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं। ज्यादा खतरनाक है चाचा।'

स्क्वाड्रन लीडर मोहना सिंह LCA तेजस लड़ाकू बेड़े में पहली महिला फाइटर पायलट

स्क्वाड्रन लीडर मोहना सिंह भारत के स्वदेशी 'मेड इन इंडिया' एलसीए तेजस फाइटर जेट के स्क्वाड्रन का संचालन करने वाली कुलीन 18 'फ्लाइंग बुलेट्स' स्क्वाड्रन में शामिल होने वाली पहली महिला फाइटर पायलट बन गई हैं। देश की पहली महिला फाइटर पायलटों में से एक, सिंह ने एक बार फिर कांच की छत को तोड़ दिया है।

उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि लैंगिक समानता और सशक्तीकरण के लिए भारतीय वायु सेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। अधिकारी हाल ही में जोधपुर में 'तरंग शक्ति' अभ्यास का हिस्सा थीं, जहां वह तीनों सेनाओं के तीन उप प्रमुखों की ऐतिहासिक उड़ान का हिस्सा थीं। स्क्वाड्रन लीडर मोहना सिंह तीन महिलाओं के पहले समूह का हिस्सा थीं, जो भारतीय वायु सेना में फाइटर पायलट बनीं । मोहना सिंह की अन्य दो महिला साथी, स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ और स्क्वाड्रन लीडर अवनी चतुर्वेदी अब पश्चिमी रेगिस्तान में र४-30 टङ्क फाइटर जेट उड़ा रही हैं।हाल ही तक, वह मिग-21 उड़ा रही थीं और हाल ही में उन्हें पाकिस्तान की सीमा पर गुजरात सेक्टर के नलिया एयर बेस में तैनात एलसीए स्क्वाड्रन में तैनात किया गया था। ऐतिहासिक उड़ान के दौरान, स्क्वाड्रन लीडर मोहना को एलसीए तेजस लड़ाकू जेट में उड़ान पर सेना और नौसेना के उप प्रमुखों को निर्देश देते और उन्हें इसके लिए तैयार होने में मदद करते देखा जा सकता था। एलसीए तेजस लड़ाकू संस्करण में अकेले उड़ान भर रहे थे, जबकि अन्य दो उप प्रमुख, लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि और वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने दो लड़ाकू पायलटों के साथ प्रशिक्षक संस्करण उड़ाए।

नेतन्याहू का एलान- अपने लोगों को वापस इस्राइल लाएंगे, जंग को तेज करेंगे

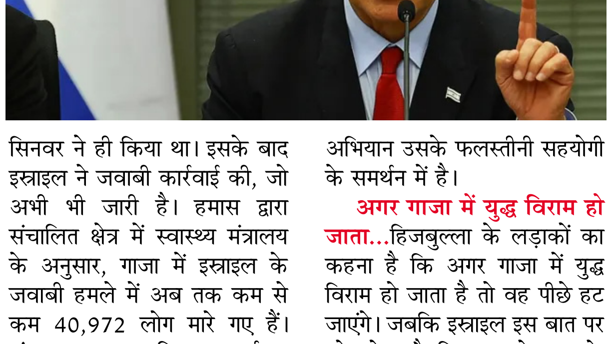

यरुशलम इस्राइल और हमास जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। वहीं, हिजबुल्ला के साथ भी तनाव बना हुआ है। ऐसे में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अब एलान किया है कि वह युद्ध लक्ष्यों का विस्तार करेंगे। इसमें उत्तरी क्षेत्र के उन निवासियों की वापसी भी शामिल है, जो हमास के सहयोगी हिजबुल्ला द्वारा सीमा पार से की गई गोलीबारी के कारण जान बचाकर भागे थे।

पीएम कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया, 'राजनीतिक-सुरक्षा कैबिनेट ने आज शाम युद्ध के लक्ष्यों का विस्तार किया है ताकि कई चीजों को शामिल किया जा सके, जैसे उत्तर के निवासियों को उनके घरों में सुरक्षित वापस लाना।'यह है पूरा मामला

गौरतलब है, सात अक्तूबर को दक्षिणी इस्राइल में हुए आतंकवादी हमले में 1,205 लोग मारे गए थे और लगभग ढाई सौ लोगों को बंधक बनाया गया था। इनमें से अभी 97 गाजा में ही है, जबकि 33 बंधकों की मौत हो चुकी है। हमास के जिस समूह ने इस्राइल पर हमला किया था, उसका नेतृत्व याह्या सिनवर ने ही किया था। इसके बाद इस्राइल ने जवाबी कार्रवाई की, जो अभी भी जारी है। हमास द्वारा संचालित क्षेत्र में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा में इस्राइल के जवाबी हमले में अब तक कम से कम 40,972 लोग मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय का कहना है कि मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं।

फलस्तीनी सहयोगी के समर्थन में हिजबुल्ला कर रहा हमला...इन हमलों के बाद से ही, इस्राइल और ईरान समर्थित लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्ला के बीच में भी तनाव बढ़ गया। आए दिन हमलों का आदान-प्रदान हो रहा है। हिजबुल्ला का कहना है कि अभियान उसके फलस्तीनी सहयोगी के समर्थन में है।

अगर गाजा में युद्ध विराम हो जाता...हिजबुल्ला के लड़ाकों का कहना है कि अगर गाजा में युद्ध विराम हो जाता है तो वह पीछे हट जाएंगे। जबकि इस्राइल इस बात पर जोर देता है कि वह लेबनान के दक्षिण में सीमा क्षेत्र में आतंकवादियों को रहने की अनुमति नहीं दे सकता। हमलों ने दोनों पक्षों के हजारों लोगों को अपने घरों से भागने पर मजबूर कर दिया है। इस्राइली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने सोमवार को एक अमेरिकी राजदूत से कहा कि सैन्य कार्रवाई ही उत्तर के लोगों को उनके घरों में वापसी सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका था।

ग्राम, क्षेत्रीय पंचायतों, जिला परिषदों की सीमाओं के निर्धारण के बारे में अधिसूचना का मसौदा

असमः असम के कामरूप जिले में ग्राम पंचायतों, क्षेत्रीय पंचायतों और जिला परिषदों की सीमाओं के पुन निर्धारण के संबंध में आज एक मसौदा अधिसूचना जारी की गई। यह बात कामरूप जिला आयुक्त एवं जिला सीमा पुनर्निर्माण आयोग की अध्यक्षा कीर्ति जल्ली ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कही। कामरूप जिला के एकीकृत जिला आयुक्त के कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उनके साथ कामरूप जिला परिषद के सीईओ सिद्धार्थ गोस्वामी और अतिरिक्त जिला आयुक्त कमल बरुआ भी थे। मसौदा अधिसूचना के अनुसार, कामरूप जिले के पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में विकास खंडों की संख्या तीन है और ग्राम पंचायतों की संख्या 27 है, बोको-छयगांव विधानसभा क्षेत्र में विकास खंडों की संख्या 2 और ग्राम पंचायतों की संख्या 22 है, समरिया विधानसभा क्षेत्र में विकास खंडों की संख्या 2 है और ग्राम पंचायतों की संख्या 19 है, रंगिया विधानसभा क्षेत्र में विकास खंडों की संख्या 2 है और ग्राम पंचायतों की संख्या 25 है, कमलपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास खंडों की संख्या 3 है और ग्राम पंचायतों की संख्या 24 है और हाजो-शुआलकुची विधानसभा क्षेत्र में विकास खंडों की संख्या 2 और ग्राम पंचायतों की संख्या 22 है।

मसौदा अधिसूचना के अनुसार, कामरूप जिले में क्षेत्रीय पंचायतों और विकास खंडों की संख्या पहले की तरह 14 है और ग्राम पंचायतों की संख्या पहले की तरह 139 है, जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या पहले के 26 से घटाकर 24 कर दी गई है। मसौदा अधिसूचना के प्रकाशन के बाद जिला आयुक्त ने कहा कि उक्त मसौदा अधिसूचना कामरूप जिले की वेबसाइट और सभी खंड विकास अधिकारियों के कार्यालयों पर जांच के लिए उपलब्ध होगी। जिला आयुक्त ने यह भी कहा कि 18 से 20 सितंबर तक लोग, व्यक्ति, सामाजिक संगठन ड्राफ्ट के संबंध में अपने विचार, सुझाव, आपत्तियां आदि जिला आयुक्त कार्यालय और खंड विकास अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। संवाददाता सम्मेलन में मौजूद कामरूप जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ गोस्वामी ने कहा कि मसौदे के संबंध में सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठक 19 सितंबर के भीतर होगी। प्रस्तुत राय, सुझाव, आपत्तियों की समीक्षा 22 सितंबर तक की जाएगी। 23 से 25 सितंबर तक व्यक्तियों और संगठनों के लिए क्रमशः अलग-अलग तिथियां तय की जाएंगी और विधानसभा क्षेत्र के अनुसार जिला स्तर पर सुनवाई लिए जाएगी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर प्रत्येक सुनवाई विभिन्न अतिरिक्त जिला आयुक्तों की अध्यक्षता में और जिला सीमा निर्धारण आयोग द्वारा नामित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तरीय टास्क फोर्स की उपस्थिति में आयोजित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि कामरूप जिले के रंगिया विधानसभा क्षेत्र के लिए रंगिया उपमंडल के अतिरिक्त जिला आयुक्त एवं उप-विभागीय मजिस्ट्रेट देबाशीष गोस्वामी रंगिया उप-विभागीय मजिस्ट्रेट के कार्यालय कक्ष में, बोको-चयगांव विधानसभा क्षेत्र के अतिरिक्त जिला आयुक्त प्रणब दत्त गोस्वामी अमीनगांव के जिला आयुक्त कार्यालय में अपने कार्यालय कक्ष में , कमलपुर निर्वाचन क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला आयुक्त मुन्मी कलिता अमीनगांव के जिला आयुक्त के कार्यालय में अपने कार्यालय के कमरे में, हाजो-स्वाल्कुची विधानसभा क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला आयुक्त सुजाता गोगोई अमीनगांव में जिला आयुक्त के कार्यालय में अपने स्वयं के कार्यालय के कमरे में, पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला आयुक्त कमल बरुआ अमीनगांव में जिला आयुक्त कार्यालय में अपने स्वयं के कार्यालय कक्ष में, चमरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला आयुक्त प्राणजीत देब अमीनगांव में जिला आयुक्त कार्यालय में अपने कार्यालय में सुनवाई लेंगे । सुनवाई के लिए 23 सितंबर से 25 सितंबर तक सुबह 10 बजे से व्यक्तियों और संगठनों के लिए अलग-अलग व्यवस्था की जाएगी। पता चला है कि जरूरत के हिसाब से 26 सितंबर तक सुधार किया जाएगा और अंतिम अधिसूचना 27 सितंबर को जारी की जाएगी।

'कुपोषण की समस्या के समाधान के लिए भारत को 'ए' ग्रेड', बिल गेट्स ने की प्रशंसा

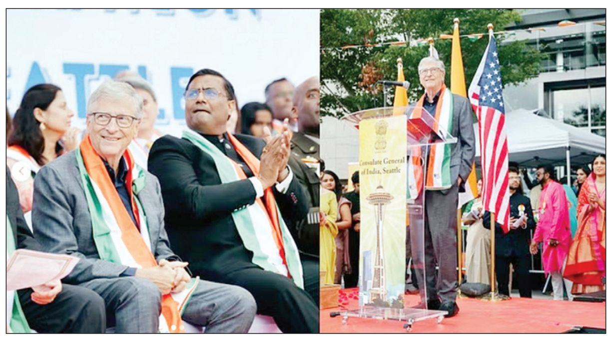

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक, अरबपति व परोपकारी बिल गेट्स ने कुपोषण की समस्या के समाधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भारत को "ए" ग्रेड दिया है। गेट्स ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, "भारत यह मानता है कि पोषण संबंधी कुछ संकेतक उसकी अपेक्षा से कमजोर हैं। इस तरह की स्पष्टता और इस पर ध्यान केंद्रित करना, मुझे लगता है कि बहुत प्रभावशाली है।" बिल गेट्स ने कहा कि भारत किसी भी अन्य सरकार की तुलना में इस मुद्दे (कुपोषण) पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह सार्वजनिक भोजन प्रणाली और मध्याह्न भोजन प्रणाली का उपयोग फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों के इस्तेमाल को सीमित करने के लिए कर रहा है, लेकिन यह अब भी एक बड़ी समस्या है।" उन्होंने कहा, "मैं इस समस्या पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भारत को ए ग्रेड दूंगा।"

गेट्स फाउंडेशन की गोलकीपर रिपोर्ट 2024 के लोकार्पण के अवसर पर एक प्रश्न के उत्तर में गेट्स ने कहाः "मुझे लगता है कि यह शायद शिक्षा के लिए खुद को बी रेटिंग देगा, लेकिन वास्तव में इसका इरादा इससे भी बेहतर करने का है।" वार्षिक रिपोर्ट सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के आधार पर प्रगति को ट्रैक करती है। गेट्स ने कहा कि कुपोषण की समझ के मामले में बहुत सुधार हुआ है, उन्होंने कहा कि गेट्स फाउंडेशन वहां सबसे बड़ा वित्तपोषक है। उन्होंने कहा, "इसका एक हिस्सा मनुष्य शरी के आंत की जटिल प्रणाली को समझना है, इसमें बहुत सारे बैक्टीरिया शामिल होते हैं। इसे माइक्रोबायोम कहा जाता है। अगर विटामिन या प्रोटीन की कमी हो, तो कुछ बच्चों की आंत में सूजन आ जाती है, इसलिए वे जो खाना खा रहे हैं उसे अवशोषित नहीं कर पाते हैं और उनका विकास नहीं हो पाता है।" उन्होंने कहा कि कुपोषण की एक त्रासदी यह है कि कम उम्र में कुपोषण के कारण एक बच्चा अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमताओं के मामले में कितना कुछ खो देता है। उन्होंने कहा, "हमारे पास इसका बहुत अच्छा माप नहीं है। पर हम इसमें बेहतर हो रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि कुपोषण को दूर करने या इसे कम करने से दो बड़े लाभ होते हैं। गेट्स ने कहा, "पहला यह कि अच्छी तरह से पोषित बच्चे के मरने की संभावना बहुत कम होती है, बल्कि यह दोगुनी कम होती है क्योंकि उन्हें अपने शुरूआती वर्षों में डायरिया या निमोनिया जैसी विभिन्न बीमारियों का सामना करना पड़ता है; लेकिन दूसरी बात, जो बिल्कुल बड़ी है, वह यह है कि उन शुरूआती वर्षों में, अगर बच्चे कुपोषित हैं, उनमें कमियां हैं, तो आप ठीक नहीं हो सकते।" उन्होंने कहा, "यदि कम उम्र में आपके मस्तिष्क का पूर्ण विकास नहीं हुआ है या बड़े होने पर आपकी पूरी लंबाई और ताकत का विकास नहीं हुआ है, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप पर्याप्त खाते हैं या नहीं, आपकी लंबाई में अतिरिक्त इंच नहीं बढ़ते, ताकत नहीं बढ़ती, या आपके मस्तिष्क का विकास नहीं होता।"

भारत-अमेरिका मिल कर रहे स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में काम, प्रगति पर जताया संतोष

नई दिल्ली। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ऊर्जा नवाचार को बढ़ावा देने, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और स्वच्छ ऊर्जा विनिर्माण पर केंद्रित प्रयास सहित स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने के लिए महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे हैं। इसकी घोषणा मंगलवार को की गई है। अमेरिकी ऊर्जा सचिव जेनिफर ग्रानहोम और केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी वाशिंगटन डीसी में बैठक कर रहे हैं। भारत और अमेरिका सामरिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी (एससीईपी) की मंत्रिस्तरीय बैठक से स्पष्ट हो रहा है कि एनर्जी ट्रेड दोनों देशों की प्राथमिकताओं को रेखांकित करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

दोनों पक्षों ने एससीईपी के अंतर्गत तकनीकी स्तंभों पर की गई पहलों की समीक्षा की, जिसमें विद्युत एवं ऊर्जा दक्षता, उत्तरदायी तेल एवं गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, उभरते ईंधन एवं प्रौद्योगिकी तथा सतत विकास शामिल हैं। मंत्रियों ने दोनों देशों द्वारा उभरती हुई स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकि के विकास और प्रयोग में तेजी लाने, नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोग और विश्वसनीय ग्रिड एकीकरण को आगे बढ़ाने, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने और उद्योग, भवन और परिवहन जैसे उच्च-उत्सर्जन वाले क्षेत्रों के डीकार्बोनाइजेशन को आगे बढ़ाने में की गई प्रगति को स्वीकार किया।

उन्होंने पिछले वर्ष अगस्त में नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी कार्रवाई मंच (आरईटीएपी) के औपचारिक शुभारंभ का स्वागत किया, जिसका उद्देश्य अनुसंधान एवं विकास, पायलट और प्रदर्शन, तथा इनक्यूबेशन-निवेश-उद्योग नेटवर्क के माध्यम से हाइड्रोजन, दीर्घकालिक ऊर्जा भंडारण, अपतटीय पवन और भूतापीय ऊर्जा के लिए कार्रवाई योग्य रोडमैप विकसित करना है। दोनों देशों ने भारत में हाइड्रोजन सुरक्षा के लिए नए राष्ट्रीय केंद्र पर सहयोग और इस महीने आयोजित दूसरे ग्रीन हाइड्रोजन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में साझेदारी का भी स्वागत किया। दोनों देशों ने ऊर्जा भंडारण के माध्यम से लचीले और विश्वसनीय ग्रिड संचालन को सक्षम करते हुए नवीकरणीय ऊर्जा के बड़े पैमाने पर ग्रिड एकीकरण का समर्थन करने के महत्व पर बल दिया।

दोनों देशों ने उपभोक्ताओं को 24/7 विश्वसनीय बिजली की आपूर्ति करने के लिए बिजली वितरण क्षेत्र के आधुनिकीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। भारत की स्मार्ट मीटरिंग तैनाती के लिए समर्थन का स्वागत किया। साथ ही इन्वर्टर आधारित संसाधनों, बिजली बाजार सुधार, सिस्टम जड़ता आकलन और साइबर सुरक्षा पर विस्तारित प्रयासों का स्वागत किया।

मंत्रियों ने 2030 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने के लिए भारतीय रेलवे (आईआर) के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने भारत की पहली 1.5 गीगावाट से अधिक की चौबीसों घंटे नवीकरणीय ऊर्जा खरीद का समर्थन करने और सभी रेलवे सुविधाओं के लिए ऊर्जा दक्षता नीति और कार्य योजना विकसित करने के लिए सहयोग का स्वागत किया। मंत्रियों ने मध्यम और भारी वाहनों के विद्युतीकरण पर नए सहयोग का स्वागत किया तथा पूरे भारत में 10,000 ई-बसें चलाने के लिए पीएम ई-बस सेवा योजना के कार्यान्वयन की सराहना की।

इलेक्ट्रिसिटी में रिन्यूएबल की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत तक हो जाएगी रिन्यू सीईओ

नई दिल्ली। देश में आने वाले वर्षों में पैदा होने वाली कुल इलेक्ट्रिसिटी में रिन्यूएबल एनर्जी की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत तक हो जाएगी, जो कि फिलहाल 15 प्रतिशत के करीब है। इससे देश में लाखों रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। रिन्यू के चेयरमैन और सीईओ सुमंत सिन्हा की ओर से मंगलवार को यह बयान दिया गया। सिन्हा ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, "सरकार की अनुकूल नीतियों के कारण देश में रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में तेज ग्रोथ है। देश के इलेक्ट्रिसिटी में रिन्यूएबल की भागीदारी आने वाले वर्षों में 15 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगी। इससे लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।"

उन्होंने आगे कहा कि देश में सरकार ग्रीन हाइड्रोजन को भी बढ़ावा दे रही है। इससे रिन्यूएबल एनर्जी का इस्तेमाल इलेक्ट्रिसिटी के अलग जैसे ईंधन आदि की जगह भी हो सकेगा। रिन्यूएबल एनर्जी के फायदे गिनाते हुए सिन्हा ने कहा कि इससे कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिलेगी, जीवाश्म ईंधन का आयात कम होगा, इससे महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा बचेगी, नौकरियां बढ़ेगी और देश में निवेश बढ़ेगा। वहीं, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली जैसी योजना आने से हर घर में बिजली पैदा होगी, जिसे ग्रिड में भी भेजा जा सकता है। इस कारण से यह एक अलग प्रकार का सेक्टर होने वाला है। सरकार की ओर से मैन्युफैक्चरिंग पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इस कारण से भारत आने वाले समय में सोलर मॉड्यूल, बैटरी और सोलर उपकरणों का बड़ा निर्यातक बन सकता है।

इस महीने की शुरूआत में पहले इंटरनेशनल सोलर फेस्टिवल को वर्चुअल संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि साफ दृष्टिकोण और सोलर एनर्जी में उल्लेखनीय वृद्धि ने भारत को रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में पेरिस प्रतिबद्धताओं को पूरा करने वाला पहला जी-20 देश बनाया है। उन्होंने आगे कहा, "हमारी सोलर एनर्जी क्षमता में बीते 10 वर्ष में 32 गुना का इजाफा हुआ है। यह स्पीड 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता का लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगी।"

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद, भारती एयरटेल और एनटीपीसी रहे टॉप गेनर

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए मंगलवार का कारोबारी सत्र करीब सपाट रहा। बाजार के सभी सूचकांकों ने एक सीमित दायरे में कारोबार किया।कारोबार के अंत में सेंसेक्स 90 अंक या 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 83,079 और निफ्टी 34 अंक या 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,418 पर था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 82,866 से लेकर 83,152 और निफ्टी ने 25,352 से लेकर 25,441 की रेंज में कारोबार किया। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी मंदी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 79 अंक या 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,180 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 72 अंक या 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,465 पर था। सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल, एनटीपीसी, एमएंडएम, टाइटन, एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा और एचसीएल टेक टॉप गेनर्स थे। टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, आईटीसी, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक टॉप लूजर्स थे। पीएसयू बैंक, फार्मा, मेटल और मीडिया सबसे ज्यादा गिरने वाले इंडेक्स थे। ऑटो, आईटी, फिन सर्विस, एफएमसीजी, रियल्टी और एनर्जी इंडेक्स बढ़कर हरे निशान में बंद हुए।

अगस्त में थोक महंगाई दर कम होकर चार महीने के निचले स्तर पर 1.31 प्रतिशत रही

नई दिल्ली। भारत में थोक महंगाई दर अगस्त में घटकर 1.31 प्रतिशत रह गई है, जुलाई में यह 2.04 प्रतिशत थी। थोक महंगाई दर में कमी की वजह ईंधन की कीमतों में कमी आना और खाद्य वस्तुओं में महंगाई का कम होना है। सरकार की ओर से मंगलवार को यह जानकारी दी गई। फूड इंडेक्स, जिसमें प्राइमरी और मैन्युफैक्चर उत्पादों से बनने वाले खाद्य उत्पादों को शामिल किया जाता है, यह घटकर अगस्त में 193.2 रह गया है, जो कि जुलाई में 195.4 था। डब्ल्यूपीआई फूड इंडेक्स में वार्षिक महंगाई दर अगस्त में कम होकर 3.26 प्रतिशत रह गई है, जो जुलाई में 3.55 प्रतिशत थी।

प्राथमिक उत्पादों का इंडेक्स अगस्त में 1.37 प्रतिशत गिरकर 194.9 रह गया है, जो जुलाई में 197.6 पर था। मिनरल की कीमतों में -2.66 प्रतिशत, क्रूड पेट्रोलियम और नेचुरल गैस की कीमतों में -1.84 प्रतिशत, फूड उत्पादों की कीमतों में -1.83 प्रतिशत की अगस्त में जुलाई के मुकाबले कमी आई है। हालांकि, अगस्त में गैर-खाद्य उत्पादों की कीमतें 1.65 प्रतिशत बढ़ी हैं। ईंधन और पावर का डब्ल्यूपीआई इंडेक्स अगस्त में 0.14 प्रतिशत बढ़कर 148.1 हो गया है, जो कि जुलाई में 147.9 था। भारत में अगस्त में खुदरा महंगाई दर 3.65 प्रतिशत रही है।

यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के महंगाई के लक्ष्य 4 प्रतिशत से कम है। जुलाई में यह आंकड़ा 3.6 प्रतिशत था। अगस्त में खुदरा महंगाई दर में मामूली बढ़त की वजह खाद्य वस्तुओं में महंगाई 5.42 प्रतिशत से बढ़कर 5.66 प्रतिशत होना था। हालांकि, यह जून 2023 के बाद का दूसरा निचला स्तर है। थोक महंगाई दर में कमी आने का सीधा असर आने वाले समय में खुदरा महंगाई दर पर होता है। ऐसे में थोक महंगाई दर का कम होना एक सकारात्मक संकेत है। इससे संकेत मिलता है कि भविष्य में महंगाई दर कम रहेगी और आने वाले समय में आम जनता को राहत मिलती रहेगी।

'बुच के जवाबों से और सवाल उठते हैं', कांग्रेस बोली- वित्तीय लेन-देन के 'तथ्यों' का अब तक खंडन नहीं किया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को एक बार फिर सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच पर निशान साधा। मुख्य विपक्षी दल ने बुच दंपती की ओर से दिए गए जवाबों पर कहा कि ये जवाब और भी अधिक सवाल खड़े करते हैं। कांग्रेस ने जोर देकर कहा कि उनके वित्तीय लेन-देन के बारे में जो तथ्य सामने रखे गए हैं, उनका अब तक किसी ने खंडन नहीं किया है। कांग्रेस की ओर से यह टिप्पणी सीतारमण के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि माधवी बुच और उनके पति धवल बुच अपना बचाव कर रहे हैं और कांग्रेस के आरोपों का खंडन करने वाले तथ्य पेश कर रहे हैं। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "वित्त मंत्री ने अंततः सेबी अध्यक्ष के हितों के टकराव के मुद्दे पर केंद्र सरकार की चुप्पी तोड़ी है।" रमेश ने कहा, "उन्होंने (सीतारमण) कहा है कि सेबी अध्यक्ष और बुच 'हितों के टकराव के आरोपों पर जवाब दे रहे हैं। लेकिन ये जवाब और भी सवाल खड़े करते हैं।" कांग्रेस नेता ने कहा कि सेबी अध्यक्ष और उनके पति के वित्तीय लेन-देन के बारे में जो तथ्य सामने रखे गए हैं, उनका अब तक किसी ने खंडन नहीं किया है। उन्होंने कहा, "अब सवाल यह है कि क्या वित्त मंत्री और गैर-जैविक प्रधानमंत्री को कम से कम 2022 से ही इन तथ्यों की जानकारी थी। क्या वे वास्तव में सोचते हैं कि ये तथ्य मामूली हैं और किसी भी तरह से पूंजी बाजार नियामक के कामकाज से समझौता नहीं हुआ है?" रमेश ने पूछा कि क्या अदाणी समूह के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की ओर से निर्देशित सेबी जांच वास्तव में निष्पक्ष रही है? उन्होंने कहा, "इस मामले पर अभी अंतिम सुनवाई नहीं हुई है।" माधबी बुच प्रकरण पर एक प्रश्न के उत्तर में वित्त मंत्री सीतारमण ने सोमवार को कहा था, "कुछ आरोपों का जवाब दिया जा चुका है... मुझे लगता है कि तथ्यों पर विचार करना होगा।"

रुपया दुनिया की सबसे स्थिर मुद्राओं में से एक : शक्तिकांत दास

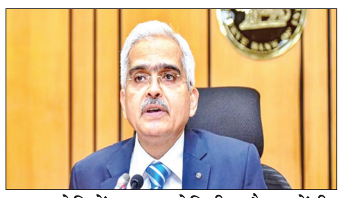

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में डॉलर के मुकाबले रुपया सबसे स्थिर मुद्राओं में एक उभरकर आया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास की ओर से यह जानकारी दी गई है। दास के मुताबिक, केंद्रीय बैंक की नीति रुपये में अस्थिरता को रोकना है। दास ने रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा, "स्थिर रुपया बाजार में निवेशकों में विश्वास पैदा करता है और इससे अर्थव्यवस्था को भी बढ़ाने में मदद मिलती है।" आरबीआई, फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में रुपये को स्थिर रखने के लिए लगातार कार्य करता रहा है। इसके लिए जरूरत पड़ने पर सरकारी बैंकों के माध्यम से अमेरिकी डॉलर की भी बिक्री की जाती है। इससे पहले ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्म जेफरीज की ओर से एक नोट जारी किया गया था, जिसमें बताया गया कि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में रुपया दुनिया की सबसे स्थिर मुद्राओं में से एक है। मार्केट एनालिस्ट ने कहा कि रुपये के स्थिर रहने की वजह डॉलर में कमजोरी का होना है, जिसके कारण रुपया में डॉलर के मुकाबले मामूली कमी आई है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट - कमोडिटी और करेंसी, जतिन त्रिवेदी ने कहा कि बाजार का ध्यान अब अमेरिकी फेड की आने वाली बैठक पर है। इसमें ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की जा सकती है। ब्याज दरों में कटौती होने की अधिक संभावना की वजह अमेरिका का खराब जॉब डेटा होना है, जिसमें जॉबलेस क्लेम की संख्या बढ़कर 2,30,000 हो गई है, जो कि 2,28,000 आने की उम्मीद थी। मंगलवार के शुरूआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 2 पैसे की बढ़त के साथ 83.84 पर कारोबार कर रहा था।। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया स्थिर रहने की उम्मीद है। 83.80 से लेकर 83.70 एक अहम सपोर्ट लेवल है। वहीं, 84.05 से लेकर 84.15 एक अहम रुकावट का स्तर है।

भारत में लग्जरी कार मैन्युफैक्चरिंग पकड़ रही रफ्तार, मर्सिडीज-बेंज करेगी ईक्यूएस एसयूवी का उत्पादन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की अनुकूल नीतियों के कारण देश में तेजी से लग्जरी वाहनों की मैन्युफैक्चरिंग बढ़ रही है, जिसके कारण भारत के ऑटोसेक्टर में निवेश भी बढ़ रहा है। जर्मनी की लग्जरी कार कंपनी मर्सिडीज-बेंज की ओर से हाल ही में लॉन्च की गई ईक्यूएस एसयूवी उत्पादन भारत में भी किया जाएगा। अमेरिका के बाद भारत दूसरा ऐसा देश है, जहां पर इस लग्जरी इलेक्ट्रिक एसयूवी की असेंबलिंग की जाएगी। इस लग्जरी ईवी की कीमत 1.41 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मर्सिडीज-बेंज द्वारा पहले ही ईक्यूएस सेडान को भारत में बनाया जा रहा है और अब तक करीब 500 यूनिट्स बेची जा चुकी हैं।

मर्सिडीज-बेंज की ओर से 2024 में भारत में मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन, नए प्रोडक्ट और मैन्युफैक्चरिंग में डिजिटाइजेशन के लिए अतिरिक्त 200 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के एमडी और सीईओ संतोष अय्यर ने ईक्यूएस एसयूवी के भारत में उत्पादन पर कहा, "यह हमारी स्थानीय दक्षता को दर्शाता है। इससे भारतीय ग्राहकों के लिए वैल्यू क्रिएट होगी और सरकार के विजन 'मेक इन इंडिया' को सहारा मिलेगा।" मई में इस साल, टाटा ग्रुप की स्वामित्व वाली कंपनी जगुआर लैंड-रोवर (जेएलआर) की ओर से ऐलान किया गया था कि वह अपने फ्लैगशिप मॉडल रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट्स की पहली बार भारत में असेंबलिंग शुरू करेगी। इससे कीमतों में काफी कमी आएगी। फिलहाल कंपनी के पुणे प्लांट में रेंज रोवर वेलार, वेलार, रेंज रोवर इवोक, जगुआर एफ-पेस और डिस्कवरी स्पोर्ट मॉडल का उत्पादन किया जा रहा है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि फ्लैगशिप मॉडल की स्थानीय असेंबली कंपनी की भारतीय इकाई के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह कंपनी के बाजार में भरोसे को दर्शाता है।

तेजी से बढ़ रही भारत की ऑडियो मार्केट, छोटे शहरों और कस्बों से आ रही डिमांड

नई दिल्ली। देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होने के कारण तेजी से आम लोगों की खर्च योग्य आय में इजाफा हो रहा है। किफायती डिवाइस की उपलब्धता और जेनजेड की आबादी बढ़ने के कारण भारत का ऑडियो मार्केट भी तेजी से बढ़ रहा है। एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ग्लोबल मार्केट और कंज्यूमर इंटेलिजेंस फर्म जीएफके- एनआईक्यू कंपनी की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया कि ऑडियो डिवाइस का ऑफलाइन रिटेल मार्केट बढ़कर 5,000 करोड़ रुपये का हो गया है। इसकी वॉल्यूम में सालाना आधार पर 61 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। लाउडस्पीकर (विशेषकर साउंडबार) की बिक्री में सालाना आधार पर 24 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। जुलाई 2023 से जून 2024 की अवधि में कुल बिक्री में छोटे शहरों की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत तक हो हई है।

होम ऑडियो सेगमेंट की वॉल्यूम में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत का इजाफा हुआ है और इसकी वैल्यू 1,600 करोड़ रुपये रही है। पर्सनल ऑडियो मार्केट की वैल्यू 3,400 करोड़ रुपये पहुंच गई है। इमसें सालाना आधार पर 32 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। जीएफके- एनआईक्यू कंपनी के कस्टमर सक्सेस -टेक और ड्यूरेबल्स के प्रमुख अनंत जैन ने कहा कि होम और पर्सनल ऑडियो सॉल्यूशंस अधिक उपयोग बन गए हैं और आज के समय में भारतीय कंज्यूमर की लाइफस्टाइल का हिस्सा हैं। आगे कहा कि एंटरटेनमेंट का परिदृश्य बदलने और ग्राहकों के प्रीमियम प्रोडक्ट्स, सिनेमैटिक ऑडियो अनुभव की तरफ शिफ्ट होने के कारण सेक्टर में विकास और अधिक आय अर्जित करने के मौके बढ़ रहे हैं। फिलहाल एंट्री सेगमेंट, जिसमें 3,000 रुपये से कम के उत्पाद आते हैं। उसकी बाजार हिस्सेदारी 27 प्रतिशत है। वहीं, प्रीमियम उत्पाद जिनकी कीमत 8,000 रुपये से ज्यादा है। उनकी बाजार हिस्सेदारी 23 प्रतिशत है, जो दिखाता है कि ग्राहक अच्छे क्वालिटी उत्पादों की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। होम ऑडियो बिक्री में नॉर्थ जोन की हिस्सेदारी 31 प्रतिशत है। इस जोन में छोटे शहरों और कस्बों में ऑडियो प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ रही है, जो दिखाता है कि यहां ब्रांड्स के लिए विकास के अच्छे अवसर हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि टियर 4 से 6 कस्बों में होने वाली बिक्री की हिस्सेदारी मार्केट में 28 प्रतिशत से बढ़कर 32 प्रतिशत हो गई है, जो दिखाता है कि गैर-मेट्रो रीजन का महत्व बढ़ रहा है। लाउडस्पीकर की कुल बिक्री में छोटे शहरों और कस्बों की हिस्सेदारी करीब 30 प्रतिशत हो गई है, जो दिखाता है कि नॉन-मेट्रो रीजन में ऑडियो प्रोडक्ट्स की मांग में इजाफा देखने को मिल रहा है।

खराब मौसम के कारण चाय का उत्पादन घटा, बढ़ सकती हैं कीमतें, उद्योग ने सरकार से की मांग

नई दिल्ली। भारतीय चाय संघ के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में देश में चाय उत्पादन में काफी गिरावट आई है। असम में चाय के उत्पादन में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। जुलाई तक पश्चिम बंगाल में चाय का उत्पादन 21 प्रतिशत कम हुआ है। एसोसिएशन ने इस गिरावट के लिए मई तक अपर्याप्त वर्षा और अत्यधिक गर्मी को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद जून और जुलाई में अत्यधिक वर्षा हुई, जिससे चालू सीजन के दौरान फसल उत्पादन में बाधा आई। एसोसिएशन ने कहा, " उत्तर भारतीय चाय उद्योग का उत्पादन आंकड़ा मई तक लगातार अपर्याप्त वर्षा व अत्यधिक गर्मी और जून-जुलाई में अत्यधिक वर्षा के कारण एक अनिश्चित स्थिति में रहा।" एसोसिएशन के अनुसार, पश्चिम बंगाल और असम दोनों में चाय की झाड़ियों को कमजोर करने वाले गंभीर कीट और रोग संक्रमण से स्थिति और भी खराब हो गई है। एसोसिएशन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इससे आने वाले महीनों में फसल को और नुकसान हो सकता है।

एसोसिएशन से जुड़े चाय बागानों से मिली रिपोर्ट्स से पता चलता है कि पश्चिम बंगाल में अगस्त तक चाय उत्पादन में लगभग 10 प्रतिशत की कमी का अनुमान है। असम के बागान पिछले वर्ष की तुलना में अगस्त 2024 तक लगभग 3 प्रतिशत पीछे रह सकते हैं। परिचालन का समय से पहले बंद होना और 2024 में 160-170 मिलियन किलोग्राम चाय का अनुमानित नुकसान भी चिंता का कारण है। एसोसिएशन ने कहा कि उत्तर भारतीय चाय की कीमतों में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन यह वृद्धि उत्पादन में कमी की भरपाई करने के लिए पर्याप्त नहीं है। उत्तर बंगाल में 21 प्रतिशत फसल का नुकसान हुआ लेकिन केवल कीमत में केवल 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं, जबकि असम में उत्पादन 11 प्रतिशत गिरा और कीमतों में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एसोसिएशन ने कहा, "उत्पादन में गिरावट के कारण उत्तर भारत में में औसतन कीमतों में लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि कीमत में यह वृद्धि उत्पादन के नुकसान के अनुरूप नहीं है।" चाय उद्योग को देरी से मिलने वाली सब्सिडी के अलावा मजदूरी व खाद्यान्न जैसे आवश्यक इनपुट की बढ़ती लागत से भी जूझना पड़ रहा है। इन बढ़ते वित्तीय दबावों के साथ, चाय उद्योग अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहा है। एसोसिएशन ने सरकारी सहायता के लिए अपनी मांगें तेज कर दी हैं।

बच्चे को सिखाएं हाथ से लिखना

नार्वे की सत्वेंगर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया है कि टाइप करने के बजाय पेपर पर लिखने वाले बच्चे या छात्र कहीं बेहतर तरीके से अपना अभ्यास करते हैं। कम्प्यूटर पर टाइप करके लिखना छोटे बच्चों के लिए ठीक नहीं है। इससे उसकी सीखने की प्रक्रिया धीमी पड़ सकती है और वह आलसी बन सकता है। पेन से किसी पेपर पर लिखने या किताब पढ़ने की प्रक्रिया से मस्तिष्क अच्छी तरह काम करता है। लेकिन कम्प्यूटर पर काम करते रहने से बच्चे की सीखने की क्षमता पर असर पड़ता है। दरअसल पढ़ने और लिखने में कई प्रकार की ज्ञानेन्द्रियां काम करती हैं और लिखने से हमारा मस्तिष्क मांसपेशियों द्वारा उत्तेजित हो कर स्वतंत्र रूप से, और सुचारू ढंग से काम करता है। रिपोर्ट बताती है कि इस प्रकार की प्रतिक्रिया किसी की-बोर्ड को छूकर उस पर टाइप करने से मिलने वाली प्रतिक्रिया के मुकाबले अधिक मजबूत होती है और सीखने की प्रणाली को ठोस बनाती है। हाथ से लिखने की प्रक्रिया में दिमागी कसरत होती है और हाथ से लिखने में अधिक समय लगने से दिमाग पर लिखे हुए की गहरी छाप पड़ती है। इस प्रकार शोध के नतीजे दर्शाते हैं कि लिखने और पढ़ने के समय मस्तिष्क के विभिन्न हिस्से प्रोत्साहित होते हैं। इसलिए अपने बच्चों को समझाएं कि हाथ से लिखने में फायदा ही फायदा है।

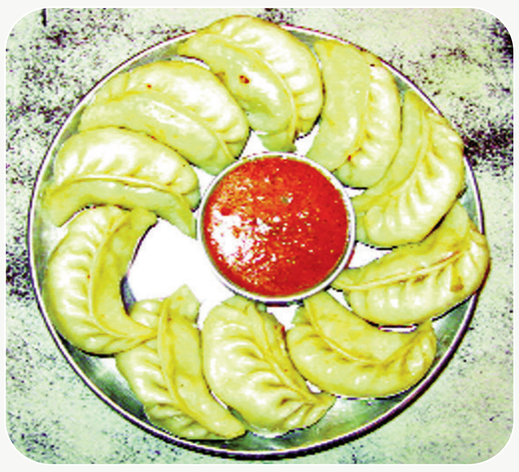

वेजिटेबल मोमोज

सामग्री – 200 ग्राम मैदा, एक चुटकी नमक, गुनगुना पानी, 50 ग्राम तेल।

भरने के लिए – 250 ग्राम मिलीजुली सब्जियां, बारीक कटा लहसुन, दो हरे प्याज व एक इंच अदरक का टुकड़ा, एक छोटा चम्मच अजीनोमोटो, नमक स्वादानुसार, एक चम्मच सिरका, एक- दो बारीक कटी हरी मिर्च।

विधि – नमक मिलाकर मैदे को गुनगुने पानी से नरम मल लें। आधे घंटे के लिए ढंककर रखें। दोबारा मलें व पतली-पतली पूरियां बेल लें। भरावन की सामग्री मिलाएं। प्रत्येक पूरी पर एक बड़ा चम्मच भरावन रखें व गुझिया की तरह मोड़ लें। थोड़ा तेल चुपड़े। एक भिगोने में पानी उबालने रखें। एक चलनी को चिकना करके रखें। इसमें सभी मोमोज को जमा दें। एक प्लेट उलटी कर ढंक दें। तकरीब 20 मिनट तक भाप दें। सॉस के साथ सर्व करें।

चीज स्ट्रॉ

सामग्री

एक कप मैदा, 100 ग्राम घी, दो क्यूब कद्दूकस किया हुआ चीज, आधा कप दूध, नमक और लाल मिर्च पाउडर स्वादानुसार।

विधि

मैदे को छान लें। 50 ग्राम घी, चीज, नमक और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं और इसे दूध से अच्छी तरह मल लें। इसे एक मोटी रोटी की तरह बेलकर लंबी स्ट्रिप्स में काटें। हर स्ट्रिप को ट्विस्ट करें और घी से चुपड़ी ट्रे में रखकर गोल्डन होने तक बेक करें। ठंडा करके सर्व करें।

दीवारों को जब सजाना हो

आप अपने घर को मॉडर्न लुक देना चाहती हैं, तो उसे रंगवाने की बजाय वॉलपेपर से डिजाइन करवा सकती हैं। इन दिनों मार्केट में स्टाइलिश व डिजाइनर वॉलपेपर छाए हुए हैं। इनसे आप अपने घर के हर कोने को मॉडर्न लुक दे सकती हैं। आइए, जानते हैं कुछ खास वॉलपेपर्स के बारे में। हर किसी का ख्वाब होता है कि उसका घर सुंदर व सलोना हो। जो भी उसे देखे बस देखता ही रहे और बिना तारीफ किए बिना न रह पाए। ऐसे में अगर आप दीवारों को वॉलपेपर से कवर करते हैं, तो यह पेंट का काम तो करता है, साथ ही इससे घर की डेकोरेशन भी हो जाती है। फ्लावर, एनिमल के अलावा मेटालिक व रेट्रो थीम वाले वॉलपेपर घर का मूड भी बदल देते हैं। आप इन वॉलपेपर्स से अपने घर की दीवारों पर मनचाही डिजाइनें उकेर सकती हैं।

हाईलाइट करें : घर में पेंट की जगह वॉलपेपर लगवाना बिल्कुल नया ट्रेंड है। मेट्रो सिटीज में इसका चलन तेज है। अगर आप चाहती हैं कि आपके हर रूम में ग्रीनरी का अहसास हो या आपको एनिमल बहुत पसंद हैं, तो आप नेचर या एनिमल प्रिंटेड वॉलपेपर अपने घर में लगवा सकती हैं। इससे आपके घर को मॉडर्न लुक तो मिलेगा। साथ ही आपका घर दूसरों से बिल्कुल अलग दिखेगा। इससे दीवारों को खूबसूरत बनाने के साथ ही हाईलाइट भी किया जा सकता है। आप अपने घर के कुछ हिस्से हाईलाइट करना चाहते हैं, तो सिर्फ उतनी ही जगह में वॉलपेपर लगवा सकते हैं। इससे वह कॉर्नर या रूम डिफरेंट-सा लगने लगता है।

हर रूम हो खास : मार्केट में वॉलपेपर्स में ढेरों वैराइटी मौजूद है, इन्हें आप अपनी च्वॉइस के मुताबिक चुन सकती हैं। आप बेडरूम के लिए रेड या ब्लू-कलर के रोमांटिक वॉलपेपर्स चुनें। वहीं ड्राइंग रूम में फ्लावर, एनिमल, पेड़- पौधों वाले वॉलपेपर्स लगा सकती हैं। अगर आपके घर में कोई शादी या पार्टी है, तो आप गोल्डन या सिल्वर कलर के वॉलपेपर्स लगवाएं। इससे आपके घर का पूरा लुक पार्टीनुमा हो जाता है। वहीं ब्राइड के रूम में भी रेड या पिंक कलर के वॉलपेपर्स में ग्लिटर व स्पार्कल का यूज बेस्ट ऑप्शन रहेगा।

शॉपिंग से दूर भागे टेंशन

शॉपिंग से न सिर्फ आप अपनी जरूरतें पूरी करती हैं, बल्कि कई बार यह आपके टेंशन को भी दूर करता है। अब तो लोग जब टेंशन में होते हैं तो शॉपिंग करने निकल पड़ते हैं। यह अलग बात है कि इस तरह की इमोशनल शॉपिंग उनकी प्रॉब्लम का परमानेंट इलाज नहीं है।

इमोशनल स्पेंडिंग का मतलब ऐसी शॉपिंग से है, जो आपके मूड को अच्छा कर दे। साइकोथेरेपिस्ट और काउंसलर इस तरह की मार्केटिंग को रिटेल थेरेपी भी कहते हैं। वे इसे स्ट्रेस दूर करने का बढ़िया तरीका भी मानते हैं। यानी जब भी आपको अकेलापन, चिंता, तनाव या उदासी सताने लगे, इस थेरेपी को आजमा सकती हैं।

शॉपिंग के नए मायने

शॉपिंग के दौरान एक व्यक्ति सिर्फ एक प्रॉडक्ट नहीं खरीदता, बल्कि वह अपने लिए ढेर सारी संतुष्टि भी प्राप्त करता है। इसका मतलब हुआ कि शॉपिंग के जरिए आप अपनी खोई हुई मुस्कान वापस पा सकती हैं और साथ ही यह आपको ईगो बूस्ट भी देगा। इसके साथ प्रॉब्लम यह है कि इसके तहत इंसान बिना जरूरत ही चीजें खरीदता है। यानी कि वह अपने अंदर का खालीपन इस शॉपिंग के जरिए भरने की कोशिश करता है।

फील गुड शॉपिंग

इमोशनल स्पेंडिंग को फील गुड शॉपिंग भी कहते हैं। भले ही इसमें लोग बिना जरूरत के ही पैसा खर्च करते हैं। इसके हैपी इफेक्ट्स भी काफी हैं। ऐसी शॉपिंग के बाद न सिर्फ मूड बेहतर हो जाता है, बल्कि इंसान अपने लिए भी अच्छा सोचता है। साथ ही, यह टूटी हुई रिलेशनशिप, लो सेल्फ एस्टीम, जॉब जाने का डर और डिप्रेशन से बाहर आने का भी एक अच्छा तरीका है।

क्या कहते हैं मनोवैज्ञानिक

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार अगर लोगों का इमोशनल एनालिसिस किया जाए, तो कहीं न कहीं सभी के अंदर अकेलेपन का अहसास होता है। हालांकि इसे भरने के उनके पास अलग-अलग तरीके हैं। कुछ लोग इसके लिए क्रिएटिविटी दिखाते हैं और खुद को डांस, म्यूजिक, राइटिंग जैसी अच्छी चीजों में इंवॉल्व कर लेते हैं। वैसे अंदर के वैक्यूम को भरना आसान नहीं होता है, लेकिन सभी को अपने तरीके पर चेक तो रखना ही चाहिए। अब शूज, बैग्स, परफ्यूम्स, ज्वैलरी, कॉस्मेटिक्स और वॉचेज वगैरह को लेकर लोगों का क्रेज इतना बढ़ गया है कि इमोशनल स्पेंडिंग में कोई बुराई नहीं मानते।

लांग टर्म बेनिफिट

इमोशनल स्पेंडिंग का सीधा कनेक्शन ओवर एक्सपेंडिचर से है। ऑफ मूड में लोग बिना सोचे-समझे शॉपिंग करते हैं और अक्सर फालतू की चीजें खरीदते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। यह लॉन्ग टर्म बेनिफिट पर होता है। शॉपिंग के बाद एक बार को इंसान अच्छा महसूस करता है, लेकिन थोड़े समय बाद वह वापस लो-मूड में चला जाता है। इस तरह के मार्केटिंग में कभी-कभी कुछ जरूरी चीजें खरीद ली जाती है, जिसका बाद में जरूरत पड़ती है।

बचने के उपाय

इससे बचने का बेस्ट तरीका यही है कि आप अपनी प्रॉब्लम को खुलकर स्वीकार करें। दूसरा स्टेप यह होना चाहिए कि आप चेक करें कि आप किस वजह से इमोशनल स्पेंडिंग कर रही हैं। इस वजह को पहचानने के बाद अपने पैरेंट्स या स्पाउस से रिलेशंस सुधारने की कोशिश करें।

स्टाइलिस लुक के चक्कर में यूथ तरह-तरह डिजाइनर कपड़े ट्राई करते हैं। ये सोचते हैं कि डिजाइन कपड़े पहन लेने मात्र से सुंदरता मुट्ठी में की जा सकती है। अगर आप ऐसा ही सोचती हैं तो शायद आपकी यह सोच गलत हो सकती है, क्योंकि कपड़े से ज्यादा उसकी फिटिंग आपको आकर्षक बनाती है।

फिटिंग हो फिट

ज्यादातर लड़कियां बिना सोच-समझे कपड़ों की खरीददारी करती हैं, जो बाद में उनके लिए गलत फिटिंग के रूप में एक समस्या बन जाती है। आइए जानते हैं कैसे इन समस्याओं को दूर कर आकर्षक व्यक्तित्व पाया जा सकता है। केवल डिजाइनर ड्रेस पहनने से ही कोई खूबसूरत लगने लगे, तो भला और किसी चीज की क्या आवश्यकता। स्मार्ट दिखने के लिए बॉडी का शेप में होना जरूरी है। लड़कियां हमेशा शॉपिंग के दौरान परेशान रहती हैं, कि क्या खरीदना है, कहां से खरीदना है। लेकिन समस्या ट्रायल के दौरान ही देखने को मिलती है। जब पसंद किए गए कपड़े सही फिटिंग के नहीं होते हैं।

गलत पसंद का दुष्प्रभाव

इन दिनों लड़कियां केवल शॉपिंग के तौर पर वस्तुओं की सूची बनाकर और उसे खरीदना ही अच्छा समझती हैं, लेकिन उनकी यह सोच तब गलत हो जाती है, जब उनके पसंद के डिजाइनर कपड़े फिट नहीं आते हैं। इससे लड़कियों के मन पर बुरा असर पड़ता है। एक सर्वे के अनुसार 64 प्रतिशत गर्ल्स का मानना है कि शॉपिंग के बाद, जब उनके पसंद की ड्रेस फिट नहीं होती, तो उनका मन नकारात्मक भावनाओं से भर जाता है, जिससे उनके स्वभाव पर गलत असर पड़ता है।

दूर करें झिझक

ऐसी लड़कियां जिनकी बॉडी सही शेप में नहीं होती है, वे अपने लिए पार्टी वियर खरीदते समय शॉप पर दूसरे का उदाहरण देकर साइज बताती हैं, न कि अपना सही ब्योरा देती हैं। वो हमेशा, यह जोड़ देती हैं कि वह महिला काफी हद तक उनसे मिलती है, जिससे शॉप पर लोगों की नजरों का सामना न करना पड़े। कपड़ों की फिटिंग को ले कर, झिझक होने के कारण 60 प्रतिशत युवतियां दूसरों के सामने नए कपड़े ट्राई नहीं करती हैं। वहीं करीब 28 प्रतिशत युवतियां नए कपड़ों को घर पर ही ट्राई करना ज्यादा उचित समझती हैं।

तलाशें सही रास्ता

कभी किसी बात को लेकर चिंता करके बैठने से कोई फायदा नहीं होता कुछ ऐसा ही मानना है, माडर्न गर्ल्स का। जिनमें बॉडी शेप को लेकर हमेशा नकारात्मक भावना ही नहीं रहती है। 80 प्रतिशत लड़कियां मानती हैं, कि नए कपड़े पहनते समय अगर वे उन पर फिट नहीं होतें हैं, तो वे वजन कम करने के रास्ते तलाशने लगती हैं। अधिकतर कमर की चौड़ाई कम करना चाहती हैं। उनका मानना है, कि बॉडी की सही फिटनेस हमारे हाथ में होती है। जिसको हम मनचाहे रूप में पा सकते हैं। फिर भला चिंता किस बात की। जबकि होना यह चाहिए कि आप अपने बॉडी शेप के अनुसार ही कपड़े खरीदें।

घर पर करें विचार

शापिंग की जल्दबाजी अक्सर गलत साबित होती है। अतः मार्केट निकलने से पहले घर पर सभी से राय जरूर ले लेना चाहिए। हो सकता है, कुछ नयी चीज आपको मिल जाए, जो शायद अक्सर नहीं मिलती है। शॉप पर अलग-अलग ब्रांड की ड्रेसेज के साइज में अंतर होने से इस तरह का कंफ्यूजन होता है। कई बार जब हम दूसरे के लिए कपड़े व चप्पल खरीदने जाते हैं तो अक्सर इस समस्या का सामना करना पड़ता है इसलिए इस तरह के कंफ्यूजन को घर में ही दूर करना ज्यादा बेहतर होता है।

ट्रायल का उठाएं फायदा

कपड़ों की खरीदारी करना अलग बात है और फिटिंग रूम में ट्रालय लेना अलग। अगर देखा जाए तो 76 प्रतिशत लड़कियां फिटिंग रूम में एक ही बार ड्रेस ट्राई करना पसंद करती है। अगर फिटिंग सही होती है, तो अपनी पसंद के कलर को ध्यान में रख कर उसी नाप का दूसरा पीस पैक करा लेती है। उन्हें ड्रेस ट्राई करना बोरिंग काम लगता है। इसलिए वे एक से अधिक बार ट्रायल रूम का रूख नहीं करना चाहती हैं। जिससे सही फिटिंग न होने पर भी वो दोबारा ट्राई नहीं करती है और उसी ड्रेस को खरीद लेती हैं।

बांग्लादेश के लिए पूरी तरह से अलग रणनीति बनाने की जरूरत नहीं : रोहित

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान पर हाल ही में मिली शानदार जीत और मेहमान टीम में तेज गेंदबाज नाहिद राणा की मौजूदगी के बावजूद बांग्लादेश के खिलाफ आगामी श्रृंखला में नई रणनीति बनाने की कोई जरूरत नहीं है। बांग्लादेश ने टेस्ट श्रृंखला में 2-0 की जीत के दौरान पाकिस्तान को पहली बार हराया लेकिन रोहित ने इसे ज्यादा तवज्जो नहीं दी।

रोहित ने यहां मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हर टीम भारत को हराना चाहती है। उन्हें इस पर गर्व होता है। उन्हें मजे करने दीजिए। हमारा काम यह सोचना है कि मैच कैसे जीते जाएं। हम इस बारे में नहीं सोचते कि विरोधी टीम हमारे बारे में क्या सोच रही है। उन्होंने कहा, भारत ने दुनिया की लगभग हर शीर्ष टीम के खिलाफ क्रिकेट खेला है। इसलिए पूरी तरह से अलग रणनीति बनाने की जरूरत नहीं है। रोहित तेज गेंदबाज राणा को लेकर भी चिंतित नहीं हैं जो आराम से 150 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं लेकिन किसी एक खिलाड़ी की जगह उनका ध्यान पूरी बांग्लादेश टीम पर है।

भारतीय कप्तान ने कहा, देखिए टीम में कुछ नए खिलाड़ी होंगे। लेकिन आप बस उनके बारे में सोच सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ भी यही योजना होगी, यानी अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना होगा। रोहित ने कहा कि गेंदबाजों, विशेष रूप से तेज गेंदबाजों के कार्यभार का प्रबंधन करना उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी क्योंकि इस सत्र में कुल 10 टेस्ट होने हैं जिसमें नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी शामिल है।

रोहित ने कहा, आप चाहते हैं कि आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सभी मैच खेलें लेकिन यह संभव नहीं है क्योंकि बहुत ज्यादा क्रिकेट हो रहा है। यह सिर्फ टेस्ट क्रिकेट नहीं है, टेस्ट श्रृंखला के बीच में टी20 क्रिकेट भी हो रहा है। इसलिए आपको अपने गेंदबाजों का इसके हिसाब से प्रबंधन करना होगा।

उन्होंने कहा,हमने कुछ योजनाएं बनाई हैं कि हम इन गेंदबाजों का प्रबंधन कैसे करेंगे। लेकिन हां, हमने यह बहुत अच्छी तरह से किया है। यहां तक कि जब हम इंग्लैंड के खिलाफ खेले तो हम (जसप्रीत) बुमराह को एक टेस्ट मैच में आराम देने में कामयाब रहे।

रोहित यश दयाल और आकाश दीप जैसी कुछ नई प्रतिभाओं को देखकर भी उत्साहित थे, ये दोनों यहां भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इन्होंने दलीप ट्रॉफी जैसी घरेलू प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत से गेंदबाज हैं जो हमारे लिए उपलब्ध हैं। आप जानते हैं कि हमने दलीप ट्रॉफी देखी, वहां भी कुछ रोमांचक संभावनाएं थीं। इसलिए मैं ज्यादा चिंतित नहीं हूं, आप जानते हैं (क्योंकि) जिस तरह के गेंदबाज हमारे लिए खेलने का इंतजार कर रहे हैं।

रोहित और टीम प्रबंधन को शीर्ष स्तर की क्रिकेट में शुरूआती सफलता हासिल करने वाले यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल जैसी कुछ युवा प्रतिभाओं को भी संभाल कर रखना होगा।

रोहित ने कहा कि ये युवा खिलाड़ी परिपक्व हैं। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो हमें उन्हें काफी कुछ बताने की जरूरत नहीं है। जायसवाल, जुरेल, सरफराज, सभीङ्क. हमने झलक देखी कि वे क्या कर सकते हैं। इसलिए उनके पास वह सब कुछ है जो भारत के लिए तीनों प्रारूपों में शीर्ष खिलाड़ी बनने के लिए जरूरी है।

रोहित ने कहा कि इन खिलाड़ियों के निडर और जिम्मेदार रवैये ने टीम प्रबंधन का काम आसान कर दिया। भारतीय कप्तान ने कहा, जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया। जुरेल ने दिखाया कि वह बल्ले से क्या कर सकता है। मुश्किल परिस्थितियों में रन बनाना अच्छा था आप जानते हैं, निडर होना और बाहर क्या हो रहा है इसकी ज्यादा चिंता नहीं करना।

उन्होंने कहा, इसलिए आपको इन दिनों हर तरह के खिलाड़ियों की जरूरत है। यह सिर्फ एक तरह के खिलाड़ी होने के बारे में नहीं है। आपको हर तरह के खिलाड़ियों की जरूरत है जो निडर हों और साथ ही सतर्क भी हों। जिम्मेदार भी हों। मुझे लगता है कि हमारे पास हर चीज का मिश्रण है जो एक अच्छा संकेत है।

इस साल की शुरूआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर 4-1 की जीत के बाद बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला भारत की लंबे प्रारूप में पहली श्रृंखला होगी।

रोहित ने स्वीकार किया कि लंबे अंतराल के बाद लाल गेंद वाले क्रिकेट में वापसी करना आसान नहीं था लेकिन उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला से पहले टीम द्वारा यहां आयोजित तैयारी शिविर पर भरोसा जताया।

खेल के प्रति मोहम्मद सिराज में जुनून और प्यार : लाबुशेन

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलियाई टीम के बीच बयानबाजी का दौर जारी है। इस साल के अंत में होने वाली इस रोमांचक टक्कर से पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की सराहना की।

लाबुशेन ने कहा कि सिराज में खेल के प्रति जुनून और अद्भुत प्यार है। भारत 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने के लिए नवंबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया 22 नवंबर से 7 जनवरी 2025 तक पर्थ, एडिलेड (पिंक बॉल मैच), ब्रिस्बेन, मेलबर्न और सिडनी में टेस्ट मैच खेलेंगे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो बार 2018/19 और 2020/21 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती थी और इस बार टीम जीत की हैट्रिक जमाने के इरादे से उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी लाइन-अप में अहम भूमिका निभाने वाले लाबुशेन ने सिराज के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया। उन्होंने सिराज के साथ हुई अपनी नोकझोंक के बारे में बात की।

लाबुशेन ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा, मैं कई कारणों से मोहम्मद सिराज के साथ मुकाबला करने का आनंद लेता हूं। हम 2015-16 में अकादमी में थे और वह एमआरएफ अकादमी के साथ जुड़े हुए थे। उस समय हम एक-दूसरे के खिलाफ खेलते थे। उनमें खेल के लिए जुनून, ऊर्जा और बहुत प्यार है। हमारे करियर को इतने अलग-अलग अनुभवों से एक साथ आगे बढ़ते देखना अच्छा लगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2020-21 के ऐतिहासिक दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सिराज ने अब तक 24 टेस्ट खेले हैं और लाल बॉल के प्रारूप में 74 विकेट लिए हैं। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज सिराज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के साथ बहुप्रतीक्षित मुकाबले में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। हालांकि शमी फिलहाल अपनी चोट से रिकवरी के अंतिम दौर में हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि वह रणजी ट्रॉफी के कुछ मैच खेलकर टेस्ट क्रिकेट की तैयारियां करना चाहते हैं। इसी बीच, सिराज बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलेंगे, जो गुरुवार से चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में शुरू होगी।

हरमनप्रीत, श्रीजेश एफआईएच हॉकी वार्षिक पुरस्कार की दौड़ में

लुसाने, एजेंसी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह को मंगलवार को एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) द्वारा वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया जबकि दिग्गज पीआर श्रीजेश वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के सम्मान के दावेदार होंगे।

हरमनप्रीत और श्रीजेश दोनों ने पेरिस ओलंपिक में भारत के शानदार अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जहां टीम ने कांस्य पदक जीता था। कप्तान हरमनप्रीत ने 10 गोल के साथ टीम की शानदार अगुवाई की। वह इस ओलंपिक में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने थे।

हरमनप्रीत इस पुरस्कार के लिए थिएरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), जोएप डी मोल (नीदरलैंड), हेंस मुलर (जर्मनी) और जैच वालेस (इंग्लैंड) के साथ दौड़ में शामिल हैं।

भारत के लिए अपने आखिरी टूनार्मेंट में खेलते हुए अनुभवी श्रीजेश ने पूरे टूनार्मेंट में शानदार गोलकीपिंग की। उन्होंने खासकर ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल कमाल का प्रदर्शन किया। इस मैच के दूसरे क्वार्टर से भारतीय टीम 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही थी। भारत ने पेनल्टी शूटआउट में ग्रेट ब्रिटेन को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया और बाद में स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

श्रीजेश का मुकाबला पिरमिन ब्लैक (नीदरलैंड), लुइस कैलजाडो (स्पेन), जीन-पॉल डैनबर्ग (जर्मनी), टॉमस सैंटियागो (अर्जेंटीना) है।

एफआईएच ने अपनी वेबसाइट पर इस सूची को जारी करते हुए कहा, नामांकन हासिल करने वालों का चयन एक विशेष समिति द्वारा किया गया है जिसमें प्रत्येक महाद्वीपीय संघ द्वारा चुने गए खिलाड़ी, कोच और अधिकारी शामिल हैं।

उन्होंने कहा, इस सूची को अंतिम रूप देने से पहले विशेषज्ञ समिति को 2024 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों के मैच डेटा मुहैया कराये गये थे। इसमें टेस्ट मैच, एफआईएच हॉकी प्रो लीग, एफआईएच हॉकी नेशंस कप, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर और पेरिस ओलंपिक 2024 के मुकाबले शामिल थे।

राष्ट्रीय संघों (उनकी संबंधित राष्ट्रीय टीमों के कप्तानों और कोचों द्वारा प्रतिनिधित्व), प्रशंसकों, खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और मीडिया के लिए मतदान प्रक्रिया 11 अक्टूबर तक जारी रहेगी।

एफआईएच ने बताया, विशेषज्ञ समिति के मतों को 40 प्रतिशत महत्व मिलेगा जबकि राष्ट्रीय संघो, प्रशंसकों एवं अन्य खिलाड़ियों और मीडिया के मतों को 20-20 प्रतिशत महत्व मिलेगा।

विशेषज्ञ समिति में यूरोप से जेन मुलर-वीलैंड (जर्मनी) और साइमन मेसन (इंग्लैंड), एशिया से ताहिर जमान (पाकिस्तान) और दीपिका (भारत), पैन अमेरिका से सोलेदाद इपरागुइरे (अर्जेंटीना) और क्रेग परनहैम (अमेरिका), अफ्रीका से सारा बेनेट (जिम्बाब्वे) और अहमद यूसुफ (मिस्र) और ओशिनिया क्षेत्र से एम्बर चर्च (न्यूजीलैंड) और एडम वेबस्टर (ऑस्ट्रेलिया) शामिल है।

एफआईएच हॉकी स्टार पुरस्कारों के लिए नामंकन हासिल करने वालों की सूचीः

महिलाः गु बिंगफेंग (चीन), यिब्बी जेन्सन (नीदरलैंड), नाइके लोरेंज (जर्मनी), स्टेफनी वैंडेन बोर्रे (बेल्जियम), जन डे वार्ड (नीदरलैंड्स)।

पुरुषः थिएरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), जोएप डी मोल (नीदरलैंड), हेंस मुलर (जर्मनी), हरमनप्रीत सिंह (भारत), जैच वालेस (इंग्लैंड)।

साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कर के लिए नामांकनः

महिलाः क्रिस्टीना कोसेंटिनो (अर्जेंटीना), आइस्लिंग डीह्लहूघे (बेल्जियम), नथाली कुबाल्स्की (जर्मनी), ऐनी वीनेंडाल (नीदरलैंड), ये जिओ (चीन)।

पुरुषः पिरमिन ब्लैक (नीदरलैंड), लुइस कैलजाडो (स्पेन), जीन-पॉल डैनबर्ग (जर्मनी), टॉमस सैंटियागो (अर्जेंटीना), पीआर श्रीजेश (भारत)।

साल के उदीयमान खिलाड़ीः

महिलाः क्लेयर कोलविल (ऑस्ट्रेलिया), जो डियाज (अर्जेंटीना), टैन जिनजुआंग (चीन), एमिली व्हाइट (बेल्जियम), लिनिया वीडेमैन (जर्मनी)।

पुरुषः बॉतिस्ता कैपुरो (अर्जेंटीना), ब्रूनो फॉन्ट (स्पेन), सुफियान खान (पाकिस्तान), मिशेल स्ट्रूथॉफ (जर्मनी), अर्नो वान डेसेल (बेल्जियम)।

भारत के खिलाफ खेलना सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है: बांग्लादेश कोच

चेन्नई, एजेंसी। बांग्लादेश के मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघा का मानना है कि क्रिकेट की महाशक्ति भारत के खिलाफ खेलने से उनकी टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी स्थिति का उचित मूल्यांकन मिलेगा।

हथुरुसिंघा ने मंगलवार को यहां कहा कि उनकी टीम गुरुवार से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के खिलाफ चुनौती का लुत्फ उठाने के लिए उत्सुक है।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 2-0 से जीत दर्ज की है। उन्होंने शान मसूद की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम को शुरूआती मुकाबले में 10 जबकि दूसरे मैच में छह विकेट से हराया था। बांग्लादेश की टीम आत्मविश्वास से भरी है लेकिन

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की तालिका में शीर्ष पर काबिज भारत से उसे पाकिस्तान के मुकाबले काफी मजबूत चुनौती मिलने की उम्मीद है।

श्रीलंका के पूर्व हरफनमौला हथुरुसिंघा ने कहा, हमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ खेलने से प्रोत्साहन मिलता है। भारत आकर उनके खिलाफ खेलना आजकल सबसे अच्छी चुनौती है। सर्वश्रेष्ठ के खिलाफ खेलने से आपको हमेशा यह पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं। एक खिलाड़ी के रूप में आप हमेशा ऐसे मौके की खोज में रहते हैं। हथुरुसिंघा को पिछले साल की शुरूआत में बांग्लादेश का कोच नियुक्त किया गया था।

हथुरुसिंघा से मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में जीत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है लेकिन उसे अपनी खामियों के बारे में पता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान पर जीत के कारण इस श्रृंखला से पहले हमारा मनोबल काफी बढ़ा है। उस श्रृंखला के हमने जिस तरह का प्रदर्शन किया और पिछड़ने के बाद जिस तरह से वापसी की वह शानदार रहा। इससे टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उन्होंने कहा, भारत के खिलाफ खेलते समय एक अलग तरह का दबाव होता है। हम समझते हैं कि हम कहां खड़े हैं, हम टीम के मजबूत पक्ष और कमजोर कड़ी के बारे में जानते हैं।

बांग्लादेश की टीम में आठ विशेषज्ञ बल्लेबाज, छह गेंदबाज और दो हरफनमौला खिलाड़ी शामिल हैं। हथुरुसिंघा ने इसे देश की 'सबसे संपूर्ण' टीम करार दिया। उन्होंने कहा, यह शायद बांग्लादेश की सबसे संपूर्ण टीम है। हमने बहुत सारी खामियां दूर की हैं और हमारे पास तेज गेंदबाजी में भी बहुत सारे विकल्प है।

बांग्लादेश के कोच ने कहा, हमारे पास एक अनुभवी स्पिन आक्रमण भी है, इसके अलावा हमारी बल्लेबाजी में भी काफी गहराई है। हमारे दो स्पिनरों के नाम टेस्ट में शतक भी है, ऐसे में उनके पास बल्लेबाजी की अच्छी क्षमता है। यह सब हमारी टीम को आत्मविश्वास के साथ-साथ एक शानदार संतुलन भी देता है।

बांग्लादेश को इस श्रृंखला में शाकिब अल हसन, मुश्फिकुर रहीम और मेहदी हसन मिराज जैसे दिग्गजों की सेवाएं मिलती रहेंगी। शाकिब ने पाकिस्तान में सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं मुश्फिकुर श्रृंखला में टीम के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे, जबकि मिराज उनके शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

हथुरुसिंघा ने कहा, शाकिब ने हमेशा बांग्लादेश क्रिकेट में अहम भूमिका निभाई है। उनका हरफनमौला खेल टीम को संतुलन प्रदान करता है। वह अच्छी बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे हैं। हथुरुसिंघा ने चेन्नई की लाल मिट्टी वाली पिच के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उम्मीद है कि यह पिच सभी के लिए मददगार होगी।

एक नजर

रोनाल्डो के बिना मैच ड्रॉ कराया अल नासर ने

बगदाद, एजेंसी। स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना खेल रहे सऊदी अरब के क्लब अल नासर ने एएफसी चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल टूनार्मेंट के मैच में इराक के अल शॉर्टा के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। अल नासर ने बताया कि रोनाल्डो ने बगदाद की यात्रा नहीं की क्योंकि वह वायरल संक्रमण से पीड़ित हैं। पुर्तगाल के सुपरस्टार ने पांच बार यूएफा चैंपियंस लीग में खिताब जीता है लेकिन वह सऊदी अरब के अपने क्लब की तरफ से अभी तक कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। अल नासर ने मैच में अच्छी शुरूआत की। सुल्तान अल घन्नम ने 14वें मिनट में गोल करके अल नासर को बढ़त दिला दी थी लेकिन इसके 10 मिनट बाद मोहम्मद दाऊद ने इराक के क्लब की तरफ से बराबरी का गोल दाग दिया। सऊदी अरब के एक अन्य क्लब अल अहली ने जेद्दा में खेले गए मैच में ईरान के पसेपोलिस को 1-0 से हराया। बार्सिलोना और एसी मिलान के पूर्व मिडफील्डर फ्रेंक केसी ने पहले मिनट में ही गोल कर दिया था जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

रेयो वैलेकानो ने ओसासुना को 3-1 से हराया

मैड्रिड, एजेंसी। रेयो वैलेकानो ने दूसरे हाफ में तीन शानदार गोल करके शुरू में पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की और ओसासुना को 3-1 से हराया जो उसकी स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के वर्तमान सत्र में पहली जीत है। राउल गार्सिया डी हारो ने 26वें मिनट के बाद लंबी दूरी से गोल करके ओसासुना को बढ़त दिला दी लेकिन दूसरा हाफ पूरी तरह से रेयो के नाम रहा। रेयो की तरफ से अब्दुल मुमिन ने 49वें में बराबरी का गोल किया जबकि आंद्रेई रतिउ ने बॉक्स के ठीक बाहर से पेप चावरिया के पास पर खूबसूरत गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। रेयो की तरफ से तीसरा गोल उनाई लोपेज ने 25 गज की दूरी से किया। इस जीत से रेयो छठे स्थान पर पहुंच गया है जबकि ओसासुना उससे चार स्थान पीछे है।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने मोहम्मडन एससी को 1-0 से हराया

कोलकाता, एजेंसी। मोरक्को के स्ट्राइकर अलाउद्दीन एजेरी के अंतिम क्षणों में किए गए गोल के दम पर नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने सोमवार को यहां प्रतियोगिता में पहली बार भाग ले रही मोहम्मडन एससी को 1-0 से हराकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूनार्मेंट में अपने अभियान की शानदार शुरूआत की। जब मैच गोलरहित ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा था तब स्थानापन्न खिलाड़ी एजेरी ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में गोल किया जिससे डूरंड कप विजेता नॉर्थईस्ट यूनाइटेड पूरे तीन अंक हासिल करने में सफल रहा। इससे पहले दोनों टीम कुछ मौके ही बना पाई थी। दोनों टीम को गेंद पर नियंत्रण बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के विंगर जितिन स्मिथ को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

प्रियांशु राजावत चाइना ओपन के पहले दौर में बाहर

चांगझू (चीन), एजेंसी। भारत के उदीयमान खिलाड़ी प्रियांशु राजावत को मंगलवार को यहां चाइना ओपन बैडमिंटन टूनार्मेंट के पहले दौर में ही कनाडा के ब्रायन यांग से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल ऑरलियन्स मास्टर जीतने वाले 22 वर्षीय राजावत इस सुपर 1000 टूनार्मेंट में 36 मिनट तक चले मैच में अपने कनाडाई प्रतिद्वंद्वी से 13-21, 16-21 से हार गए। दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी राजावत दो साल पहले ऐतिहासिक थॉमस कप खिताब जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। विश्व रैंकिंग में 40वें नंबर के खिलाड़ी किरण जॉर्ज अब पुरुष एकल स्पर्धा में एकमात्र भारतीय चुनौती बचे हैं। वह पहले दौर में जापान के केंटा निशिमोटो से भिड़ेंगे। पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी सहित पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ी साल के इस आखिरी बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूनार्मेंट में नहीं खेल रहे हैं। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली तथा रुतपर्णा पांडा और श्वेतापर्णा पांडा की जोड़ी महिला युगल स्पर्धा में जबकि एन सिक्की रेड्डी और बी सुमीत रेड्डी की जोड़ी मिश्रित युगल में अपनी चुनौती पेश करेंगे।आकर्षी कश्यप, मालविका बंसोड़ और सामिया इमाद फारूकी महिला एकल में अपना भाग्य आजमाएंगे।

अर्जुन तेंदुलकर ने कर्नाटक के झटके नौ विकेट, गोवा को मिली जीत

बेंगलुरु, एजेंसी। अर्जुन तेंदुलकर ने डॉ. (कैप्टन) के थिमपैया मेमोरियल टूनार्मेंट में मेजबान कर्नाटक के नौ विकेट झटक कर गोवा को पारी और 189 रन से बड़ी जीत दिलाई। इस टूनार्मेंट को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) टूनार्मेंट के नाम से भी जाना जाता है। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के पुत्र अर्जुन तेंदुलकर ने इस मैच की दोनों पारियों में 26.3 ओवर में 87 रन देकर नौ विकेट लिये। अर्जुन ने पहली पारी में 13 ओवर में 41 रन देकर पांच विकेट झटके जिसके परिणाम स्वरूप कर्नाटक की टीम महज 103 रन पर सिमट गयी। गोवा सीए इलेवन ने अभिनव तेजराणा की 109 रन की पारी की बदौलत 413 रन बनाये। केएससीए की दूसरी पारी 30.4 ओवर में 121 रन पर सिमट गयी। इस दौरान अर्जुन ने 13.3 ओवर में 46 रन देकर चार विकेट लिये। अर्जुन ने प्रथम श्रेणी के 13 मैचों में 21 विकेट लिये हैं। चौबीस साल के अर्जुन तेंदुलकर ने घरेलू क्रिकेट में 15 लिस्ट ए मैच और 21 टी-20 खेले हैं। लिस्ट ए में उनके नाम 21 तथा टी-20 में 26 विकेट हैं। प्रथम श्रेणी में अर्जुन तेंदुलकर के नाम एक शतक और दो अर्धशतक भी हैं।

पिकलबॉल विश्व कप में भारत से दो टीमें भाग लेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय की दो टीमें पेरू के लीमा में 22 से 27 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले पिकलबॉल विश्व कप में चुनौती पेश करेगी। भारतीय पिकलबॉल संघ (आईपीए) ने कहा कि उसे वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए दो टीमें भेजने के लिए आमंत्रित किया गया था। आईपीए ने मंगलवार को पिकलबॉल विश्व रैंकिंग के साथ साझेदारी में घोषणा भी घोषणा की। आईपीए ने कहा, आईपीए और गुजरात राज्य पिकलबॉल संघ (जीएसपीए) के तत्वावधान में अहमदाबाद में हाल ही में संपन्न चयन ट्रायल में नौ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। ओपन वर्ग के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व धीरेन पटेल करेंगे और इसमें हिमांश मेहता, सूरज देसाई, रक्षिका रवि और अंशी शेठ शामिल होंगे। सीनियर्स (50 वर्ष से अधिक उम्र के खिलाड़ियों की टीम) टीम में नोजर अमलसदीवाला, किरण सालियान, बेला कोटवानी और सुजय पारेख शामिल होंगे। पिकलबॉल को टेनिस की तरह खेला जाता है लेकिन इस खेल में खिलाड़ी रैकेट की जगह पैडल का इस्तेमाल करते हैं। इसके कोर्ट का आकार बैडमिंटन कोर्ट से दोगुना होता है। आईपीए अध्यक्ष सूर्यवीर सिंह भुल्लर ने कहा, विश्व कप में दो टीमें भेजने के लिए आमंत्रित किया जाना भारतीय पिकलबॉल संघ के लिए गर्व का क्षण है। हमें इन खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है और उम्मीद है कि वे भारत का नाम रोशन करेंगे।

दुबई कॉन्सर्ट में 21 सितंबर को परफॉर्म करेंगे मोहित चौहान

प्ले बैक सिंगर मोहित चौहान, डूबा डूबा, नादान परिंदे, तुम से ही और अन्य जैसे प्रतिष्ठित ट्रैक के लिए जाने जाते हैं। वे अब दुबई में द एजेंडा इन मीडिया सिटी में परफार्मेंस के लिए तैयार हैं। वह 21 सितंबर को रोड टू हेडलाइंस फेस्टिवल के एक भाग के रूप में मंच संभालेंगे। वह अपनी प्रभावशाली उपस्थिति और अनूठी आवाज के साथ अपने कुछ सबसे प्रतिष्ठित बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। इनमें पी लूं, कुन फया कुन, मटरगश्ती, मसकली, तुम से ही और कई अन्य धुनें शामिल हैं।
कार्यक्रम के लिए उत्साहित मोहित चौहान ने कहा, इतने लंबे समय के बाद दुबई में फिर से प्रदर्शन करना रोमांचकारी है। मैं वास्तव में दुबई के दर्शकों की जीवंतता का आनंद लेता हूं, और उनका गर्मजोशी भरा स्वागत हमेशा मेरे प्रदर्शन को और भी खास बना देता है। उन्होंने कहा, मैं दुबई में अपने प्रशंसकों से इतना प्यार और सराहना पाने के लिए भाग्यशाली रहा हूं और मैं इसके लिए उनका आभारी हूं। मैं मौज-मस्ती से भरी एक रात लाने का वादा करता हूं, इसमें हम एक साथ संगीतमय यात्रा का आनंद लेते हुए अद्भुत यादें बनाएंगे।
बूंदें गायक विश्व भर में काफी चर्चा में रहे। उनका एआर रहमान, इम्तियाज अली और अन्य श्रेष्ठ कलाकारों जैसे उद्योग के दिग्गजों के साथ सहयोग का एक उल्लेखनीय इतिहास रहा है। वह अपने दमदार परफॉर्मेंस देने के लिए जाने जाते हैं। कॉन्सर्ट के टिकट प्लैटिनमलिस्ट.नेट पर उपलब्ध हैं। प्रदर्शन का आयोजन वीटीआर हॉस्पिटैलिटी एंड इवेंट्स द्वारा किया गया है और शोऑफ़ एंटरटेनमेंट का सहयोग है। इस बीच, गायक को हाल ही में दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा-स्टारर स्ट्रीमिंग बायोपिक अमर सिंह चमकीला में एक कैमियो परफॉर्मेंस में भी देखा गया था। ऑस्कर और ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार ए. आर. रहमान और प्रीतम के साथ उनका सहयोग बहुत हिट रहा है। वह इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म रॉकस्टार में रणबीर कपूर के किरदार जॉर्डन की आवाज थे।

रोमांस-हॉरर-थ्रिलर फिल्मों से तहलका मचाएंगी तृप्ति, भूल भुलैया 3-धड़क 2 में होगा जबर्दस्त रोल

फिल्म एनिमल से तृप्ति डिमरी को इतनी ख्याती मिली है कि उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई है। फिल्म एनिमल में भाभी 2 के नाम से प्रसिद्ध हुईं तृप्ति की इस साल कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस और हॉरर से भरपूर होंगी। इन सभी फिल्मों में तृप्ति अलग-अलग किरदार में नजर आएंगी।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो

सबसे पहले बात करते हैं तृप्ति डिमरी की आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की। बीते दिन इस फिल्म का अतरंगी ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसमें राजकुमार राव के साथ तृप्ति डिमरी की जोड़ी ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। वहीं फिल्म में मल्लिका शेरावत की एंट्री भी लोगों को बेहद सरप्राइजिंग लगी। यह फिल्म 11 अक्तूबर को सिनेमाघरों मे रिलीज के

भूल भुलैया 3

अब बात करते हैं तृप्ति की हॉरर-कॉमेडी से भरपूर आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 की। इस फिल्म में तृप्ति अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ कॉमेडी के साथ हॉरर का तड़का लगाती नजर आएंगी। इस फिल्म में कार्तिक और तृप्ति के अलावा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित के अलावा भी कई कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म इस साल के आखिर में रिलीज होगी।

धड़क 2

धड़क 2 में तृप्ति अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी संग नजर आएंगी। इसकी आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। इस फिल्म की घोषणा निर्देशक करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर इस साल 27 मई को की थी। इस फिल्म की घोषणा के साथ करण ने लिखा था, यह कहानी है थोड़ी अलग क्यूंकि एक था राजा, एक थी रानी – जात अलग थी...ख़त्म कहानी।
एनिमल फिल्म से भाभी 2 के नाम से प्रसिद्ध हुई तृप्ति डिमरी अब एक बार फिर से फिल्म एनिमल में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एनिमल 2 में एक बार फिर से तृप्ति भाभी 2 बनकर लौटेंगी। हालांकि, फिल्म की अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन इतना जरूर है कि एनिमल फिल्म के आखिर को देखकर यही कयास लगाए जा रहे हैं कि एनिमल 2 जरूर आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, परियेरम पेरूमल की हिंदी रीमेक में तृप्ति नजर आ सकती है। इस फिल्म की अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन सूत्रों के अनुसार इस फिल्म में भी तृप्ति के होने की पूरी उम्मीद है।

अक्षरा संग ब्रेकअप पर खुल कर बोले तनुज विरवानी

तनुज विरवानी बॉलीवुड इंडस्ट्री के सक्रिय अभिनेता और मॉडल हैं। उन्हें साल 2017 में रिलीज हुई वेब सीरीज इनसाइड एज में वायु राघवन की भूमिका के लिए जाना जाता है।इसके अलावा वह ऑल्ट बालाजी के कोड एम में जेनिफर विंगेट के साथ भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने इससे पहले सनी लियोन के साथ रोमांचक थ्रिलर वन नाइट स्टैंड में भी काम किया था। अभिनय के अलावा वह अभिनेत्री अक्षरा हासन के साथ अपने प्रेम संबंधों को लेकर भी चर्चा में रहे थे। हालांकि, बाद में दोनों ने अपनी राहें अलग कर ली थीं। हाल में ही अभिनेता ने अक्षरा के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की है।

अक्षरा हासन के साथ रहा था चार साल लंबा प्रेम संबंध

अक्षरा हासन साउथ फिल्मों के मशहूर अभिनेता कमल हासन की बेटी हैं। तनुज विरवानी और अक्षरा हासन लगभग चार साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। हालांकि, बाद में उनका यह रिश्ता टूट गया और आखिरकार दोनों अलग हो गए। अक्षरा की कुछ निजी तस्वीरें ऑनलाइन लीक हो गई थीं, जिसके बाद उनका ब्रेकअप हो गया। इस वजह से दोनों काफी समय से एक दूसरे से किसी तरह के संपर्क में नहीं हैं। हाल में ही तनुज ने इस पर खुलकर बात की है। वह सिद्धार्थ कनन के साथ इंटरव्यू में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा,कभी-कभी जब आप अपने साथी के लिए सम्मान खो देते हैं, और जब आपको चाहिए, तो आप उनके लिए स्टैंड नहीं लेते हैं, तो मैं माफ कर सकता हूं, लेकिन भूल नहीं सकता। अभिनेता ने इस इंटरव्यू के दौरान कहा कि वह अपने सभी पूर्व प्रेमिकाओं के साथ दोस्ती वाला बॉन्ड साझा करते हैं। इस दौरान उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह सिर्फ अक्षरा के अलावा सभी के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी कई पूर्व प्रेमिकाओं के साथ दोस्त बना हुआ हूं और दोस्ती से बढ़कर, हम सभी एक-दूसरे के लिए परस्पर सम्मान रखते हैं। अभिनेता ने अक्षरा से संपर्क टूटने की वजह बताते हुए कहा कि जब उनके लिए कोई स्टैंड ना ले, तो वह माफ कर सकते हैं, लेकिन भूल नहीं सकते। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में दोनों को दोस्ती रखने की भी जरुरत नहीं है, दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में खुश हैं।

अभिनय की दुनिया में वापसी करने के लिए तैयार इमरान खान

अभिनेता इमरान खान ने लंबे समय अभिनय की दुनिया से दूरी बना रखी है। हालांकि, वे कई बार प्रशंसकों से बातचीत कर चुके हैं। कई इवेंट्स और साक्षात्कार के बाद प्रशंसकों ने अभिनेता ने फिर से अभिनय करियर की शुरुआत करने की गुजारिश की। आखिरकार अब ऐसा लगता है कि इमरान अब दोबारा अभिनय करियर की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और उन्होंने एक स्क्रिप्ट पर फैसला ले लिया है। खबर है कि अभिनेता आखिरकार नौ साल के अंतराल के अब बाद फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। हालांकि, अभिनेता अगस्त 2023 से इस बारे में संकेत दे रहे हैं। वहीं अब इमरान ने ब्रेक के बाद फिर अभिनय करने का फैसला कर लिया है।

दानिश असलम करेंगे फिल्म का निर्देशन

रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता अपने चाचा आमिर खान के बैनर आमिर खान प्रोडक्शंस के तहत बने एक फिल्म से बॉलीवुड में वापसी करेंगे। आमिर खान की फिल्म से इमरान खान की स्क्रीन पर वापसी होगी। दानिश असलम नेटफ्लिक्स के लिए एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी का निर्देशन करेंगे। चर्चा है कि इमरान इस फिल्म में अलग अंदाज में नजर आएंगे।

युविका ने अपने पति प्रिंस के करियर के लिए छोड़ दिया अपना काम

अभिनेत्री युविका चौधरी जल्द ही मां बनने वाली हैं। उनकी उम्र 41 साल है पिछले दिनों उनके पति प्रिंस नरुला ने बताया था कि युविका जल्द एक व्लॉग के जरिए आईवीएफ ट्रीटमेंट पर बात करेंगी। बता दें कि युविका आईवीएफ से ही मां बनने जा रही हैं। अपने व्लॉग में युविका ने आईवीएफ चुनने का कारण साझा करते हुए बताया कि शादी के वक्त उनके पति का करियर पीक पर था इसलिए उन्हें आगे बढ़ने में मदद करने के लिए उन्होंने काम बंद करने का फैसला ले लिया आगे चलकर बच्चे पैदा करने में कोई परेशानी ना हो, इसके लिए उन्होंने अपने एग्स फीज करा लिए थे, उन्होंने कहा कि ये बिल्कुल भी आसान नहीं रहा था। युविका ने बताया कि वो अपने पति को करियर में अच्छा करते हुए देखकर काफी खुश हैं, मालूम हो कि दोनों ने 2018 में शादी की थी।

कमिटमेंट को लेकर सुष्मिता सेन का क्रिप्टिक पोस्ट

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन अक्सर किसी न किसी बात को लेकर चर्चा में रहती हैं। वे मुंबई में कई जगहों पर स्पॉट भी होती रहती हैं। इस दौरान पैपराजी से बातचीत में वह कहती हैं मुस्कुरा नहीं सकती। उनकी आवाज भी लड़खड़ा रही है। संभवत दांत दर्द के बाद उन्हें लोकल एनेस्थीसिया की भारी खुराक दी गई थी। अब अभिनेत्री ने एक क्रिप्टिक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने कमिटमेंट को लेकर बात की है।
सुष्मिता सेन ने अपनी पोस्ट में लिखा है,हमारी दिलचस्पी और प्रतिबद्धता के बीच बहुत अंतर होता है। जब आप किसी चीज में दिलचस्पी रखते हैं, हम अपनी सुविधा के हिसाब से काम करते हैं। वहीं, जब हम किसी चीज को लेकर प्रतिबद्ध यानी उसके प्रति कमिटिड होते हैं तो हम कोई बहाने नहीं कर सकते हैं। हमें सिर्फ परिणाम दिखता है। दरअसल, पोस्ट में सुष्मिता ने केनेथ एच. ब्लांचर्ड का कोट साझा किया है।

सपने को लेकर कही ऐसी बात

इस पोस्ट को शेयर करते हुए सुष्मिता सेन ने लिखा है, सपने दिलचस्प होते हैं, उन्हें साकार करने के लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है!!! तो सवाल यह है कि क्या हम जीवन में केवल दिलचस्पी रखते हैं या इसके लिए प्रतिबद्ध हैं? लव यू

फैंस ने किया ऐसा कमेंट

एक फैन ने सुष्मिता के पोस्ट पर कमेंट किया कि बहुत बढ़िया और प्रेरणादायक बात कही है! शुक्रिया सुष्मिता। एक अन्य यूजर ने लिखा, माफ करें, लेकिन कभी-कभी हम चाहे कितने भी नतीजे दिखाना चाहें, कुछ ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं जो हमें ऐसा करने की अनुमति नहीं देती...। इसके अलावा एक यूजर ने सुष्मिता की पोस्ट को नकारते हुए लिखा पूरी तरह से सहमत नहीं हो सकता। असली मजबूत प्रतिबद्धता सिर्फ मूल दिलचस्पी से ही आती है।

सिद्धार्थ-कियारा की शादी के सीन को रिक्रिएट करने पर बोले विहान समत

अभिनेता विहान समत हाल ही में अपने कुछ किरदारों को लेकर चर्चा में रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अनन्या पांडे के साथ कॉल मी बे सीरीज में अगस्त्य चौधरी का रोल निभाया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी के ओरिजनल सीन को रिक्रिएट किया गया है। फिल्म का ये सीन सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस सीन को लेकर अब विहान समत ने भी बात की है।

शादी के सीन को रिक्रिएट करने की थी इच्छा

विहान ने कहा कि निर्देशक कॉलिन डी कुन्हा ने सीरीज के शूट के दौरान उनसे बात की और कहा कि वो इस सीन को रिक्रिएट करना चाहते हैं। उन्होंने मुझसे सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी का ओरिजिनल सीन को फिल्माने और सीरीज में शामिल करने की इच्छा जाहिर की थी। विहान ने कहा, मुझे लगता है वो पूरा सेटअप वैसा ही था, जैसा कि ऑरिजनल था।

अपने फोन पर दिखाया था सीन

इंटरव्यू के दौरान विहान ने कहा कि हम जिस दिन सिड और कियारा की शादी का सीन रिक्रिएट कर रहे थे उस दिन निर्देशक मेरे पास आए और उनकी शादी के सीन को अपने फोन पर मुझे दिखाया और बोले ये करो और मैं कहा ठीक है।

अनन्या के साथ काम करना है आसान

विहान समत ने कहा, मैंने अनन्या के साथ सीटीआरएल की शूटिंग की थी और फिर हम कॉल मी बे में भी साथ में जुड़े, लेकिन कॉल मी बे बिल्कुल अलग गेम था। इसलिए, हमें रीसेट करना पड़ा। अनन्या पेशेवर कलाकार हैं और उनके साथ काम करना काफी आसान है।

सीटीआरएल में नजर आएंगे विहान समत

विहान समत जल्द ही विक्रमादित्य मोटवानी की साइबर थ्रिलर सीटीआरएल में नजर आने वाले हैं। निर्देशक को लेकर विहान समत ने कहा, एक बार जब वह आपको चुन लेते हैं, तो वह आप पर पूरा भरोसा जताते हैं। वह आपको नोट्स देते हैं, लेकिन वह आपको अपने हिसाब से चलने पर भी बंदिशे नहीं लगाते। वह आपको बहुत ज्यादा तकनीकी नोट्स से परेशान नहीं करते। इसके साथ ही वह कम बोलने वाले व्यक्ति भी है, इसलिए शुरू में मैं उन्हें सुनने के लिए कान खड़ा रखता था, लेकिन वह आपको काफी सहज कर देते हैं।

अब छोटे परदे पर लौटने की नहीं है कोई इच्छा

अभिनेता राम कपूर जल्द ही युध्रा फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें गजराज राव, मालविका मोहनन, राघव जुयाल और राज अर्जुन ने भी अभिनय किया है। राम कपूर की बात करें तो उन्होंने टीवी शो बड़े अच्छे लगते हैं से दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाई है। वो टीवी से ब्रेक ले चुके हैं और एक हालिया साक्षात्कार में उन्होंने टीवी पर वापसी को लेकर अपनी बात साझा की है। राम कपूर का कहना है कि वो फिलहाल टीवी पर वापसी करना नहीं चाहते और उनकी ऐसी कोई इच्छा भी नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर आप छोटे परदे पर बढ़िया काम करना चाहते हैं और उसके लिए एक सफल शो चाहते हैं तो फिर तीन-चार साल तक एक ही रोल को करना पड़ता है इसलिए टीवी की दुनिया में लौटना मुश्किल है। राम ने कहा कि उन्हें फिल्म और ओटीटी पर अच्छे अभिनेता के तौर पर स्वीकार्यता मिल गई है।